गांव की गलियों से सरहद पार तक

dainikworldwisenews@gmail.com

वर्ल्ड वाइज न्यूज

डब्ल्यू डब्ल्यू एन

RNI.NO: JHAHIN/2023/85732

हजारीबाग ▪ शुक्रवार ,21 फरवरी,2025 ▪ विक्रम सम्वत् 2081 ▪ पृष्ठ 12 ▪ मूल्य :5 रू ▪ वर्ष :02 ▪ अंकः 216 ▪ झारखंड संस्करण

स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

वर्ल्ड टूरिज्म स्पेन।

जौनपुर में सड़क हादसा, हजारीबाग के आधा दर्जन से अधिक श्रद्धालुओं की मौत

- महाकुंभ से गए थे अयोध्या लौटने के दौरान सूमो को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर
- कंडसार में मातम, सूचना मिलने के बाद जौनपुर के लिए निकले परिजन

वर्ल्ड वाइज न्यूज

जौनपुर/हजारीबाग। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में बुधवार की देर रात दो जगह हुए मार्ग दुर्घटनाओं में अब तक नौ लोगों की मौत हुई है, जबकि 29 लोग घायल हुए है। ये सभी श्रद्धालु काशी विश्वनाथ, रामलला के दर्शन को जा रहे थे।

हादसे में हजारीबाग की कांति और नितेश की मौत, अन्य का शिनाख्त जारी- पहली घटना बुधवार की देर रात करीब डेढ़ बजे की है। जौनपुर से सुलतानपुर जा रही टाटा सूमो को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में 11 यात्रियों में से छह लोगों की मौत हो गई। इनमें दो की पहचान झारखंड के हजारीबाग के कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत ग्राम कंडसार निवासी कांति देवी (60) और नितेश कुमार (20) के रूप में हुई है। चार अन्य की शिनाख्त की जा रही है। शेष पांच घायलों को जिला अस्पताल जौनपुर में भर्ती कराया गया है। दूसरा हादसा उसी रात तीन बजे का है, जहां एक ट्रक ट्रेलर में पीछे से बस जा घुसी। हादसे में बस चालक मोनू सिंह और उनके दो परिजन एवं एक अन्य की मौत हो गई। दोनों वाहनों में कुल 29 लोग घायल हुए है। जिसमें पांच लोगों की हालत गंभीर बताते हुए वाराणसी के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है। बाकी का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। यात्री बिमला देवी ने बताया कि वे काशी विश्वनाथ के दर्शन और महाकुंभ में स्नान करके रात 11 बजे निकले थे। चालक को झपकी आने से दुर्घटना हुई। यात्री सुशीला ने बताया कि वे कुंभ स्नान के बाद अयोध्या दर्शन जा रहे थे। जिला अस्पताल के डॉ. कृष्ण कुमार पांडेय ने बताया कि बदलापुर से नौ शव आए हैं। इनमें पांच महिलाएं तीन पुरुष और एक बच्चा है। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ ने बताया कि जिले में कुछ ही घंटों में दो दुर्घटनाएं हुईं। हादसे में अब तक नौ लोगों की जान चली गई है, 29 घायल हैं। सभी का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना की जानकारी परिवार को दे दिया है। घायलों में झारखंड, दिल्ली के रहने वाले हैं।

कुंभ नहाने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी बस में लगी आग, कूद कर बचाई जान

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रामगढ़। रांची से प्रयागराज कुंभ नहाने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी बस में अचानक आग लग गई। इस हादसे में श्रद्धालुओं ने बस का शीशा तोड़ा और कूद कर अपनी जान बचाई। यह घटना रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत से हेसागढ़ा डायवर्सन में बुधवार के देर रात हुई है। जानकारी के अनुसार रांची से प्रयागराज जा रही रूनी स्लीपर बस के (जेएच 01 एफआर 2771) में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। बस जब कुजू क्षेत्र से गुजर रही थी, इसी दौरान शॉर्ट सर्किट हुआ और एसी बस में आग लग गई। क्योंकि बस में कोई आपातकालीन निकास नहीं था और आग तेजी से फैल रहा था, इसलिए श्रद्धालुओं ने शीशा तोड़कर बाहर निकलने का प्रयास किया। श्रद्धालुओं ने कूद कर जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की सहायता से आग पर काबू पाया गया। बस बुरी तरह जल चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

आईसीजी के लिए खरीदे जाएंगे 149 सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो, बीईएल से हुआ अनुबंध

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को भारतीय तटरक्षक बल के लिए 149 सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो खरीदने का अनुबंध भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ किया। कुल 1220.12 करोड़ रुपये की लागत से 149 सॉफ्टवेयर परिभाषित रेडियो बेंगलुरु की कंपनी बीईएल से खरीदे जाएंगे। ये अत्याधुनिक रेडियो हाई-स्पीड डेटा और सुरक्षित वॉयस संचार के माध्यम से सुरक्षित और विश्वसनीय सूचनाओं का आदान-प्रदान करेंगे। इससे भारतीय तटरक्षक बल की समुद्री कानून प्रवर्तन, खोज और बचाव अभियान, मत्स्य संरक्षण और समुद्री पर्यावरण संरक्षण सहित अपनी मुख्य जिम्मेदारियों को पूरा करने की क्षमता मजबूत होगी। इसके अतिरिक्त ये रेडियो भारतीय नौसेना के साथ संयुक्त अभियानों के लिए अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाएंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह परियोजना तटरक्षक बल की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करके भारत सरकार के ब्लू इकोनॉमी उद्देश्यों का समर्थन करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के साथ तालमेल बिठाते हुए यह अनुबंध उन्नत सैन्य-ग्रेड संचार प्रणालियों के लिए देश की विनिर्माण क्षमताओं कोबढ़ाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने लोकपाल के फैसले पर लगाई रोक और, "बहुत परेशान करने वाला" आदेश बताया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के एक वर्तमान न्यायाधीश के खिलाफ शिकायतों पर विचार करने संबंधी लोकपाल के आदेश पर रोक लगाकर "बहुत परेशान करने वाला" आदेश करार दिया। न्यायमूर्ति बी आर गवई की अध्यक्षता वाली विशेष पीठ ने लोकपाल द्वारा 27 जनवरी को पारित आदेश पर स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई के संबंध में केंद्र और अन्य को नोटिस जारी कर जबाव मांगा है। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति अभय एस ओका शामिल हैं। पीठ ने शिकायतकर्ता को न्यायाधीश का नाम उजागर करने से रोक दिया है। पीठ ने शिकायतकर्ता को अपनी शिकायत गोपनीय रखने का भी निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाकर लोकपाल के आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें लोकपाल ने खुद को हाई कोर्ट के मौजूदा जजों की जांच करने का अधिकारी बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को बेहद परेशान करने वाला करार देकर केंद्र और लोकपाल के रजिस्ट्रार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। लोकपाल ने 27 जनवरी को आदेश जारी कर हाई कोर्ट के एक मौजूदा अतिरिक्त न्यायाधीश के खिलाफ दो शिकायतों पर कार्रवाई की थी। इन शिकायतों में आरोप था कि संबंधित जज ने निजी कंपनी के पक्ष में फैसला लेने के लिए राज्य के एक अतिरिक्त जिला न्यायाधीश और हाई कोर्ट के एक अन्य न्यायाधीश को प्रभावित किया।

मोदी के रहते मुमकिन नहीं है 370 की वापसी: सीएम अब्दुल्ला

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के भले ही केंद्र सरकार से अच्छे संबंध बताए जाते हैं लेकिन मौका आने पर उमर अपनी बात कहने से नहीं चूकते हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि यदि मोदी सरकार द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं तो उनकी सरकार केंद्र के साथ अपने संबंधों को लेकर पुनर्मूल्यांकन कर सकती है। साथ ही उन्होंने यह भी साफ शब्दों में कहा है कि पीएम मोदी के रहते जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल-370 की वापसी नहीं हो सकती है। दरअसल एक इंटरव्यू के दौरान सीएम उमर अब्दुल्ला से जब यह पूछा गया कि जब तक नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं, क्या जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के बहाल होने की कोई संभावना है? उमर अब्दुल्ला ने साफ शब्दों में कहा कि नहीं, इसकी कोई संभावना नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के प्रति अपनी दृष्टिकोण को लेकर उठाए गए सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के पहले कुछ महीनों में केंद्र के साथ एक सहयोगात्मक संबंध स्थापित करना महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, कम से कम मेरी सरकार के पहले कुछ महीनों में मुझे जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए केंद्र सरकार के साथ एक अच्छा कार्य संबंध स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए। 2019 में केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के मुद्दे पर उमर अब्दुल्ला ने अपनी स्थिति को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा की इसकी बहाली के लिए संघर्ष को छोड़ा नहीं गया है।

मैट्रिक परीक्षा का पर्चा लीक, दो विषयों की परीक्षा रद्द

- विभिन्न संगठनों ने जताया विरोध, सरकार को बताया विफल
- झारखंड में थम नहीं रहा विभिन्न पर्चा लीक का मामला
- इम्तिहान से पहले सोशल मीडिया पर छा गए थे सवाल, मिलान करने पर हुई पुष्टि

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची। झारखंड में पर्चा लीक का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इन परीक्षा माफिया के कारण विद्यार्थियों की सेहत और मनोबल पर असर पड़ रहा है। फिलहाल मामला गिरिडीह और कैडरमा से जुड़ा बताया जा रहा है। परीक्षा केंद्रों में पेपर खुलने के पहले सोशल मीडिया पर पूछे जाने वाले प्रश्नों की झड़ी लगी हुई थी। झारखंड एकेडेमिक काउंसिल (जैक) ने जब हिन्दी और विज्ञान की परीक्षा के प्रश्न पत्रों का सोशल मीडिया पर छाए सवालों से मिलान किया, तो वह सही पाए गए। फिर 18 फरवरी को दी गई हिन्दी और 20 फरवरी को हुई विज्ञान की परीक्षा को रद्द कर दिया गया। इधर विभिन्न संगठनों ने पर्चा लीक मामले पर विरोध जताते हुए झारखंड सरकार को सवालों के कटघरे में खड़ा किया

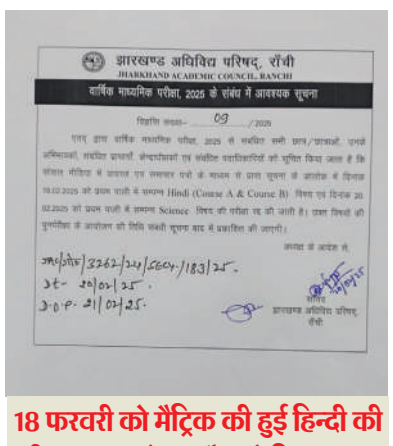

झारखण्ड अधिविद्य परिषद्, राँची
JHARKHAND ACADEMIC COUNCIL, RANCHI
वार्षिक माध्यमिक परीक्षा, 2025 के संबंध में आवश्यक सूचना

18 फरवरी को मैट्रिक की हुई हिन्दी की परीक्षा रद्द करने का जैक से निकला पत्र

क्या कहते हैं जैक के अध्यक्ष- जैक के अध्यक्ष नटवा हांसदा ने एक निजी चैनल को बताया है कि 20 फरवरी की सुबह 9.45 बजे प्रश्न पत्र का पैकेट खुलते ही वायरल प्रश्न पत्र से मिलान किया गया। मिलान में मामला सही पाया गया। उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव अलका तिवारी ने इस बाबत एक हाई लेवल बैठक भी की है। जैक अध्यक्ष नटवा हांसदा का कहना है कि विज्ञान सैद्धांतिक की परीक्षा रद्द करने की कवायद शुरू हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि जांच के लिए एक हाई लेवल कमेटी का भी गठन किया जाएगा।

भ्रामक खबरों से बचने की सलाह- इधर जैक ने वेब नोटिस जारी कर अभ्यर्थियों को भ्रामक खबरों से बचने की सलाह दी थी। जैक सचिव के हस्ताक्षर से जारी नोटिस में कहा गया था कि अभ्यर्थियों को भ्रामक खबरों से बचना है। परिषद पूरी गोपनीयता और निष्पक्षता के साथ पारदर्शी तरीके से परीक्षा आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ऐसी किसी भी खबर की पुष्टि के लिए जैक के आधिकारिक वेबसाइट को देखने की सलाह दी थी।

यूएसएड पर श्वेतपत्र जारी करे केन्द्र सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) को भारतीय चुनावों के लिए 21 मिलियन डॉलर के फंड पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विस्मयकारी टिप्पणी को बेतुका बताया है। हालांकि ट्रंप के बयान पर कांग्रेस ने केन्द्र सरकार से इस मुद्दे पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आज एक्स पोस्ट में कहा कि 'यूएसएड' इन दिनों काफी चर्चा में है। इसकी स्थापना 03 नवंबर 1961 को हुई थी। वैसे तो अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा किए जा रहे दावे कम से कम कहने के लिए तो बेतुके हैं, फिर भी, भारत सरकार को जल्द से जल्द एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए, जिसमें दशकों से 'यूएसएड' द्वारा सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों को दिए गए समर्थन का विस्तृत विवरण हो। उल्लेखनीय है कि हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में वोटिंग बढ़ाने के लिए यूएसएड को मिलने वाली 8 मिलियन डॉलर की फंडिंग पर रोक लगा दी। पूर्ववर्ती बाइडन सरकार पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि भारत को वोटिंग बढ़ाने के लिए 182 करोड़ के लगभग (21 मिलियन डॉलर) देना एक सवाल खड़ा करता है कि क्या वो किसी और को निर्वाचित कराने की कोशिश कर रहे थे।

ममता के मृत्यु कुंभ वाले बयान को मिला कई नेताओं का समर्थन

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी के महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताने वाले बयान को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। एक ओर जहां भाजपा ममता पर हमलावर है, वहीं दूसरी तरफ तमाम विपक्षी पार्टियों से मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आ रही है। किसी ने ममता के बयान का समर्थन किया तो किसी ने विरोध जताया। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता वारिस पठान ने ममता के बयान का समर्थन करते हुए कहा, महाकुंभ के अंदर कई लोगों की जान गई, इसके बाद किसी ने कहा कि उनको मोक्ष प्राप्त हो गया। उसके बाद दिल्ली स्टेशन पर हुए हादसे को सभी ने देखा। मैं इसको हादसा नहीं बल्कि हत्या कहूंगा, जिसमें 18 लोगों की मौत हुई और 30 से अधिक लोग घायल हुए। शिवसेना (यूबीटी) के विधायक सुनील राउत ने ममता बनर्जी के बयान का समर्थन करते हुए कहा, ममता बनर्जी ने जो कहा वह सही है। मैं खुद वहां पर स्नान करने के लिए गया था और वहां की व्यवस्था देखी है।

Classified

अधिक जानकारी के लिए आप आयुष्मान डेंटल क्लिनिक के दिए गए नंबर पर संपर्क करे :
7061815259, 7906590688

Classified

सरकार कैंसर को लेकर गंभीर, वैक्सीन पर कर रही काम, जल्द होगी उपलब्ध

- यह वैक्सीनेशन खासकर 9 से 16 साल की लड़कियों को लगाई जाएगी

नई दिल्ल। कैंसर दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहा है। खासकर महिलाओं में यह बीमारी ज्यादा देखने को मिल रही है। इस बीमारी के कारण लाखों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। हाल ही में इस समस्या से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने घोषणा की है कि महिलाओं में होने वाले कैंसर से बचाव के लिए एक वैक्सीन अगले पांच से छह महीनों में उपलब्ध हो जाएगी। यह वैक्सीनेशन खासकर 9 से 16 साल की लड़कियों के लिए होगी। केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि देश में कैंसर के मामलों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है और इसे लेकर सरकार पूरी तरह से गंभीर है। यह वैक्सीन महिलाओं में स्तन, मुख और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से लड़ने में मदद करेगी। यह कदम इस दिशा में एक बड़ी उम्मीद है, क्योंकि महिलाओं में इन कैंसर प्रकारों का खतरा बहुत ज्यादा होता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कैंसर के टीके पर शोध काम करीब पूरा हो चुका है और परीक्षण चल रहे हैं। इस टीके को जल्द से जल्द लॉन्च किया जाएगा, ताकि महिलाओं को इससे होने वाले खतरों से बचाया जा सके। इस वैक्सीनेशन को प्राथमिकता उन लड़कियों को दी जाएगी, जिनकी उम्र 9 से 16 साल है। यह कदम देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी क्रांतिकारी पहल साबित हो सकता है। इसके अलावा सरकार ने कैंसर की पहचान और इलाज को और बेहतर बनाने के लिए एक और योजना की घोषणा की है। सरकार ने 30 साल से ऊपर की महिलाओं के लिए अस्पतालों में कैंसर की स्क्रीनिंग शुरू करने का फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाइयों पर सीमा शुल्क भी माफ कर दिया है, जिससे इन दवाइयों की कीमत में कमी आएगी और लोगों को बेहतर इलाज मिल सकेगा।

वर्ल्ड फेमस

हमास के चरमपंथियों ने रेड क्रॉस को बंधकों के शव सौंपने से पहले मंच पर चार काले ताबूत प्रदर्शित किए। ताबूत के पीछे हमास के प्रोपेगेंडा बैनर लगे हुए थे, जिसमें एक पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का वैंपायर के रूप में दर्शाया गया था। हमास ने कहा है कि बंधक इजरायली मिसाइल हमले में मारे गए थे।

विदेश शिक्षा में खास है अमेरिका

विदेशी विश्वविद्यालयों में शिक्षा हासिल करने की इच्छा रखने वाले युवाओं के पसंदीदा देशों की बात करें तो ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर के अलावा वरीयता सूची में अमेरिका का एक खास स्थान है। अमेरिका में उच्च शिक्षा के स्तर की बात की जाए तो यहां से पढ़ कर निकलने वाले युवाओं को ग्लोबल मार्केट में भरपूर महत्त्व दिया जाता है और यहां मिलने वाली डिग्री को जॉब गारंटी के तौर पर देखा जाता है। यही वे कारण हैं, जिनके चलते बीते पांच सालों में न केवल जॉब, बल्कि एजुकेशन के सिलसिले में भी भारी तादाद में भारतीय छात्रों ने अमेरिका का रुख किया है।

अमेरिका के विश्वविद्यालयों में शिक्षा के विभिन्न स्तर देखने को मिलते हैं। आप यहां अपनी रुचि और मार्केट की मांग के अनुरूप कोर्स का चुनाव कर सकते हैं। यहां ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और रिसर्च, सभी तरह के कोर्स उपलब्ध हैं। विशेषज्ञता प्राप्त कोर्सों में यहां के विश्वविद्यालयों में बिजनेस मैनेजमेंट, सोशल साइंस, एनिमेशन, क्लासिकल स्टडीज, कैमिस्ट्री, डेवलपमेंट स्टडीज, हिस्टॉरिकल प्रिजर्वेशन, साहित्य, मरीन बायोलॉजी, परफॉर्मिंग आर्ट्स, वुमंस स्टडीज, फिजिक्स, सोशल एंथ्रोपोलॉजी, मैथेमेटिक्स आदि पढ़ाए जाते हैं। इनके अलावा यहां लैंग्वेज कोर्स में अमेरिकी, फ्रेंच, कैनेडियन, रशियन, स्पेनिश भाषा सिखाई जाती है।

प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप अमेरिका के किसी विश्वविद्यालय में दाखिला पाना चाहते हैं तो आवेदन संबंधी तमाम जानकारी संबंधित विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर और ईमेल के माध्यम से हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा प्रवेश प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी के लिए यूएस एजुकेशन सेंटर से भी संपर्क किया जा सकता है। यहां से भी आवेदन पत्र प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन पत्र के साथ आवेदक को शैक्षिक योग्यता और अंग्रेजी ज्ञान परीक्षा, कार्य अनुभव की जानकारी और अनुमोदन-पत्र के साथ शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य का ब्योरा भी पेश करना होता है।

वीजा नियम

अमेरिका में शिक्षा हासिल करने के लिए जाने वाले छात्रों को वीजा शिक्षा के समय के मुताबिक दिया जाता है। इस व्यवस्था में शिक्षा के समय को घंटों में गिना जाता है और उसी के आधार पर आपको वीजा प्रदान किया जाता है। स्टूडेंट वीजा का इस्तेमाल फुल टाइम स्टूडेंट बने रहने तक कर सकते हैं। आवेदक को कोर्स रजिस्ट्रेशन से 90 दिन पहले वीजा के लिए आवेदन करना होता है। आवेदन पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेजों में वैध पासपोर्ट, जन्म प्रमाण-पत्र, विश्वविद्यालय का स्वीकृति पत्र, भाषा ज्ञान परीक्षा के परिणाम के अलावा बैंक ड्राफ्ट जमा करना होता है। वीजा आवेदन फीस की बात करें तो यह 131 डॉलर निर्धारित है। इसके साथ आपको एक प्रश्नावली का भी उत्तर देना जरूरी होता है, तभी वीजा संबंधी बाधा से पार पाया जा सकता है।

फीस

यहां की फीस आपके कोर्स और प्रोग्राम पर निर्भर करती है। मोटे तौर पर सालाना फीस ज्यादा से ज्यादा 15,000 से लेकर 25,000 यूएस डॉलर और कम से कम 10,000 से 20,000 यूएस डॉलर तक रहती है। इसके अलावा रहने-खाने का खर्च संस्थानों और आपकी सहूलियत पर निर्भर करता है।

स्कॉलरशिप

अमेरिका में शिक्षा हासिल करने के इच्छुक युवाओं की आर्थिक समस्या के निदान के लिए यहां के विश्वविद्यालय और संस्थान कई तरह की स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं। स्टूडेंट्स के लिए यहां द फेडरल डायरेक्ट फोर्ड स्टूडेंट लोन या द फेडरल स्टाफोर्ड गोरेन्डीड जैसी संस्थाएं स्टूडेंट्स लोन की सुविधाएं मुहैया कराती हैं। इसके अलावा द नेशनल सिक्योरिटी एजुकेशन और फुलब्राइट प्रोग्राम, फेडरल गवर्मेंट के द्वारा अंडरग्रेजुएट और ग्रेजुएट स्टूडेंट्स को शिक्षा व शिक्षा संबंधित शोध इत्यादि के लिए भी स्कॉलरशिप प्रदान करता है।

पार्ट टाइम जॉब

पढ़ाई के साथ कमाई के विषय में भी अमेरिका में छात्र एकेडमिक स्टडी के पहले वर्ष में जॉब नहीं कर सकते। इसके अलावा यहां पर छात्रों को एक सप्ताह में सिर्फ 20 घंटे कैम्पस के अंदर ही काम करने की छूट है।

पढ़ाई के वैकल्पिक रास्ते पत्राचार, दूरस्थ और ऑनलाइन

आप अगर रेगुलर कॉलेज में किसी कारण से प्रवेश लेने से वंचित रह गए हैं या पसंद का कोर्स नहीं मिला है तो आप के लिए और भी बहुत से वैकल्पिक रास्ते खुले हैं। पत्राचार, दूरस्थ शिक्षा के अलावा ऑनलाइन शिक्षा माध्यम से आप अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। इन माध्यमों से पढाई करने का एक फायदा यह भी है कि आप पढाई के साथ-साथ नौकरी का अनुभव भी हासिल कर सकते हैं। यहां इन्हीं शिक्षा माध्यमों की जानकारी और उनमें अंतर को बताया जा रहा है जो आपको सही निर्णय लेने में सहायक होगा।

दूरस्थ शिक्षा में अब पत्रचार के अलावा छात्रों को पर्सनल कॉन्टेक्ट क्लासेज और ऑनलाइन के रूप में भी अध्ययन की सुविधा मुहैया कराई जा रही है। दूरस्थ शिक्षा के लिए 25 साल पहले इग्नू की स्थापना की गई। अब दूसरे विश्वविद्यालय भी इस राह पर चल पड़े हैं। पत्रचार माध्यम को अपडेट करते हुए उसे नया रूप देते हुए दूरस्थ शिक्षा का मॉडल अपनाया जा रहा है। इसका ताजा उदाहरण है दिल्ली विश्वविद्यालय का स्कूल ऑफ कोरसपोंडेंस। दस साल पहले संस्थान के नाम के अनुरूप इसे पत्रचार स्कूल के रूप में जाना जाता था, लेकिन 2002 के बाद इसका नाम बदल कर कैम्पस ऑफ ओपन लर्निंग कर दिया और पत्रचार माध्यम इसका एक अंग बन कर रह गया, जिसे स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग के नाम से जाना जाता है। यह संस्थान इसके बाद धीरे-धीरे दूरस्थ शिक्षा के मॉडल को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ा। आज इसकी लोकप्रियता का आलम यह है कि इसमें रेगुलर से दोगुने यानी तीन लाख छात्र अध्ययनरत हैं। जब कंप्यूटर और इंटरनेट शिक्षण संस्थानों में आया और अध्ययन-अध्यापन में सहायक बना तो पत्रचार माध्यम को नया नाम दूरस्थ शिक्षा यानी डिस्टेंस एजुकेशन दिया गया। इसके तहत प्रिंटेंट अध्ययन सामग्री के अलावा कंप्यूटर और इंटरनेट की मदद से छात्रों को दाखिला, अध्ययन सामग्री और पर्सनल क्लासेज की सुविधा मुहैया कराई गई। अपने छात्रों के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसारण टीवी व इंटरनेट आदि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के जरिए किया गया। दोनों में तकनीक का फर्क है, अन्यथा पत्रचार दूरस्थ शिक्षा का ही अंग है।

दूरस्थ शिक्षा

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय देश-विदेश में दूरस्थ शिक्षा के एक बड़े केन्द्र के रूप में उभरा है। इसने कंप्यूटर और इंटरनेट की मदद से देशभर में डिस्टेंस एजुकेशन के मॉडल को लोकप्रिय बनाया। विश्वविद्यालय में मीडिया स्कूल के निदेशक प्रो. एसएन सिंह कहते हैं, यह शिक्षण का एक बड़ा माध्यम है, जिसमें प्रिंटेड सामग्री के अलावा ऑडियो-वीडियो का भी इस्तेमाल किया जाता है। घर बैठे छात्रों को टेलीकॉन्फ्रेंसिंग से भी शिक्षा दी जा रही है। रेगुलर में सिर्फ एक बार क्लास होती है। इसके बाद छात्रों को खुद पढ़ना और समझना होता है। उस क्लास को दोबारा रिपीट नहीं किया जाता, लेकिन डिस्टेंस एजुकेशन में क्लास और अध्ययन सामग्री रिकॉर्डेड है, जिसे दोबारा सुना और समझा जा सकता है। यहां मार्ग-निर्देशक की कमी नहीं खलने दी जाती। शिक्षा और शिक्षार्थी के बीच निरंतर संवाद कायम रहता है। यह लॉन्ग लाइफ लर्निंग प्रक्रिया है। इग्नू यूजीसी और एआईसीटीई की तरह देशभर के डिस्टेंस एजुकेशन की एक नोडल एजेंसी बन गया है।

ऑनलाइन शिक्षा

शिक्षा का यह माध्यम पूरी तरह कंप्यूटर और इंटरनेट पर आधारित है। इसमें छात्रों के लिए अध्ययन घर बैठे और पेपरलेस होता है। क्लासेज वचरुअल होती हैं। छात्र को घर बैठे कंप्यूटर पर ही दाखिला मिलता है। फीस भी कंप्यूटर के माध्यम से ऑनलाइन जमा करानी होती है। इसके बाद अध्ययन सामग्री भी ऑनलाइन दी जाती है। छात्रों को कोर्स पूरा करने के दौरान असाइनमेंट और परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भरना होता है। ऑनलाइन परीक्षा देने के बाद सर्टिफिकेट भी ऑनलाइन ही प्रदान किया जाता है। इन सब कामों को करने के लिए अध्ययनरत छात्र को संस्थान एक पासवर्ड देता है। नई शताब्दी में शिक्षण संस्थान इस माध्यम की ओर से तेजी से बढ़ रहे हैं।

क्रिएटिविटी का क्रेज

सडकों पर मुंह से आग उगलता गॉडजिला, पृथ्वी पर घूमते दूसरे ग्रह के अजीबोगरीब प्राणी एलियंस, ऊंची-ऊंची बिल्डिंगों पर रेंगता स्पाइडरमैन, राक्षसों से लडते हनुमान व गणेश और बच्चों को लुभाता जंबो! ये सभी पात्र और इनके कारनामे ग्राफिक्स और विजुअल इफेक्ट्स की बदौलत ही स्क्रीन पर हम सभी को अचंभित करते दिखते हैं। एनिमेशन और मल्टीमीडिया का प्रभाव सिर्फ सिनेमा में ही नहीं, बल्कि एडवरटाइजिंग, टीवी मीडिया, एजुकेशन, गेम आदि क्षेत्रों में भी खूब कमाल दिखा रहा है।

मल्टीमीडिया और एनिमेशन - टेक्स्ट, एनिमेशन, ग्राफिक्स, साउंड, वीडियो आदि का मिलाजुला रूप है-मल्टीमीडिया। दूसरे शब्दों में, ऑडियो-वीडियो मैटीरियल को खूबसूरती से पेश करना ही मल्टीमीडिया का काम है। इसी का एक प्रमुख अंग है एनिमेशन, जिसमें डिजाइन, ड्राइंग-ग्राफिक्स, लेआउट और फोटोग्राफी को खूबसूरती से एक सूत्र में पिरोया जाता है।

संभावनाएं - बीपीओ की तरह एनिमेशन एवं विजुअल इफेक्ट्स के क्षेत्र में भी भारतीय प्रोफेशनल्स की तूती पूरी दुनिया में बोल रही है। यही कारण है कि यहां कनाडा, अमेरिका, सिंगापुर आदि कई देशों से एनिमेशन प्रोजेक्ट बडी संख्या में मिल रहे हैं। दिल्ली स्थित प्रान्स मीडिया के निखिल प्राण का कहना है कि यहां प्रत्येक साल बनने वाली ऐसी फिल्मों की संख्या अन्य देशों की अपेक्षा कहीं अधिक है, जिनमें एनिमेशन या विजुअल इफेक्ट्स का अधिकाधिक इस्तेमाल होता है। ऐसी फिल्में 20 फीसदी सालाना की दर से बढ रही हैं। फिलहाल एनिमेटेड फिल्मों के अतिरिक्त गेमिंग का भी बाजार उछाल पर है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय एनिमेशन इंडस्ट्री ट्रेंड प्रोफेशनलों की कमी जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। अगले पांच वर्षों में 2 लाख मल्टीमीडिया प्रोफेशनलों की जरूरत होगी। नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर ऐंड सर्विसेज कंपनीज (नैस्कॉम) की ताजा स्टडी के अनुसार, ग्लोबल एनिमेशन इंडस्ट्री वर्ष 2010 के आखिर तक 80 बिलियन अमेरिकी डॉलर की हो जाएगी। इसमें भारतीय भागीदारी करीब 95 करोड अमेरिकी डॉलर की होगी। एनिमेशन इंडस्ट्री का विकास 15 फीसदी सालाना की दर से हो रहा है। वर्ल्डवाइड गेमिंग मार्केट के इस वर्ष के आखिर तक करीब 12 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है।

ग्राफिक डिजाइनिंग में मूल रूप से टेक्स्ट और ग्राफिकल एलीमेंट का प्रयोग किया जाता है। इसका मुख्य कार्य पेज एवं अन्य प्रोग्राम को आकर्षक और सुंदर बनाने का होता है। ग्राफिक डिजाइन वह आर्ट है, जिसमें टेक्स्ट और ग्राफिक के द्वारा कोई न कोई संदेश लोगों तक प्रभावी तरीके से पहुंचाया जाता है। यह संदेश ग्राफिक्स, लोगो, ब्रोशर, न्यूज लेटर, पोस्टर या फिर किसी भी रूप में हो सकता है। ग्राफिक डिजाइनिंग के लिए ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट लेवॅल पर कई कोर्स कराए जाते हैं। नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ डिजाइनिंग के 4 वर्षीय ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम में एडमिशन लेने के लिए 10+2 पास होना जरूरी है। इसके बाद प्रवेश परीक्षा और इंटरव्यू से गुजरना होता है। वहीं ढाई वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन के लिए ग्रेजुएट ऑफ बीएफए, अप्लाइड आर्ट, इंटीरियर डिजाइन या फिर ग्राफिक डिजाइन में प्रवेश परीक्षा+इंटरव्यू पास करना होता है।

कार्य क्षेत्र - एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में ग्राफिक डिजाइनरों की जरूरत होती है। लाइव स्टेज शो, ब्रांड प्रमोशन, एग्जीबिशन से लेकर शादी समारोह तक में ग्राफिक डिजाइनर की काफी मांग है। स्टेज डिजाइनिंग, सजावट आदि की व्यवस्था करने के लिए भी अच्छे ग्राफिक डिजाइनर की जरूरत पडती है। क्रॉनिकल पब्लिकेशन के अमरेंद्र कुमार कहते हैं कि बुक पब्लिशिंग का काम आज काफी बढ गया है। अगर कोई किताब आकर्षक तरीके से डिजाइन किया गया है, हर किसी की नजर उस पर पडेगी। पब्लिशिंग इंडस्ट्री में हो रही बढोत्तरी से कवर डिजाइन का महत्व काफी बढ गया है।

आवश्यक योग्यता - ग्राफिक डिजाइन, विजुअल इफेक्ट्स (मल्टीमीडिया और एनिमेशन) में बैचलर डिग्री और डिप्लोमा स्तर के कई कोर्स उपलब्ध हैं। इनमें दाखिले के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स में पीजी प्रोग्राम में दाखिले के लिए किसी भी स्ट्रीम में बैचलर डिग्री आवश्यक है।

(20 फरवरी, प्रख्यात साहित्यकार नामवर सिंह की पुण्यतिथि पर विशेष)

नामवर सिंहः हिंदी परिदृश्य के एक महत्वपूर्ण शख्सियत

विजय केसरी अतिथि संपादक, वर्ल्ड वाइज न्यूज

नामवर सिंह हिंदी परिदृश्य के एक महत्वपूर्ण शख्सियत थे। उनकी आलोचना की पुस्तकें आज भी उसी गंभीरता के साथ पढ़ी जा रही है। उनकी रचनाशीलता उनके जाने के साथ ही समाप्त हो गई थी। इसके बावजूद उनका रचना संसार इतना विशाल है कि विश्व के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में उनके लेखन कर्म पर शोध कार्य हो रहे हैं। उन्होंने आलोचना के क्षेत्र में जो कार्य किया, प्रसिद्धि पाई, किसी अन्य आलोचक के लिए वह मुकाम हासिल करना,बड़ी बात प्रतीत होती है। उन्होंने अपने आलोचना कर्म के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों में छुपे हिंदी के रचनाकारों को राष्ट्रीय फलक पर सामने लाया था। उनकी कलम जिस भी साहित्यकार को स्पर्श कर लेती थी, वह साहित्यकार रातों - रात स्टार लेखक बन जाता था। उनकी कलम की तरह उनकी वाणी में भी सरस्वती विराजमान थी। वे हिंदी साहित्य के एक इनसाइक्लोपीडिया बन गए थे। उनके कार्यक्रमों में हजारों हजार की संख्या में लोग सुनने के लिए जुटा करते थे। वे जहां भी जाते, प्रेस और मीडिया वाले उनके पीछे लग जाते थे। उनके मुख से निकले हर वाक्य राष्ट्रीय समाचार में परिवर्तित हो जाया करता था। ऐसी विलक्षण प्रतिभा सदियों बाद पैदा लेती है। वे ना होकर भी उनकी किताबें हम सबों से बातें करती ही रहती हैं। यह उनके जीवन की विशेषता रही। उनका संपूर्ण जीवन साहित्य को समर्पित रहा । नामवर जी का साहित्य कर्म सदैव हिंदी साहित्यानुरागियों का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा । आलोचना

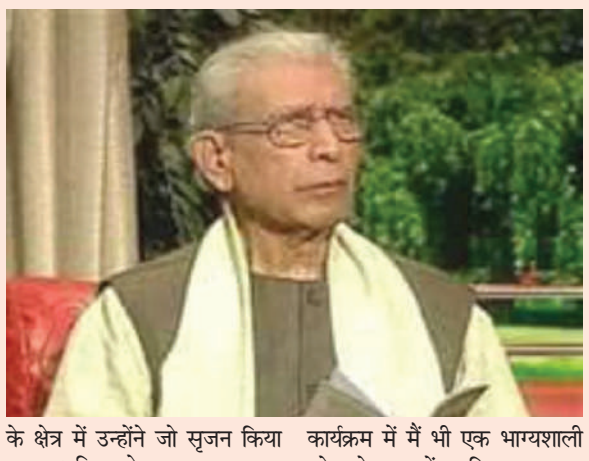

के क्षेत्र में उन्होंने जो सृजन किया ,सदा अमिट रहेगा । उनका जन्म हिंदी साहित्य की सेवा करने के लिए ही हुआ था ।समस्त हिंदी अनुरागियों को उन पर नाज रहेगा। उन्होंने हिंदी साहित्य की हर विधा पर काम किया । वे एक अच्छे साहित्यकार के साथ प्रखर वक्ता तथा उच्च कोटि के विद्वान थे ।उनकी विद्वता सदा लोगों को आकर्षित करती रहेंगी । हिंदी साहित्य के अन्वेषक के रूप में भी उन्हें याद किया जाता रहेगा । वे हिंदी के महासागर के समान थे । हिंदी के शीर्ष पद पर आसीन रहते हुए भी उन्होंने सदा साधारण से साधारण लेखकों, कवियों को आजीवन ऊपर उठाते रहे। 2005 में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के आमंत्रण पर हिंदी साहित्य के सतत गतिशील और जीवंत आलोचक डॉ नामवर सिंह हजारीबाग आए थे। 3 दिनों तक हजारीबाग में रुके थे ।यहां कथा सम्राट "प्रेमचंद की विरासत "पर उनका यादगार व्याख्यान हुआ था । जिसे आज तक लोग भूल नहीं पाए है। लोगों ने प्रेमचंद की रचनाओं पर इतना बेहतरीन और सूक्ष्म अन्वेषित भाषण नहीं सुना था ।यह मेरा सौभाग्य है कि उक्त कार्यक्रम में मैं भी एक भाग्यशाली श्रोता के रूप में उपस्थित था। पूरा सभाकक्ष भरा था। पूर्ण रूपेण शांत चित् होकर लोग डॉक्टर नामवर सिंह को सुन रहे थे। उन्होंने कहा था कि "प्रेमचंद जैसे कथाकार सदियों बाद आते हैं ।और सदियों तक रहते हैं ।उन्होंने अपने कथाओं के माध्यम से समाज में व्याप्त असमानता ,गरीबी ,रुदन ,टूटन और शोषण के खिलाफ आवाज ही नहीं उठाई थी ,बल्कि उन पर जमकर प्रहार भी किया ।" विश्वविद्यालय के कार्यक्रम के अलावा हजारीबाग के साहित्यकारों ने आयकर प्रशिक्षण केंद्र के सभागार में भी साहित्य गोष्ठी का आयोजन किया था। बतौर मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में डॉक्टर नामवर सिंह सम्मिलित हुए थे। अध्यक्षता स्वर्गीय प्रोफेसर नागेश्वर लाल ने की थी । आयोजित उक्त साहित्य सभा में इससे पूर्व वहां होने वाली सभाओं की तुलना में कभी भी इतनी बड़ी भीड़ नहीं हुई थी । सभाकक्ष पूरी तरह भरा था । लोगों ने नामवर सिंह के आने के एक घंटा पूर्व ही यहां आना शुरू कर दिया था । हिंदी साहित्यानुरागियों के लिए नामवर सिंह का सीधा संबोधन सुनना सपने को सच होने जैसा प्रतीत हो रहा था । इस सभा में डॉक्टर नामवर सिंह ने स्थापित कथाकारों से सीखने की सीख दी और आलोचना क्या होती है ? उससे परिचित भी करवाया । उन्होंने कहा कि "मैंने बने बनाए सत्य की पुड़िया बांटने नहीं आया हूं । मैं आपको झकझोरने आया हूं कि नये लोग सामने आए और हमारी अधूरी अपूर्ण बातों को पूरा करें।" उनकी टिप्पणी से प्रतीत होता है कि उन्हें एहसास होना शुरू हो गया था कि अब उनकी उम्र चुक रही है । इसीलिए नए लोगों को सामने आना चाहिए । आलोचना का जो नया मार्ग उन्होंने दिखाया उस पर बहुत काम करने की जरूरत है। चार दिनों तक मैं नामवर सिंह को सुनता रहा था ।इसके बाद भी सुनने की ललक बरकरार रहती थी ।वह हर रचनाकार और साहित्यानुरागियोंसे बड़े ही सहज ढंग से मिलते । मिलने वालों के प्रश्नों का उत्तर पूरी विनम्रता का साथ दिया करते थे । उनके साथ बिताए 4 दिन मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है । ऐसा मैं मानता हूं । नामवर सिंह की विशेष जानकारी हिंदी तक ही सीमित नहीं थी बल्कि इस दुनिया में क्या घटनाएं घट रही है ?क्यों घट रही है? इसके क्या-क्या राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय कारण है ? इन तमाम बिंदुओं पर बेबाक और स्पष्ट राय रखते थे । इन चार दिनों में मैंने देखा कि वे सदैव गतिशील बने रहते हैं । ताजी और स्फूर्ति उनकी देखते बनती थी । जब मैंने इसका राज पूछा तो उन्होंने कहा कि "सच के साथ रहो और सच के लिए मिटना पड़े तो मिट जाओ। मिट कर भी तुम सदियों तक जीवित रहोगे ।यह शरीर को तो एक न एक दिन नाश होना ही है और हर पल नाश हो रहा है ।तुम्हारा सच हर पल जवान हो रहा है और तुम्हें ऊर्जा प्रदान कर रहा है ।

नामवर सिंह को इस बात को लेकर कष्ट होता रहा है कि अधिकांश रचनाकार दूसरे लेखकों की कृतियों को नहीं पढ़ते । रचनाकारों को अन्य रचनाकारों को भी पढ़ना चाहिए और उसमें डूबना चाहिए तथा विचार कर सृजन करें तब उनके लेखन में एक नया आएगा ।मेरी समझ में उनका आशय था कि जब तक रचनाकार दूसरे रचनाकारों को नहीं पढ़ेंगे उनकी रचनाओं में दोहराव आने का खतरा बना रहेगा। नामवर सिंह का मानना है कि "सिर्फ लिखने से काम नहीं चलेगा बल्कि गंभीरता से पढ़ने की जरूरत है" । उन्होंने यहां तक कहा कि आलोचना कर्म पढ़ने की उपज है ।आज मैं जो कुछ भी हूं ,इसी पढ़ने के कारण हूं। हिंदी साहित्य के अलावा देश में ही अन्य भाषाओं का महत्वपूर्ण रचना संसार है । लेखकों को अपनी अन्य भारतीय भाषाओं की रचनाओं को पढ़ना चाहिए । यही कारण है कि नामवर सिंह के प्रशंसक और आलोचक भी यह मानते हैं कि हिंदी साहित्य में उनके जैसी प्रभावशाली उपस्थिति शायद ही किसी की हो। उनका हिंदी पर ही नहीं बल्कि तमाम भारतीय भाषाओं के बौद्धिक परिदृश्य पर गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने अंग्रेजी की तानाशाही को समाप्त कर हिंदी और प्रादेशिक भाषाओं की प्रतिष्ठा स्थापित करने में काफी योगदान दिया। उन्होंने 1945 से लिखना प्रारंभ किया था । 74 साल से वे नियमित लिख रहे थे । पढ़ते रहे थे। यात्राएं करते रहे थे। विभिन्न मंचों से बोलते रहे थे। उनके हर संबोधन में नयापन होता था।। उन्हें साहित्य की सूक्ष्म समझ थी । बड़ी से बड़ी बात को बिल्कुल साधारण और बोलचाल की भाषा में कह गुजरते थे। विद्वता की बुलंदियों को सिद्ध करते हुए भी नामवर सिंह जी सदा अपने को धरातल में बनाए रखते थे। यह सिर्फ और सिर्फ नामवर सिंह से ही संभव था। जो एक बार भी उनसे मिल लेता , उन्हीं का हो जाता था । उनकी ख्याति की गूंज सिर्फ देश भर तक सीमित नहीं है बल्कि विश्व भर में उनके चाहने वाले लोग हैं । सभी नामवर जी की आलोचनाओं को सिद्दत पढ़ते हैं । आलोचनाओं से सीखते हैं और अपनी रचनाओं को की कमियों को दुरुस्त करते हैं, संवारते हैं। प्रख्यात साहित्यकार स्वर्गीय डॉ भारत यायावर ने नामवर के संदर्भ में लिखा है कि "हिंदी आलोचना की एक गौरवशाली परंपरा है जिसके आधार स्तंभ है- आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ,आचार्य रामचंद्र शुक्ल ,नंददुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी ,रामविलास शर्मा और नामवर सिंह । नामवर सिंह हिंदी आलोचना की शायद वह अंतिम कड़ी है ,जिसे इतिहास पुरुष का जा सकता है । भारतीय परंपरा और आधुनिकता के द्वंद से उनकी आलोचना निर्मित हुई है ।" यह लिखने में तनिक भी अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनका कृतित्व ऐतिहासिक महत्व प्राप्त कर चुका है तथा उनका मूल्यांकन प्रस्तुत करना उनके साहित्यिक अवदान की मीमांसा प्रस्तुत करने का यह सही समय है। नामवर सिंह का होना पूरे हिंदी परिदृश्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण एवं जरूरी है।

विजय केसरी
(कथाकार / स्तंभकार)
पंच मंदिर चौक, हजारीबाग - 825 301 ,
मोबाइल नंबर :- 92347 98550.

एलआईसी के सभी कार्यालयों में रही एक घंटे की हड़ताल

एआईआईईए की मान्यता की मांग को लेकर की गई आवाज बुलंद

वर्ल्ड वाइज न्यूज

धनबाद। पूरे देश में एआईआईईए के आह्वान पर नयी बहाली एवं एआईआईईए को मान्यता की मांग के सवाल पर गुरुवार को धनबाद जिले सभी एलआईसी कार्यालय में दिन के 12.30 बजे से 01.30 बजे तक एक घंटे की हड़ताल की गयी। बहिर्गमन हड़ताल को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एलआई सी में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भारी कमी है। 31 मार्च 2017 को तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की संख्या 57441 से घटकर 31 मार्च 2024 को 45762 रह गई है। 2020 में अधिसूचित तृतीय श्रेणी के 8000 पदों में से 2700 से अधिक पद विभिन्न कारणों से भरे नहीं जा सके। चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की स्थिति और भी गंभीर है। भर्ती के माध्यम से इस मुद्दे को हल करने के बजाय, कुछ स्थानों पर चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों को पूरी तरह से आउटसोर्स करने का प्रयास किया जा रहा है। अगले कुछ वर्षों में कई कर्मचारियों के जाने के कारण, ग्राहकों की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा करने और पसंदीदा बीमाकर्ता के रूप में अपनी प्रमुख स्थिति को बनाए रखने के लिए भर्ती की तत्काल आवश्यकता है। हम यह भी नोट करना चाहेंगे कि कर्मचारियों की संख्या में तेजी से कमी हमारे घोषित उद्देश्य एक मजबूत भारत के लिए एक मजबूत एलआईसी को साकार करने के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बन रही है। हमारा अखिल भारतीय संगठन, एआईआईईए, केंद्रीय कार्यालय स्तर पर बार-बार इस मुद्दे को उठाता रहा है। पिछले पांच वर्षों से प्रबंधन का लगातार यही कहना है कि रिक्तियों पर काम चल रहा है और यह प्रक्रिया पूरी होते ही शुरू हो जाएगी। रिक्तियों पर काम करने और भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने के लिए पांच साल का समय काफी होता है, खासकर एल आई सी जैसी विश्व स्तरीय संस्था के लिए। लेकिन शीर्ष स्तर से भी आश्वासन मिलने के बावजूद इस मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है। इस मुद्दे पर कर्मचारियों की निराशा और बेचैनी को एआईआईईए ने आपके साथ अपने अनगिनत पत्राचारों, खासकर 20 दिसंबर 2024 के पत्र के माध्यम से पहले ही आपको बता दिया है। हम प्रबंधन से मांग करते हैं कि संस्थान और पॉलिसीधारकों के हित में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कैडर में भर्ती की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए। एआईआईईए को मान्यता देने का मुद्दा कर्मचारियों की बहुत लंबे समय से लंबित मांग है। एआईआईईए में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के भारी बहुमत का प्रतिनिधित्व करता है। यह कई बार तब प्रदर्शित हुआ जब कर्मचारियों ने विशेष रूप से ए आईआईईए द्वारा दिए गए आंदोलनात्मक आह्वान में भाग लिया।यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एल आई सी कर्मचारियों की इस लोकतांत्रिक आकांक्षा को स्वीकार करने से इनकार कर रहा है, जो औद्योगिक लोकतंत्र की अवधारणा का उल्लंघन है। यह इनकार आई एल ओ के कन्वेंशन 87 और 98 का उल्लंघन करता है, जिस पर भारत हस्ताक्षरकर्ता है। एलआईसी सार्वजनिक क्षेत्र में एकमात्र वित्तीय संस्थान है, जिसके पास मान्यता प्राप्त यूनियन नहीं है, जबकि इसके पास सबसे बड़ा यूनियनबद्ध कार्यबल है और एआईआईईए को उनमें से 80 प्रतिशत से अधिक का समर्थन प्राप्त है। हेमंत मिश्रा ने कहा हम प्रबंधन से मांग करते हैं कि एआईआईईए को मान्यता देने की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए। आज की हड़ताल पूर्ण रुप से सफल रही।

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बवाल

सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके मीडिया प्रतिनिधि पहुंचे अस्पताल, मामला कराया शांत

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। बुधवार की रात को हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक सड़क दुर्घटना के दो घायलों को लेकर परिजन पहुंचे तो चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। लेकिन मृतक के परिजनों ने ड्यूटी चिकित्सक पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए अस्पताल कर्मी और मृतक के परिजनों में कहासुनी हो गई। उसके बाद पुलिस प्रशासन ने भी हस्तक्षेप किया तब दोनों पक्षों का मामला शांत हुआ। मृतक के परिजनों द्वारा हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल को प्राप्त सूचना के बाद उनके निर्देश पर तत्काल उनके मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी अस्पताल पहुंचे और मध्य रात्रि तक यहां

दोनों पक्षों से वार्ता कर तनावपूर्ण माहौल को शांत करवाने का सकारात्मक पहल की। दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम हाउस में रखवाया गया और चिकित्सकों से आग्रह कर तत्काल ओपीडी सेवा शुरू कराई। सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने कहा कि चिकित्सक और चिकित्साकर्मी को किसी भी मृतक के परिवारजनों से विनम्रता और अनुशासित तरीके से संवेदनशील होकर बात करना चाहिए। वहीं किसी भी मरीज या मृतक को लेकर अस्पताल पहुंचने पर आप धैर्य और साहस का परिचय देते हुए बेहतर इलाज या पोस्टमार्टम की प्रक्रिया कराएं ताकि चिकित्सीय व्यवस्था सुदृढ़ बनी रही और किसी अन्य जरूरतमंद मरीजों को परेशानी न हो। सुबह पोस्टमार्टम के उपरांत शवों को उनके घर भेजवाया गया। रंजन चौधरी ने गुरुवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सुप्रिटेंडेंट डॉ. अनुकरण पूर्ति से मिलकर ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो इस दिशा में सकारात्मक चर्चा की। मृतकों में निवासी तिलरा, निश्चितपुर निवासी राहुल कुमार यादव (उम्र क़रीब 25 वर्ष) और बंदरबेला, पदमा निवासी कामेश्वर यादव (उम्र करीब 24 वर्ष) है और दोनों अविवाहित हैं। इचाक ओर पद्मा के बीच स्थित इटखोरी मोड पर ये दोनों एक सड़क दुर्घटना के शिकार हो गए। दोनों युवा मृतकों के प्रति सांसद मनीष जायसवाल ने संवेदना प्रकट किया और ईश्वर से उनके आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवारजनों को इस विकट दुःख से उबरने हेतु अदम्य साहस प्रदान करने की कामना भी की।

कवि प्राणेश कुमार के निधन पर शोक की लहर

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। झारखंड के जाने-माने कवि - कथाकार प्राणेश कुमार के निधन पर साहित्यकारों के बीच शोक की लहर फैलती चली जा है । 20 फरवरी की सुबह में प्राणेश कुमार का निधन रांची स्थित टाटा कैंसर हॉस्पिटल में हो गया। उनका जन्म रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड में 11 जनवरी 1955 में हुआ था । वे इस धरा पर 70 वर्षों तक जीवित रहे थे । 2018 से वे पेट के कैंसर से ग्रसित थे । उनकी साहित्यिक कर्म भूमि हजारीबाग और रामगढ़ जिला रही थी। उनका हिंदी साहित्य के पद्य और गद्य दोनों विधा पर अच्छी पकड़ थी। लेकिन उन्हें काव्य के क्षेत्र में ज्यादा प्रसिद्धि मिल पाई थी। प्राणेश कुमार एक संवेदनशील स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी यह संवेदनशीलता जीवन के अंतिम क्षणों तक बरकरार रही थी । प्राणेश कुमार की प्रकाशित पुस्तकों में 'एक ही परिवेश', "सख्त जमीन के लिए' , 'तुमसे मुखातिब', 'हंसता है सूत्रधार','ढाई आखर', 'खोया हुआ आदमी','जुस्जू रोशनी की',

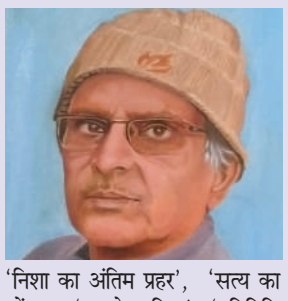

'निशा का अंतिम प्रहर', 'सत्य का झोंका, 'क से कविता', 'प्रतिनिधि कविताएं', 'मुंडेर पर चिड़िया', इसके साथ ही उन्होंने अपने जीवन काल में कई पुस्तकों का संपादन भी किया। 'आम आदमी के लिए' 'एक गीत लिखने का मन', 'रोशनी की लकीरें', 'समकालीन कहानी', 'नया मिजाज', 'बोनेक बोल','लठैत की बहू' हजारीबाग से प्रकाशित 'युद्ध रत आम आदमी' नमक साहित्यिक पत्रिका का दस वर्षों तक संपादन भी किया। उनकी रचनाएं देश भर के विभिन्न प्रतिष्ठित पत्र पत्रिकाओं में नियमित प्रकाशित होती रही थी। उनकी कई रचनाएं अन्य भाषाओं में भी अनुदित हुईं। प्राणेश कुमार के निधन पर कथाकार रतन वर्मा ने कहा कि 'आज देश ने हिंदी काव्य जगत के एक महानतम सितारा प्राणेश कुमार को खो दिया है। प्राणेश कुमार जीवन के अंतिम क्षणों तक काव्य रचना में मशगूल रहे थे। कथाकार टी.पी. पोद्दार ने कहा कि 'मृत्यु से लगभग एक सप्ताह पूर्व ही प्राणेश कुमार, रतन वर्मा और मेरे समक्ष कविता का वाचन किया था। उन्होंने हम दोनों की कविताओं को सुनकर अपनी राय भी खुलकर रखी थी। इस तरह उनका जाना हिंदी साहित्य जगत के लिए एक बड़ी क्षति के समान है। साहित्यिक संस्था 'परिवेश' के संयोजक विजय केसरी ने कहा कि 'प्राणेश कुमार का संपूर्ण जीवन हिंदी कविता और कथा सृजन को समर्पित रहा था। वे एक जनवादी विचार धारा के कवि थे। उनका जनवादी पन दिखावा का नहीं बल्कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन एक जनवादी रचनाकार के रूप में बिताया था। उनकी कविताओं में जनवाद की रेखाएं साफ झलकती नजर आती हैं।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष बने रहेंगे साजिद : मंजूर अंसारी

- अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश प्रभारी उमैर खां ने अधिसूचना जारी कर प्रदेश कार्यकारणी एवं जिला अध्यक्षो को कार्य निर्वहन करते रहने का दिया निर्देश
- प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी ने झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के राजू के आगमन को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने की कही बात
- पुनः जिला अध्यक्ष बनने पर साजिद अली खान ने कहा कि मैं पार्टी का समर्पित कार्यकर्ता हूं, संगठन जो भी निर्देश देगा, मैं वह काम ईमानदारी पूर्वक करने के लिए संकल्पित

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश प्रभारी उमैर खान ने झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी के राजू के प्रस्तावित आगमन पर अल्पसंख्यक विभाग के सभी पदाधिकारी को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा है। साथ ही साथ उमैर खान ने अधिसूचना अधिसूचना जारी कर कहा है कि प्रदेश कार्यकारिणी एवं सभी जिला अध्यक्ष अपने कार्यों का निर्वहन अगले आदेश तक यथावत करते रहेंगे। अल्पसंख्यक

विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी ने झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के राजू के आगमन को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रदेश के जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया है। वहीं मंजूर अंसारी ने कहा कि हजारीबाग समेत सभी अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष अपने पद पर बने रहेंगे। पुनः जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर साजिद अली खान ने कहा है कि मैं पार्टी का समर्पित कार्यकर्ता हूं कांग्रेस संगठन जो भी जवाबदेही देगी उसे पूर्ण रूप से ईमानदारीपूर्वक करने के लिए संकल्पित हूं। साजिद अली खान को जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग का दोबारा जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर निसार खान, नाजीर अंसारी, राजू यादव, दिलीप रवि, गोविंद राम, अर्जुन नायक, अधिवक्ता उबेद अहमद, अधिवक्ता अदीब रिजवी, रिंकू खान, विनोद सिंह, सुनील अग्रवाल, साबिर अली, अख्तर हुसैन, रजी अहमद, दरगाही खान, संजय तिवारी, जमशेद खान, इजहार उल हक, कजरू साव, राजू चौरसिया, जावेद मलिक, अजय गुप्ता, लालबिहारी सिंह, केडी सिंह, गुड्डू सिंह, रिजवान अंसारी, मुराद रजा, परवेज आलम, सदरुल होदा, नईम अंसारी, गुलजार अंसारी, मुन्ना मलिक, मुन्ना खान, सफर रजा, सलीम रज, दिलदार अंसारी, साजिद हुसैन, मो. वारिस, सद्दाब कुरैशी , इजहार हुसैन, गालिब, रब्बानी, शाहिद शेख, मो. मुजफ्फर, मंजूर आलम, अख्तर हुसैन आदि ने बधाई दी है।

डबल मर्डर में 24 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली

वर्ल्ड वाइज न्यूज पलामू

(हि.स.)।पलामू जिले के मनातू के रजखेता जंगल के अमवाटोली से मिली दो युवकों की डेडबॉडी मामले में पुलिस के हाथ 24 घंटे बाद भी खाली है। एक बॉडी की पहचान दिनेश यादव के रूप में अबतक हुई है, दूसरे की पहचान करने के लिए पुलिस छानबीन कर रही है। गुरूवार को पहचान की गयी एवं अज्ञात बॉडी का पोस्टमार्टम एमआरएमसीएच में किया गया। अस्पताल में दिनेश के भाई दीपक ने कई जानकारी दी। दीपक के अनुसार दिनेश भाकपा माओवादी दस्ते में रह चुका था। वर्ष 2017 में एक वर्ष तक वह माओवादी में रहा था। इधर, मजदूरी करने के लिए चेन्नई गया था। 29 जनवरी को चेन्नई से लौटा था। सोमवार देर शाम गांव के विपिन यादव के साथ घर से निकला था। उसके बाद उसकी डेडबॉडी मिलने की जानकारी हुई। विपिन भी माओवादी रहा है। विपिन दिनेश में दोस्ती थी। लेने देन भी करते थे। विपिन यादव गाड़ी खरीदने के लिए 40 हजार रूपए लिया था। सोमवार को रातभर दिनेश विपिन यादव के साथ पंकज शर्मा के घर में ताश खेला था। सुबह इमामगंज मौसी के घर जाने के लिए निकला था, लेकिन वहां नहीं पहुंचा। उसे सलैया बाजार में अंतिम बार देखा गया था। विपिन यादव के पकड़े जाने के बाद स्पष्ट होगा कि दिनेश की हत्या क्यों हुई? इधर, लेस्लीगंज के एसडीपीओ मनोज कुमार झा ने बताया कि दिनेश और विपिन के माओवादी होने के एविडेंस नहीं मिले हैं। अगर उसके परिजन बता रहे हैं तो हो सकता है। उन्होंने कहा कि दिनेश विपिन के साथ गया था, इसकी जानकारी मिली है। विपिन को पकड़ने के लिए छानबीन की जा रही है। उसके घर पर भी तलाशी ली गयी थी, लेकिन वह फरार बताया जाता है। पोस्टमार्टम के दौरान किए गए एक्सरे से पता चला है कि दिनेश एवं अज्ञात युवक की चाकू से गोदकर हत्या की गयी थी। शरीर पर कई जगह चाकू लगने के निशान मिले हैं। डबल मर्डर का मामला अबतक पहेली की तरह है। चर्चा है कि आपसी वर्चस्व को लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया।

मटवारी गांधी मैदान में स्व. बद्रीनाथ गोस्वामी फुटबॉल टूर्नामेंट कल से

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। स्वर्गीय बद्रीनाथ गोस्वामी फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन 22 फरवरी से गांधी मैदान मटवारी में किया जाएगा मैच का आयोजन पुराने फुटबॉल खिलाड़ी एवं हजारीबाग रेफरी संघ की ओर से किया जाएगा इसके लिए

बैठक मटवारी मैदान मे नजरुल हसन की अध्यक्षता में की गई। इस टूर्नामेंट में आठ टीमें भाग लेंगी उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय बद्रीनाथ गोस्वामी संत रॉबर्ट विद्यालय के खेल शिक्षक रह चुके थे। साथ ही साथ हजारीबाग फुटबॉल संघ एवं रेफरी संघ में अहम भूमिका निभाते रहे। उद्घाटन मैच राइजिंग फुटबॉल क्लब हजारीबाग एवं यूनियन स्पोर्टिंग क्लब जिनगा के बीच होगा। उद्घाटन मैच के मुख्य अतिथि हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद होंगा। इस बैठक में भैया मुरारी सिन्हा, सरफराज अहमद, बहादुर राम, देवराज कुमार, मुशर्रफ हुसैन, सफीउल्लाह खान गुड्डू, परमेश्वर गोप, नरेश मुरमुर, विकास कुमार दास, अशोक कुमार, वकील कुमार, सूरज कुमार, ललन कुमार आदि उपस्थित थे। सभी ने टूर्नामेंट को सफल बनाने की जिम्मेदारी ली।

जनता को नहीं होने देंगे कोई परेशानी : प्रदीप प्रसाद

- बुधवार रात की घटना पर दी कड़ी प्रतिक्रिया, बोले, दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई
- जनता की सेवा मेरा संकल्प, समस्याओं का समाधान मेरी प्राथमिकता : प्रदीप प्रसाद

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। हजारीबाग के सदर विधायक प्रदीप प्रसाद गुरुवार को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज ऑफ अस्पताल के औचक निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मरीजों के परिजनों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन और चिकित्सकों से बातचीत कर अस्पताल में मौजूद कमियों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और तत्काल समाधान के निर्देश दिए। अस्पताल में अव्यवस्थाओं को लेकर विधायक ने जताई नाराजगी निरीक्षण के दौरान विधायक ने अस्पताल में मरीजों को हो रही परेशानियों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अस्पताल में सुविधाओं की कोई कमी नहीं होनी चाहिए और मरीजों को बेहतर इलाज मिले, यह सुनिश्चित करना प्रशासन और राज्य सरकार दोनों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को तत्काल आवश्यक सुधार करने का निर्देश दिया। अस्पताल में बुधवार रात की घटना पर कड़ी निंदा ज्ञात हो कि बुधवार रात अस्पताल परिसर में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी, जिसके कारण डॉक्टरों में भय का माहौल बन गया और वे अपनी ड्यूटी पर रात में नहीं आ सके। इस पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं पूरी तरह अस्वीकार्य हैं और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने जिला प्रशासन से इस मामले की गहन जांच करने और दोषियों को सख्त सजा दिलाने की मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न दोहराई जाएं। संजीवनी सेवा कुटीर में मरीजों से संवाद निरीक्षण के दौरान विधायक संजीवनी सेवा कुटीर भी पहुंचे, जहां उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को विस्तार से समझा। उन्होंने आश्वासन दिया कि हर समस्या का समाधान शीघ्रता से किया जाएगा। तुरंत एक्शन में दिखे विधायक, कर्मचारियों को दिए निर्देश निरीक्षण के दौरान विधायक ने कुछ समस्याओं को तुरंत हल करने के लिए अपने कर्मचारियों को निर्देशित किया। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों से बात कर अस्पताल में आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने को कहा। विधायक ने साफ किया कि जनता की सेवा ही उनकी प्राथमिकता है और वे किसी भी समस्या को नजरअंदाज नहीं करेंगे। जनहित को सर्वोपरि बताते हुए विधायक ने कहा की जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना मेरी जिम्मेदारी है। अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। अगर कोई समस्या है तो उसे जल्द से जल्द सुलझाया जाएगा। आम जनता के हक की लड़ाई मैं हमेशा लड़ता रहूंगा और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अस्पताल प्रशासन को दी सख्त चेतावनी विधायक ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा कि सभी चिकित्सा सुविधाएं दुरुस्त रखी जाएं और मरीजों को समय पर इलाज मिले। उन्होंने अस्पताल में डॉक्टरों की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता, स्वच्छता और अन्य सुविधाओं को लेकर सख्त निगरानी रखने को कहा। विधायक प्रदीप प्रसाद ने यह भी कहा कि जनता की परेशानियों का समाधान उनकी प्राथमिकता है और वे इसके लिए हरसंभव प्रयास करते रहेंगे। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि अगर उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या हो तो वे बेहिचक उनके पास आएं, उनकी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द किया जाएगा।

मटवारी मस्जिद उल कादरी के मुअज्जिन पर हमला, सिर फटा, ग्रामीणों में आक्रोश

मस्जिद कमिटी ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी, कहा आरोपी को सिर्फ थाने द्वारा पी आर बॉन्ड पर छोड़ दिया गया

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग जिले के कोर्रा थाना अंतर्गत बाबूगांव स्थित मटवारी मस्जिद उल कादरी के मुअज्जिन मोहम्मद युनुस पर रविवार की रात जानलेवा हमला हुआ। इस घटना से मोहल्ले वासियों में आक्रोश फैल गया है। बताया जा रहा है कि हमला मस्जिद से जुड़ी जमीन के विवाद को लेकर हुआ। **कैसे बढ़ा विवाद**? नई मस्जिद मटवारी मस्जिद उल कादरी के निर्माण कार्य को लेकर गांव में काफी समय से विवाद चल रहा था। मोहम्मद लियाकत पिता स्वर्गीय कल्लू मियाँ इस निर्माण का विरोध कर रहे थे। बताया जाता है कि तीन फीट जमीन को लेकर यह विवाद था। मुअज्जिन मोहम्मद युनुस के अनुसार, लियाकत अली के भाई स्वर्गीय रियासत अली ने अपने जीवनकाल में ही मस्जिद के लिए वह तीन फीट जमीन वक्फ कर दी थी। लेकिन अब लियाकत अली न सिर्फ अपने हिस्से की तीन फीट जमीन देने से इनकार कर रहे थे, बल्कि अपने भाई द्वारा वक्फ की गई जमीन पर भी दावा कर रहे थे। इसी मुद्दे ने धीरे-धीरे तूल पकड़ लिया और आखिरकार इसने हिंसा का रूप ले लिया। **मुअज्जिन का बयान – "मुझे जान से मारने की कोशिश की गई"** मस्जिद के मुअज्जिन मोहम्मद युनुस ने हमले का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने कहा, "मैं 16 फरवरी 2025 की रात, इशा की नमाज के बाद लगभग 8 बजे मस्जिद से बाहर निकला। तभी अचानक मोहम्मद लियाकत, उसके बेटे मोहम्मद शहजाद, मोहम्मद गुलजार और उनकी परिवार की महिलाएँ – रेहाना खातून, काजल खातून, गजाला खातून – सभी मुझ पर लाठी-डंडे से हमला करने लगे। मैंने जब पूछा कि मुझे क्यों मार रहे हो, तभी लियाकत और उसके बेटों ने मुझे जमीन पर पटक दिया। फिर रिवॉल्वर के बट से मेरे सिर पर हमला किया, जिससे मैं बुरी तरह घायल हो गया। कुछ समय के लिए मेरी आंखों के सामने अंधेरा छा गया।" उन्होंने आगे कहा कि जब उन्होंने मदद के लिए चिल्लाया तो रेहाना खातून ने उनका मुंह दबा दिया, और काजल खातून व गजाला खातून ने उनके पॉकेट से 1000 रुपए निकाल लिए। किसी तरह जान बचाकर वे वहां से भागने में सफल रहे। **हमले के बाद मोहल्ले वासियों में आक्रोश** घटना की जानकारी मिलते ही गांव के लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए और मस्जिद परिसर में हंगामा करने लगे। लोग दोषियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। मस्जिद कमेटी और कई मोहल्ले वासियों ने इस घटना को शर्मनाक बताते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की अपील की है। वहीं, जब "मोहम्मद लियाकत अली से संपर्क किया गया तो वो अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को उत्तर देने से परहेज करने लगे कहने लगे हमारे घर के महिलाओं से ब्यान लीजिए।" **पुलिस जांच में जुटी, आरोपियों पर हो सकती है कार्रवाई** कोर्रा थाना प्रभारी ने बताया कि घायल मुअज्जिन मोहम्मद युनुस का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और उनकी शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, पुलिस जल्द ही इस मामले में आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकती है। इस घटना ने एक बार फिर यह दिखा दिया कि संपत्ति और धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद किस तरह हिंसा का रूप ले सकते हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और ग्रामीण न्याय की मांग कर रहे हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस पर क्या कार्रवाई करता है।

ऑटो पलटने से कई परीक्षार्थी घायल, इलाज के दौरान एक छात्रा की मौत

वर्ल्ड वाइज न्यूज

कोडरमा। जिले के चंद्रोडीह में गुरुवार की दोपहर परीक्षार्थियों को लेकर जा रहे एक ऑटो अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दौरान ऑटो पर सवार कई परीक्षार्थी घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की सहायता से इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा लाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान एक छात्रा की मौत हो गयी। घायलों ने बताया कि सभी इंदरवा स्थित परीक्षा केंद्र से जैक के द्वारा आयोजित दसवीं बोर्ड की परीक्षा देकर अपने गांव कमेडीह लौट रहे थे। घायलों में चांदनी कुमारी, पूर्णिमा कुमारी, तन्नू कुमारी, निशु कुमारी, ज्योति कुमारी, दिलसान अंसारी, अरमान अंसारी, सेहान अंसारी और सोनम कुमारी शामिल हैं। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल परीक्षार्थी ज्योति कुमारी (16) को चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था लेकिन छात्रा की सदर अस्पताल में ही मौत हो गई। इसकी सूचना पाकर कोडरमा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि अन्य सभी घायलों का इलाज चल रहा है। पुलिस ने ऑटो को जब्त कर लिया और चालक को हिरासत में लिया गया है।

ऑल इंडिया रिटायर्ड रेलवे मेंस फेडरेशन का वार्षिक अधिवेशन संपन्न

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची। रांची रेल मंडल के रिटायर्ड रेल कर्मियों के कल्याण के लिए एवं उनके हित के लिए आवाज मुखर करने साथ साथ संगठनात्मक व्यवस्था को पारदर्शी और मजबूत करने के लिए वार्षिक आम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पदाधिकारियों ने सर्व सम्मति से नई कमेटी का चुनाव किया। यह आयोजन बुधवार को हटिया रेलवे कॉलोनी के सामुदायिक भवन में किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रांची मंडल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी राजू तिर्की उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया गया। सभी अधिकारी कर्मचारियों की सर्व सम्मति से नई कमेटी का चुनाव हुआ। जिसमें काली दास मुंडा कार्यकारी अध्यक्ष, निमाई चंद्र साहना उपाध्यक्ष, चरणजीत सिंह उपाध्यक्ष, चितरंजन घोष सचिव, चंचल कुमार सिंह सहायक सचिव, तरुण गोडबिन सहायक सचिव, आरपी श्रीवास्तव सहायक सचिव, लीला सिंह संगठन सचिव, आलोक कुंडू संगठन सचिव, प्रदीप कुमार सरकार वित्त प्रबंधक, बिजन लाल हालदार सहायक वित्त प्रबंधक, एसएन उरांव सहायक वित्त प्रबंधक, तपन चौधरी निदेशक, गदाधर कैवत्या निदेशक, मुरलीधर दत्ता सलाहकार, एनएन राव सलाहकार, अरुण कुमार सलाहकार, बी पाहन मीडिया इंचार्ज, अशोक प्रसाद को मीडिया इंचार्ज बनाया गया। वहीं रिटायर्ड कर्मियों के लिए हॉलीडे होम की व्यवस्था, रिटायर्ड कर्मियों के बच्चों के नाम भी नॉमिनी में शामिल करने एवं पेंशन अदालत महीने में तीन दिन लागू करने के साथ उम्मीद कार्ड पर अनुबंधित अस्पताल में बिना रेफरल की चिकित्सा को लागू करने की मांग केंद्रीय पदाधिकारियों के समक्ष रखा गया। मौके पर दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस के मंडल समन्वयक एनएल कुमार, केंद्रीय उपाध्यक्ष जगजीत सिंह बहल, केभी रामाराव, अशोक कुमार सिंह, अनिल कुमार, एके गुप्ता, सुखदेव प्रसाद, अरुण कुमार चक्रवाती, डीके पड़ा, सुभाषचंद्र दत्ता, जालंधर लाल, शमीम अंसारी, एनआर माझी, सहित रेलवे के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

मानव के पूर्ण अध्ययन से समस्याओं का निदान संभव : डॉ गंगानाथ झा

विश्व मानव विज्ञान दिवस के अवसर पर विभावि में कार्यशाला आयोजित

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के मानव विज्ञान विभाग में गुरुवार को विद्यार्थियों ने विश्व मानवविज्ञान दिवस के अवसर पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर विश्व में मानव कल्याण के लिए मानवविज्ञान के उभरते हुए विभिन्न क्षेत्रों की चर्चा की गई। थर्ड जेंडर के अधिकारों से लेकर परिवार और संबंध पर पड़ने वाले टेक्नोलॉजी के प्रभावों की चर्चा की गई। समाज में परिवार और नातेदारी के बदलते स्वरूप और विभिन्न समस्याओं को कैसे दूर किया जा सकता है इस पर चिंतन किया गया। इस मौके पर विभाग के शिक्षक डॉ गंगानाथ झा ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी मानवीय समस्याओं के समाधान का उपाय मानव के संपूर्ण अध्ययन से जुड़ा हुआ है जो मानवविज्ञान विषय के अंतर्गत किया जाता है। मानवविज्ञान मानव की क्रमिक विकास के अध्ययन के साथ- साथ मानवीय समस्याओं के निदान का उपाय ढूंढ़ता है। डॉ गंगानाथ झा ने बताया की विश्व मानव विज्ञान दिवस का आयोजन 1902 से अमेरिकन एंथ्रोपॉलजिस्ट संगठन से जुड़ा हुआ है। यह आयोजन विश्व भर के मानव वैज्ञानिकों की ओर से फरवरी के तीसरे गुरुवार को निर्धारित है। इस अवसर पर मानव वैज्ञानिकों द्वारा किए गए खोज को समाज के साथ साझा किया जाता है। उन्होंने बताया कि मानव विज्ञान आदिकाल से वर्तमान समय तक मानव के क्रमिक विकास का अध्ययन करता है। इसी अध्ययन के आधार पर मानव वैज्ञानिक मानव की समस्याओं के निदान का निरंतर खोज करते रहते है। इस अवसर पर विभाग की शिक्षिका डॉ जॉनी रुफिना तिर्की ने विद्यार्थियों को मानव विज्ञान और फील्ड वर्क की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस मौके पर शोध छात्रा प्रतिमा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी और अच्छी संख्या में विभाग के विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रयागराज कुंभ से लौट रहे कटकमसांडी के 6 लोगों की गई जान

एक ही परिवार के तीन लोगों को हुई है मौत, शोक की लहर

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। हजारीबाग के कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कंडसार से कुंभ स्नान को गए एक जत्थे के लोग कुंभ स्नान के पश्चात् अयोध्या दर्शन कर लौटने के क्रम में उनकी टाटा सूमो गाड़ी यूपी के जौनपुर के बदलापुर थाना क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसमें 6 लोगों की मौके पर मौत हो गई। बाकी घायल लोग स्थानीय अस्पताल में इलाजरत हैं। बताया जा रहा है कि गाड़ी में करीब 11 लोग सवार थे जिसमें दो पुरुष, एक बच्चा और बाकी महिलाएं हैं। एक महिला नवादा की और एक अन्य गांव की शेष सभी ग्राम पंचायत कंडसार के ही निवासी बताया जा रहा है। सूचना के बाद मृतक के परिजन जौनपुर के लिए रवाना हो गए है। मृतक में कंडसार पंचायत के अधीन कांति देवी पति शंभू सिंह धनवा देवी पति बंशी यादव ,मतीया देवी पति राम खिलवान सिंह, मुनिया देवी पति सोहन यादव, कोशिया देवी पति गिरधारी यादव, रंजीत यादव पिता बंशी यादव, टाटा सूमो का ड्राइवर भी था। स्थानीय लोगों की सूचना के अनुसार कई लोगों की मृत्यु हो चुकी है। बाकी लोग अस्पताल में इलाजरत हैं। मृत्यु की सूचना मिलते ही पूरे प्रखंड में शोक की लहर है। सांसद मनीष जयसवाल, स्थानीय विधायक प्रदीप प्रसाद, पंचायत के मुखिया वीणा देवी, भाजपा नेता रामकुमार मेहता, झामुमो नेता सरयू मेहता, बीस सूत्री अध्यक्ष सरयू यादव,कटकमसांडी मुखिया श्रुति पांडे, पूर्व विधायक प्रतिनिधि किशोरी राणा,कांग्रेस के पूर्व विधायक प्रतिनिधि मनोज मोदी, पंचायत समिति सदस्य बबीता देवी, पंचायत समिति सदस्य अंजू बाला, प्रदीप प्रसाद, उदय मेहता, युवा कार्यकर्ता अनुराग मित्तल उर्फ सीकू, लेखराज यादव आदि ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त किया है।

स्मृति शेष : नहीं रहे समाजसेवी योगेंद्र प्रसाद

फिल्मकार पंकज हिंदुस्तानी के थे बड़े पापा, शोक की लहर

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। दारू प्रखंड निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले दारू खरिका निवासी समाजसेवी योगेंद्र प्रसाद का निधन 19 फरवरी की रात्रि हो गया।

योगेंद्र प्रसाद पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे। अचानक शुगर का लेवल बहुत ज्यादा बढ़ जाने के कारण उन्हें रिम्स में भर्ती किया गया था। इलाज के दौरान ही उनकी मृत्यु हो गई।

20 फरवरी को सुबह उनका अंतिम संस्कार उनके बड़े बेटे दिगंबर मंडल ने मुखाग्नि देकर किया।

समाजसेवी योगेंद्र प्रसाद दारू प्रखंड के फिल्मकार पंकज हिंदुस्तानी के बड़े पापा थे।

अंतिम संस्कार के दौरान उनके भाई रामचंद्र प्रसाद, त्रिलोकी प्रसाद, कृष्ण कुमार, सुनील कुमार, उनके बेटे ,भतीजे के अलावा सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

झारखंड में शिक्षा माफिया पर कैसे कसेगा लगाम, परीक्षार्थी परेशान

मैट्रिक की परीक्षा के दौरान मोबाइल से रिकॉर्डिंग करने व परीक्षा में बाधा उत्पन्न करने से संबंधित थाने में दिया गया आवेदन

प्लस टू उच्च विद्यालय बड़कागांव के केंद्र अधीक्षक ने संदीप कुमार सिंह नामक व्यक्ति पर लगाया गया आरोप

बड़कागांव (हजारीबाग)। प्लस टू उच्च विद्यालय बड़कागांव के केंद्र अधीक्षक कृष्ण कुमार कन्हैया द्वारा मैट्रिक की परीक्षा के दौरान संदीप कुमार सिंह पिता सकलदेव सिंह ग्राम - ढेंगा, पोस्ट+थाना - बड़कागांव, जिला - हजारीबाग निवासी पर आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन दिया है। आवेदन में यह कहा है कि 20 फरवरी को मैट्रिक की परीक्षा के दौरान जबरदस्ती संदीप कुमार सिंह परीक्षा के दौरान विद्यालय परिसर में घुसकर मोबाइल से रिकॉर्डिंग करने व परीक्षा में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास किया है। परीक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मियों के द्वारा उन्हें रोकने का भी प्रयास किया गया, लेकिन वह जबरदस्ती विद्यालय परिसर में घुसकर किसी विशेष छात्र को परीक्षा में सहयोग करने व परीक्षा केंद्र को मैनेज करने का दबाव बना रहा था और धमकी भी दे रहा था। आवेदन में यह भी कहा गया है कि इस प्रकार की हरकत विद्यालय परिसर मे उनके द्वारा कई बार की गई है। संदीप सिंह की उक्त गतिविधियों से क्षुब्ध होकर विद्यालय के केंद्र अधीक्षक ने प्रशासन से उक्त व्यक्ति पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई करने की मांग की है ताकि आने वाले दिनों में विद्यालय में जो परीक्षा होनी है, उन परीक्षाओं को सफलतापूर्वक संचालित किया जा सके। इस आशय की जानकारी प्लस टू उच्च विद्यालय बड़कागांव के प्रधानाध्यापक सह केंद्र अधीक्षक कृष्ण कुमार कन्हैया ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है।

पर्चा लीक पर भाजयुमो के जिलाध्यक्ष ने जताया विरोध, राज्य सरकार पर कसा तंज

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। मैट्रिक परीक्षा साइंस के पेपर लीक मामले में भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राजकरण पांडे ने जताया विरोध और राज्य सरकार तंज कहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में मैट्रिक परीक्षा के विज्ञान पेपर लीक होने की घटना ने शिक्षा जगत में हलचल मचा दी है। इस मामले में भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजकरण पांडे ने राज्य सरकार की नीतियों और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। राजकरण पांडे ने कहा, "राज्य सरकार की लापरवाही के कारण परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लग गया है।" उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नाकामी के कारण छात्रों का भविष्य दांव पर है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इस घटना के बाद, शिक्षा विभाग ने लिक हुए पेपर को रद्द कर दिया है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। हालांकि, यह घटना राज्य सरकार की परीक्षा सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। राजकरण पांडे के इस विरोध ने राज्य सरकार को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने और परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा को सुनिश्चित करने की आवश्यकता की याद दिलाई है।

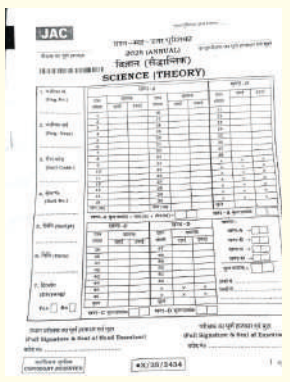

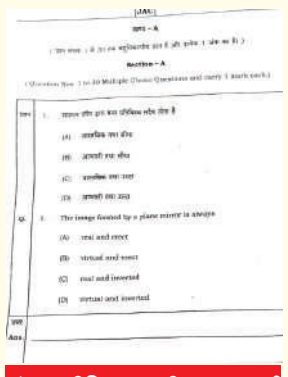

सोशल मीडिया पर लीक हुआ पर्चा

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची/गिरिडीह/कोडरमा। झारखंड में हर परीक्षा में पेपर लीक का मामला सिरदर्द बनता जा रहा है। राज्य में शिक्षा माफिया हावी है और परीक्षार्थी हलकान हैं। अब मैट्रिक परीक्षा में पर्चा लीक के बाद मुख्य सचिव स्तर से हाई लेवल मीटिंग की जा रही है। आखिर पर्चा लीक कैसे हो रहा है, इसकी पुख्ता पड़ताल जरूरी है। उन माफिया को चिह्नित कर सजा देने की जरूरत है। इसकी बानगी नीचे के न्यूज से समझिए। 11 फरवरी 2025 से शुरू हुई जैक बोर्ड की 10वीं की परीक्षा के दौरान 20 फरवरी को आयोजित विज्ञान की परीक्षा का पेपर भी लीक हो गया। इससे पहले अलग-अलग स्रोतों से जानकारी मिल रही थी कि जैक बोर्ड की 10वीं विज्ञान सैद्धांतिक का पेपर लीक हो गया है।जब विज्ञान की परीक्षा खत्म हुई तो रांची के एक परीक्षार्थी ने बताया कि सुबह छह बजे एक यूट्यूब चैनल पर जो विज्ञान का पेपर दिखाया जा रहा था, वही पेपर हु-ब-हू परीक्षा में आया। एक छात्रा ने बताया कि उसे भय था कि विज्ञान का पेपर अच्छा नहीं होगा। लेकिन यूट्यूब पर पूरा प्रश्नपत्र देखने का फायदा उसे हुआ और उसने सभी प्रश्न हल किए। उसने यह भी बताया कि हिंदी का पेपर भी लीक हुआ था। वहीं एक अन्य छात्रा ने बताया कि उन्हें पेपर लीक होने की जानकारी थी, लेकिन उन्हें पेपर नहीं मिला.। उसने कहा कि इस तरह का पेपर लीक नहीं होना चाहिए। हालांकि केंद्राधीक्षकों ने कहा कि किसी भी परीक्षार्थी ने पेपर लीक की शिकायत नहीं की और न ही किसी शिक्षक ने ऐसी शिकायत की। उनके केंद्र पर परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। 20 फरवरी 2025 को परीक्षा से पहले विज्ञान सैद्धांतिक विषय का प्रश्न पत्र वायरल होने की जानकारी मिली थी। आज सुबह परीक्षा शुरू होते ही विज्ञान विषय के वायरल प्रश्न पत्र की जांच जैक द्वारा की गई और जैक के आज के प्रश्न पत्र की जांच की गई तो दोनों प्रश्न पत्र बिल्कुल एक जैसे थे। **गिरिडीह में पर्चा लीक** रांची के अलावा अन्य जिलों में भी पेपर लीक को लेकर खबरें आती रहीं। गिरिडीह में भी वायरल प्रश्नपत्र और गुरुवार को छात्रों को मिले प्रश्नपत्र बिल्कुल एक जैसे हैं। गुरुवार को जब प्रश्नपत्र का मिलान वायरल प्रश्नपत्र से किया गया तो दोनों एक जैसे निकले। इसके बाद एक बार फिर शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। एक बार फिर यह साफ हो गया है कि झारखंड में शिक्षा माफिया हावी हो गए हैं। गुरुवार को परीक्षा देकर बाहर निकले छात्रों ने बताया कि दो दिन पहले जो प्रश्नपत्र व्हाट्सएप पर आया था, वही प्रश्नपत्र आज मिला है। **कोडरमा में छात्रों ने भी की पुष्टि** आज विज्ञान की परीक्षा का पेपर लीक मामले को लेकर कोडरमा में भी मामले की पड़ताल शुरू की गई। कोडरमा के एक परीक्षा केंद्र के बाहर परीक्षा देकर लौट रहे छात्रों ने वायरल प्रश्नपत्र लीक को सही बताया और कहा कि परीक्षा में उन्हें यही प्रश्न दिया गया था। कुछ छात्रों ने वायरल प्रश्नपत्र को सही बताया और कहा कि प्रश्नपत्र लीक की बात सही है।

पेपर लीक छात्रों के भविष्य से खिलवाड़, अधिकारी हैं जिम्मेदार : आईडीएसओ

वर्ल्ड वाइज न्यूज

- **पर्चा लीक पर रोक नहीं लगा, तो**
- **ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन करेगा आंदोलन**

हजारीबाग। वर्तमान में झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा दसवीं व 12वीं की परीक्षाएं ली जा रही हैं।विभिन्न माध्यमों से ज्ञात हुआ है कि दसवीं के विज्ञान विषय के परीक्षा प्रपत्र कुछ दिन पूर्व ही विभिन्न सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। आज इसकी आधिकारिक पुष्टि भी कर दी गई कि पेपर लीक की घटना सत्य है। ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन राज्य सचिव सोहन महतो ने बयान जारी करते हुए कहा है कि झारखंड में पेपर लीक का मुद्दा एक बड़ा ही चिंता का विषय है। इससे न केवल छात्रों का भविष्य बर्बाद हो रहा है बल्कि इसमें संलिप्त अधिकारी और सरकारी कर्मचारियों का मनोबल लगातार बढ़ते जा रहा है। चाहे वह एकेडमिक परीक्षाएं हों या नियुक्ति से जुड़ी हुई परीक्षाएं । आए दिन पेपर लीक धांधली जैसी मामले सामने आ रही है। वर्तमान में पेपर लीक एक बड़ी त्रासदी के रूप में सामने आई है। लगातार हो रहे पेपर लीक की घटनाएं यह पूर्णतः साबित करती है कि इनमें उच्च अधिकारियों से लेकर निम्न कर्मचारी व सरकारी महकमा के लोग शामिल हैं। जिला अध्यक्ष जीवन कुमार यादव ने कहा कि पेपर लीक पर कठोर कानून होने के बावजूद भी पेपर लीक करने वाले माफिया सक्रिय रूप से पेपर लीक में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। पेपर लीक पर रोक न लगना ,सरकार की असफलता को दर्शाता है।सरकार पर पेपर लीक करने वाले माफिया हावी है। अतः संगठन यह अविलंब मांग करता है कि उच्च स्तरीय कमेटी के द्वारा इस पूरी पेपर लीक की घटना की जांच की जाए। सुरक्षा के इंतजाम होने के बावजूद पेपर समय से पूर्व कैसे बाहर आया। पेपर लीक करने में शामिल होने वाले कर्मचारी, अधिकारी व सरकारी तंत्र के लोगों पर नियम संगत सजा दी जाए। यदि अविलंब इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है, तो संगठन आगामी आने वाले दिनों में वृहत पैमाने पर आंदोलन करने को विवश होगा।

अमरावती में होनेवाले राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप के लिए झारखंड की टीम रवाना

वर्ल्ड वाइज न्यूज रांची। महाराष्ट्र के अमरावती में होने वाले '46 वें राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप, पुरुष एवं महिला' मैं भाग लेने के लिए झारखंड से 18 लड़के तथा 18 लड़कियों की टीम 20 फरवरी को रवाना हुई। इसमें हजारीबाग जिले से चयनित 10 खिलाड़ी प्रो. अविनाश कुमार, अध्यापक मां विंध्यवासिनी कॉलेज आफ एजुकेशन के नेतृत्व में प्रस्थान कर रहे खिलाड़ियों के नाम हैं - अविनाश कुमार, संजीत प्रसाद, कुमार ऋषि राज, विकास कुमार दास, शुभम कुमार, संजना कुमारी, श्वेता कुमारी, ममता कुमारी, रूबी कुमारी एवं सुनैना कुमारी। विगत दिसंबर 2024 में 14 वें सॉफ्टबॉल के ईस्ट जोन चैंपियनशिप के लिए प्रो. अविनाश कुमार ने झारखंड से हजारीबाग का नेतृत्व किया था। हजारीबाग जिले के नई पीढ़ी को नए-नए खेलों से परिचित कराकर राष्ट्रीय कार्यक्रम तक पहुंच कर शानदार प्रदर्शन करवाने का श्रेय प्रो. अविनाश कुमार को जाता है।

महाकुंभ में चलो नहाएं ..की प्रस्तुति से बांधा समां

दिव्य ग्रंथ अध्ययन केन्द्र से संचालित आनलाइन कवि गोष्ठी मे लगा कवियों का महाकुंभ

दिवाकर पाठक, वर्ल्ड वाइज न्यूज हजारीबाग। दिव्य ग्रंथ अध्ययन केन्द्र से संचालित कवि गोष्ठी कार्यक्रम अपने निर्धारित समय से गूगल मीट पर ऑनलाइन संपन्न हुई। कोडरमा से पीयूष पाणी जी ने मंच का संचालन किया। अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने न सेवा का भाव जहां हो..की प्रस्तुति की। हजारीबाग के केरेडारी के कंडाबेर निवासी व दिव्य ग्रंथ अध्ययन केंद्र के उपाध्यक्ष दिवाकर पाठक ने बसंत की महिमा..की प्रस्तुति की। डाल्टनगंज से उज्जवल मिश्रा ने महाकुंभ में चलो नहाएं ..की प्रस्तुति की। कोडरमा से ओमप्रकाश ने डुबकी यहीं लगाना है,कुंभ की माहिमा गाना है ..की प्रस्तुति की।धनबाद से रविंद्र तिवारी ने .. न शायर हैं,न लेखक हैं ..की प्रस्तुति की। हजारीबाग से श्याम किशोर मिश्रा, जमशेदपुर में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर राजीव समेत देश के विभिन्न हिस्सों से कवियों ने भाग लेकर अपने अनोखे अंदाज में अपनी प्रस्तुति कर सबों के मन-मंदिर को आनंद रस से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का विराम कोडरमा से पीयूष पाणि ने हास्य रचना ..की प्रस्तुति से सभी को लोटपोट कर दिया।

सभी उपायुक्त कैलेंडर बना कर कार्यों का करें निपटारा: मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने जिला स्तर पर विभिन्न कारणों से योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं का समाधान समन्वय बना कर करने का दिया निर्देश

वर्ल्ड वाइज न्यूज

रांची। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने जिला स्तर पर विभिन्न कारणों से योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं का समाधान समन्वय बना कर करने का दिया निर्देश दिया है। उन्होंने राज्य के तमाम उपायुक्तों को कहा कि वे कैलेंडर बना कर कार्यों का निपटारा करें। कैलेंडर के अनुसार विभिन्न मसलों से जुड़ी बैठकें करें। उसकी रिपोर्ट ससमय विभागों को दें। इससे जहां योजना क्रियान्वयन में गति आएगी वहीं विभागों को भी सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि योजनाओं के बाधित होने से उसमें खर्च हुई राशि का लाभ भी राज्य को नहीं मिल पाता है, इसलिए योजनाओं का भौतिक निरीक्षण करते हुए आ रही समस्या के समाधान पर फोकस करें। वह गुरुवार को विभिन्न विभागों की उन योजनाओं की समीक्षा कर रही थीं, जो जिला स्तर पर इस या उस कारण से बाधित हैं, अथवा लेटलतीफी के शिकार हैं।

योजनाओं को पूर्ण करने में आ रही रुकावटों को जल्द से जल्द दूर करें मुख्य सचिव की समीक्षा में उजागर हुआ कि अधिकांश योजनाओं की प्रगति 70 से 80 प्रतिशत तक हो चुकी है और बाकी बचे काम को पूर्ण करने में रुकावटें आ रही हैं। मुख्य सचिव ने नगर विकास विभाग की रांची शहरी सीवरेज स्कीम, वाटर सप्लाई स्कीम और पम्पिंग स्टेशन के क्रियान्वयन में जमीन को लेकर आ रही समस्या का समयबद्ध तरीके से समाधान का निर्देश दिया। रांची के उपायुक्त ने अधिकांश मामले में समाधान होने की जानकारी दी। उसी तरह रामगढ़, धनबाद, कोडरमा, साहिबगंज, सरायकेला-खारसावां, पश्चिमी सिंहभूम, पलामू और बोकारो में शहरी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और वाटर सप्लाई योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए जमीन की समस्या सामने आयी। उपायुक्तों को विशेष पहल कर जमीन की उपलब्धता ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से बताया गया कि नल से जल योजना द्वारा प्रत्येक घर को जोड़ने और शौचालय बना गांवों को ओडीएफ घोषित करने की स्थिति लगभग अंतिम चरण में है, लेकिन गांवों में चार-पांच घरों के इस योजना से आच्छादित नहीं होने से योजना अपूर्ण रह जाती हैं। मुख्य सचिव ने उपायुक्तों को अतिरिक्त रुचि लेकर इस कार्य को यथाशीघ्र संपन्न कराने को कहा। **उपायुक्त संबंधित विभाग से समन्वय बनाते हुए समस्याओं को दूर करें** उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से बताया गया कि विभिन्न जिलों में डिग्री कॉलेज, पोलिटेक्निक कॉलेज और राजकीय अभियंत्रण कॉलेज निर्माण के लिए जमीन की समस्या बनी हुई है। मुख्य सचिव ने उपायुक्तों को संबंधित विभाग से समन्वय बनाते हुए जमीन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा क्वालिटी एजुकेशन के लिए संपर्क फाउंडेशन की सहायता से चयनित स्कूलों में उपलब्ध कराए गये संसाधन के समुचित उपयोग पर बल देते हुए कहा कि यह राज्य के हित में होगा। **कृषि विभाग से जुड़ी योजनाओं को समय पर पूर्ण करें** कृषि विभाग से जुड़ी पीएम किसान योजना, बिरसा ग्राम सह समेकित पाठशाला, बिरसा-पीएम फसल बीमा योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, आइसीडीपी एवं डीसीडीसी की समीक्षा के दौरान पाया गया कि फसल बीमा योजना के लिए वास्तविक जमीन से अधिक जमीन पर बीमा का आवेदन दिया गया है। इस मसले को लेकर मुख्य सचिव ने आवेदनों की जांच करते हुए अनाधिकृत दावे को खारिज करने का निर्देश दिया। वहीं मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत लाभुकों को पशु देने के साथ उसका बीमा भी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही कृषि से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमिटी और डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कमिटी की नियमित बैठक करने का निर्देश उपायुक्तों को दिया। जल संसाधन विभाग की राज्य में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान पाया गया कि अधिग्रहित भूमि पर अतिक्रमण, फॉरेस्ट क्लियरेंस, स्थानीय विवाद, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा इत्यादि को लेकर योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। मुख्य सचिव ने सभी संबंधित उपायुक्तों को निर्देश दिया कि योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए प्रशासनिक स्तर से बाधा को दूर कराएं। इसके अतिरिक्त राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग और ऊर्जा विभाग की जिलों से जुड़ी समस्याओं की भी समीक्षा की गयी और उपायुक्तों को यथोचित निर्देश दिए गए।

बीडीओ ने किया मैट्रिक परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

वर्ल्ड वाइज न्यूज

विष्णुगढ़ (हजारीबाग)। विष्णुगढ़ प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में संचालित मैट्रिक परीक्षा के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण बीडीओ अखिलेश कुमार ने गुरुवार को किया। इस दौरान बीडीओ अखिलेश कुमार ने शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त परीक्षा का निरीक्षण परीक्षा केंद्र के विभिन्न कमरों में घूम-घूम कर किया। मौके पर बाल विकास परियोजना के प्रधान लिपिक महेश प्रसाद समेत प्रखंड के कर्मी मौजूद थे।

पंचायत के विकास के लिए भेलवारा में ग्राम सभा

वर्ल्ड वाइज न्यूज

विष्णुगढ़ (हजारीबाग)। प्रखंड की भेलवारा पंचायत में वित्तीय वर्ष 25- 26 के विकास कार्य एवं पंचायत सहायक चयन को लेकर मुखिया लक्ष्मी कुमारी की अध्यक्षता में पंचायत भवन में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्रामसभा के दौरान मनरेगा एवं 15 वीं वित्त से पंचायत के विकास संबंधित योजना तथा पंचायत सहायक का चयन किया गया। मौके पर पंचायत सचिव बसंत कुमार, मुखिया प्रतीनिधि गंगाधर महतो, रोजगार सेवक सांझलु हंसदा, वार्ड सदस्य तुलसी कुमार, देवती देवी, बसंती देवी, कपूर मरांडी समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे।

संदीप कौशल ने थामा राष्ट्रीय जनता दल का दामन

राजद ने संदीप को जिला उपाध्यक्ष किया मनोनीत

वर्ल्ड वाइज न्यूज

धनबाद। कोला कुसमा, बसंत विहार नंदगांव अपार्टमेंट स्थित राष्ट्रीय जनता दल के जिला कार्यालय में पार्टी के जिला अध्यक्ष तारकेश्वर यादव की अध्यक्षता में सदस्यता ग्रहण अभियान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य रूप से भाकपा माले के संदीप कौशल ने अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता ग्रहण किए।सदस्यता ग्रहण किए सदस्यों को जिला कार्यालय में राजद पदाधिकारियों ने माला पहना कर पार्टी में स्वागत किया गया। इसमें राजद जिला अध्यक्ष ने सर्वसम्मति संदीप कौशल को जिला का उपाध्यक्ष मनोनीत किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष तारकेश्वर यादव ने कहा आशा और पूर्ण विश्वास है कि एवं कर्मठ एवं युवा नेता संदीप कौशल एवं आज पार्टी की सदस्यता ग्रहण किए सभी सदस्य राष्ट्रीय जनता दल को मजबूती प्रदान करेंगे। संदीप कौशल ने कहा कि जिलाध्यक्ष तारकेश्वर यादव के नेतृत्व में उन्हें सही मार्गदर्शन मिलेगा और वे राजद पार्टी को जिला में सशक्त बनाने में अपना सर्वोत्तम प्रयास कर संगठन का विस्तार करेंगे। सदस्यता ग्रहण समारोह में धनबाद जिला महानगर अध्यक्ष मुमताज कुरैशी, धनराज यादव, शुभम किशोर, रणजीत सिंह, राजेश चक्रवर्ती, भागीरथ मंडल हरेंद्र सिंह, रितेश चौहान ऋषि चौहान, अजय कुमार, प्रतीक राउत, अंकित कुमार, संदीप चटर्जी, हरेंद्र कुमार,अभिषेक चौहान, कृष्ण कुमार, मोहम्मद समीर,मोहम्मद

जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक

- **अवैध खनन व परिचालन पर सख्ती बरतने का निर्देश**
- **जनवरी में अपेक्षाकृत कम कार्रवाई पर उपायुक्त ने जताई नाराजगी,अवैध खनन पर संयुक्त एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश**

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की मासिक बैठक उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में हुई। समाहरणालय सभागार में गुरुवार को हुई बैठक में उपायुक्त ने टास्क फोर्स की पिछली बैठक में दिये गये निदेश के अनुपालन की समीक्षा की। विभिन्न संचार माध्यमों से प्राप्त अवैध बालू के उठाव तथा परिचालन की सूचना पर उपायुक्त ने पुलिस तथा प्रखंड स्तर पर बेहतर को-आर्डिनेशन के साथ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिलास्तर के सभी चेक पोस्ट का सुचारू व गंभीरता से बालू से लदे वाहनों की जांच एवं परिचालन पर रोक लगाने की बात कही। उपायुक्त ने जनवरी माह में पूरे जिले से केवल पांच अवैध वाहनों पर एफआईआर की कार्रवाई को नाकाफी बताते हुए कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को अपने अपने क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने विशेष शाखा से प्राप्त सूचनाओं पर भी तत्परता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया साथ ही एक्शन टेकेन रिपोर्ट भी अनिवार्य से भेजने को कहा। विभिन्न अंचलों से कार्रवाई की शून्य प्रतिवेदन प्राप्त होने पर अत्यंत खेद जताया साथ ही उन्होंने वैसे अंचल जिनके द्वारा कार्रवाई की रिपोर्ट अप्राप्त है उन्हें स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। मौके पर डीएफओ पूर्वी ने बताया कि जिले भर से 47 खनन का कार्य पूर्ण हो चुके खदानों के मुहाने को बंद किया गया था। लेकिन वर्तमान में अवैधकर्ताओं द्वारा अवैध रूप से वैसे खदानों पर कार्य किए जाने की सूचना प्राप्त हुई है इसपर तत्काल रोक लगाने की जरूरत है। आगे उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी से खनिज लदे वाहनों पर ओवरलोड के मामले में पकड़े गये वाहनों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की। अवैध खनन, परिवहन की रोकथाम के लिए जिले के सभी थाना प्रभारी एवं अंचल अधिकारी को उपायुक्त ने आवश्यक निर्देश दिए। नशे के विरुद्ध लड़ाई एवं अफीम की खेती पर लगातार हो रही कार्रवाई : उपायुक्त उपायुक्त ने नशे पर नकेल कसने के लिए नियमित रूप से सघन जांच अभियान चलाने का निर्देश जिला परिवहन पदाधिकारी को दिया। उन्होंने कहा कि हजारीबाग के कई स्थानों में अवैध रूप से हो रहे अफीम की खेती को नष्ट करने कारवाई नियमित रूप से की जा रही है। इस प्रकार की कार्रवाई को गतिमान बनाए रखना आवश्यक है। डीएफओ पूर्वी, डीएमओ अजीत कुमार, सदर एसडीओ लोकेश बारंगे सिंह, प्रशिक्षु आइपीएस श्रुति, सभी सीओ एवं थाना प्रभारी मौजूद

वर्ल्ड वाइज न्यूज

बिहार में आकर्षण का केंद्र बनी दो हजार वर्ष पुरानी मूर्ति

(शिव शंकर सिंह पारिजात-विभूति फीचर्स)

बिहार के भागलपुर जिले के शाहकुंड प्रखंड में एक निजी मकान की खुदाई के दौरान एक नायाब प्राचीन मूर्ति मिली है जो दो हजार वर्ष पुरानी बतायी जा रही है। यह प्रतिमा अपनी विशिष्ट बनावट के कारण कौतुहल का विषय बनी हुई है। फिलहाल इसे भागलपुर संग्रहालय में सुरक्षित रखा गया है जिसे बाद में डिस्पले में रखने की बात कही जा रही है। करीब डेढ़ फीट ऊंची यह मूर्ति अपने संशलिष्ट रुपाकार के कारण पुरातत्व विशेषज्ञों के साथ ही आम लोगों के लिये भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस मूर्ति के नेत्र तीखे हैं तथा गले में रेखाएं उकेरी हुई हैं जो इसे जीवंतता प्रदान करते हैं। दोनों कानों में कुण्डल तथा विशिष्ट शैली में बने मुकुट धारण किये इस मूर्ति के सिर के पीछे बनी अर्ध गोलाकार आकृति इसे अन्य मूर्तियों की तुलना में भिन्नता प्रदान करते हैं। बाहों में बाजूबंद, दोनों हाथों में कड़े और कमर में करधनी शोभित है। विशिष्ट शैली के अधोवस्त्र से युक्त इसका दाहिना हाथ एक स्त्री आकृति के सिर पर है जबकि बायां हाथ खुदाई में खंडित हो गया है। शाहकुंड का क्षेत्र ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। प्राचीन काल में यह क्षेत्र अंग जनपद का एक अभिन्न हिस्सा था जो 7 वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में गौड़ राजा शशांक (सन् 602 से 620 ई.) के अधीनस्थ था। ऐसी मान्यता है कि शशांक ने शाहकुंड की खेरी पहाड़ी पर एक किले का निर्माण कराया था। पुराविद् अजय कुमार सिन्हा के अनुसार राजा शशांक के कार्यकाल में शाहकुंड ने चरम उत्कर्ष को प्राप्त किया। उसने अंगक्षेत्र में कई 'एकमुखी' शिवलिंगों की स्थापना की थी,जिनके अवशेष यहां की पहाड़ी और आस-पास के क्षेत्र में आज भी देखे जा सकते हैं। शाहकुंड की खेरी पहाड़ी स्थित शिव मंदिर में करीब सवा दो फीट ऊंचा और डेढ़ फीट से अधिक व्यास वाला एक शिवलिंग स्थापित है। शिव मंदिर में एक बहुत बड़ा करीब 20 फीट व्यास वाला विशाल कुआं है जिसमें से बहुत सारी प्राचीन मूर्तियां और कई अन्य पुरातत्व सामग्रियों के अवशेष प्राप्त हुए हैं जो खेरी पहाड़ी पर यत्र-तत्र बिखरे पड़े हुए हैं। इस कुएं से देवी पार्वती की एक प्राचीन मूर्ति भी मिली थी जिसे शिव मंदिर के सामने स्थापित कर दिया गया है। करीब छह दशक पूर्व ग्रामीणों द्वारा की गई खुदाई में उक्त

प्राचीन शिवलिंग और पुराने मंदिर की दीवार, चौखट, किवाड़ आदि के अवशेष मिले थे। भागलपुर के शाहकुंड से मिली उक्त मूर्ति की पहचान के बारे में विशेषज्ञों के बीच मतैक्य नहीं है किंतु उपलब्ध तथ्यों के अनुसार यह मूर्ति भगवान विष्णु की होने के संकेत मिलते हैं। भागलपुर के पूर्व संग्रहालय अध्यक्ष शिव कुमार मिश्र बताते हैं कि शिल्प कला के अनुसार यह एक दुर्लभ मूर्ति है जो करीब 2000 वर्ष पुरानी है जिसकी पहचान कठिन है। श्री मिश्र बताते हैं कि बिहार के नवादा में भी कुछ ऐसी ही दिखनेवाली मूर्ति मिली थी जो भगवान वासुदेव की है किंतु शाहकुंड में मिली इस प्रतिमा पर बिना सम्यक पहचान के अंतिम मुहर नहीं लगाई जा सकती है लेकिन भागलपुर के वर्तमान संग्रहालय अध्यक्ष डॉ. सुधीर कुमार यादव इस मूर्ति की पहचान भगवान वासुदेव के रूप में करते हैं और इसे सातवीं शताब्दी की बताते हैं। अवकाश प्राप्त संग्रहालय अध्यक्ष डॉ ओ. पी. पाण्डेय जो कि एक मूर्ति विशेषज्ञ भी हैं, के अनुसार इस प्रतिमा की विशिष्ट बनावट के कारण इसकी पहचान जटिल है। शाहकुंड में समय समय पर मिल रही प्राचीन मूर्तियों और शाहकुंड पहाड़ी की तलहटी में बिखरे पड़े पुरातात्विक अवशेषों के आधार पर डॉ. पाण्डेय का अनुमान है कि प्राचीन काल में शाहकुंड में मूर्ति निर्माण का कार्य बड़े पैमाने पर होता होगा। ऐसा अनुमान लगाया जाता है कि इस मूर्ति का निर्माण किसी स्थानीय शिल्पी के द्वारा स्थानीय मान्यताओं के आधार पर किया गया होगा जिसके कारण इसकी पहचान निर्धारित करने में कठिनाई हो रही है। इस दिशा में गहन अध्ययन की आवश्यकता है। गत वर्ष भी शाहकुंड में एक नाले की खुदाई के दौरान भगवान शिव के स्वरूप लकुलिष की पांचवीं-छठी ई.की आदमकद मूर्ति मिली है जिसकी चर्चा पूरे देश में हुई थी।अब यह मूर्ति भागलपुर संग्रहालय में रखी गई है। शाहकुंड में मिली इस नयी मूर्ति के बारे में सबसे सटीक टिप्पणी जाने-माने पुराविद् ए.के. महाजन के द्वारा की गयी है। श्री महाजन के अनुसार यह विष्णु की प्रतिमा लगती है जिसके नीचे का दायां हाथ एक स्त्री आकृति के सिर पर है, जो आयुध गदा का मानवीकृत रूप है। प्रारंभिक विष्णु प्रतिमाओं में गदा देवी और चक्र पुरुष की आकृति बहुतायत में मिली हैं। इस प्रकार की प्रतिमाएं ८वीं शती ई. तक बनी। शैली के आधार पर प्रतिमा की तिथि ८वीं शती ई. निर्धारित की जा सकती है। गौरतलब है कि शाहकुंड क्षेत्र की प्रसिद्धि एक शैव केंद्र के साथ वैष्णव स्थल के रूप में भी रही है। यहां से कुछ ही दूरी पर बौंसी में पौराणिक मंदार पर्वत अवस्थित है जिसके बारे में मान्यता है कि देवासुर संग्राम के समय समुद्र मंथन में इसे मथनी के रूप में प्रयोग किया गया था। मंदार क्षेत्र की पहचान एक प्रख्यात वैष्णव केंद्र के रूप में है। ऐसी मान्यता है कि शाहकुंड की खेरी पहाड़ी ही पौराणिक शंखकूट पर्वत है जिसका उल्लेख 'विष्णु पुराण' में किया गया है। कहते हैं कि मंदार पर्वत क्षेत्र पर मधु असुर का राज्य था, तो शंखकूट पर्वत पर शंखासुर अथवा शंख चूड़ नामक असुर का आधिपत्य था जिसका वध भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा किया गया था। शाहकुंड की खेरी पहाड़ी के शिलाखंडों पर उत्कीर्ण प्राचीन शंख-लिपि इसके नाम को सार्थकता प्रदान करती हैं। शाहकुंड में बहुत पहले काले पत्थर से निर्मित भगवान केवल नरसिंह की आदमकद कलात्मक मूर्ति भी मिली थी जो इस स्थल के वैष्णव केंद्र होने के संकेत देती है।(लेखक पूर्व जनसंपर्क उपनिदेशक एवं इतिहासकार है)(विभूति फीचर्स)

पाशविकता की पराकाष्ठा: एक मासूम और बासठ दरिंदे

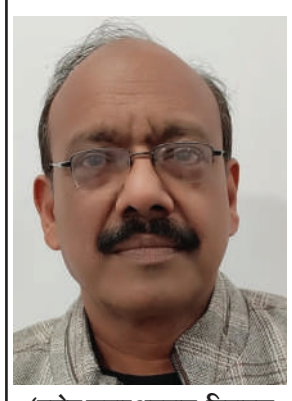

(मनोज कुमार अग्रवाल-विनायक फीचर्स)

हाल ही में केरल की 18 वर्षीया एथलीट बालिका के साथ दरिंदगी का ऐसा घिनौना मामला सामने आया है जिसने इंसानी चेहरे के पीछे छिपे पाशविक दरिंदों के चेहरों को बेनकाब कर दिया है। यह घटना दर्शाती है कि आज भी इस समाज में बेटी बनकर पैदा होना अपराध है। और हमारे समाज में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारों की हकीकत क्या है? एक खिलाड़ी लड़की की अस्मत से खेलने में कितने भेड़ियों ने हाथ आजमाए? इस पीड़िता एथलीट द्वारा केरल के इलावुमथिट्टा में 62 लोगों पर लगाए गए यौन शोषण के आरोप ने पूरे देश का दहला दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और 44 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। चौंकाने वाली जानकारी से पता चला है कि लड़की, जो उस समय नाबालिग थी, के साथ दुर्व्यवहार की शुरुआत उसके बचपन के दोस्त ने ही की थी। इस बेहद शर्मनाक मामले की रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तार किए गए 58 लोगों में से 44 लोग उसी दलित बस्ती से थे, जहां पीड़िता रहती थी शेष आस-पास के इलाकों से थे। इस सनसनीखेज खुलासे के बाद, यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराओं के तहत चार पुलिस स्टेशनों में 29 अलग-अलग मामले दर्ज किए गए है। इस दुर्व्यवहार मामले के बारे में बताया गया है कि सबसे पहले गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक सुबिन था – जिसने कथित तौर पर दुर्व्यवहार की शुरुआत की थी जब पीड़िता केवल 13 वर्ष की थी। बताया गया है कि सुबिन पीड़िता के बचपन का दोस्त था और उनके घर पास में ही थे। सुबिन ने कथित तौर पर पीड़िता का यौन शोषण किया और उसकी तस्वीरें और वीडियो रिकॉर्ड किए, जिसका इस्तेमाल उसने पीड़िता को अपने दोस्त के साथ संबंध बनाने के लिए धमकाते हुए किया। इसके बाद सुबिन ने कथित तौर पर दो और लोगों को बुलाया, जिन्होंने किशोरी का और शोषण किया। सिलसिला अगले कुछ सालों तक जारी रहा, क्योंकि पीड़िता की तस्वीरें पुरुषों और नाबालिग लड़कों के अलग-अलग समूहों में फैल गईं। गिरफ्तार किए गए लोगों में स्कूल के उसके सहपाठी भी शामिल थे। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में ड्राइवर, दिहाड़ी मजदूर और आस-पास के घरों के ज्यादातर पुरुष शामिल हैं जिनमें से कुछ तो शादीशुदा भी थे। सामूहिक बलात्कार भी आगे की जांच के दौरान पता चला कि आरोपियों में चार नाबालिग हैं और दो अन्य अपराध के समय नाबालिग थे। उनमें से कई ने इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए उससे संपर्क किया। पीड़िता ने यह भी बताया कि कई बार इस दुर्व्यवहार में कई पुरुष शामिल थे। बाद में सामूहिक बलात्कार के लिए एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने यह भी खुलासा किया कि आरोपियों में से एक इलावुमथिट्टा से 100 किलोमीटर से अधिक दूर तिरुवनंतपुरम का निवासी है, जबकि दो अन्य अब देश से बाहर हैं। इस बीच, बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) और पुलिस मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि पीड़िता को आवश्यक सहायता और सुरक्षा दी जाए। बेहद शर्मसार करने वाला यह मामला दिसंबर में तब सामने आया जब पीड़िता ने अपने कॉलेज में स्नेहिता द्वारा जागरूकता अभियान के बाद अपने अनुभव का खुलासा किया। स्नेहिता राज्य सरकार द्वारा संचालित महिला सशक्तिकरण नेटवर्क कुदुम्बश्री की एक पहल है। कथित तौर पर, पीड़िता ने सबसे पहले उस संस्थान की एक शिक्षिका से बात की, जहां वह पढ़ती है। फिर शिक्षिका ने स्नेहिता में एक परामर्शदाता के पास उसका मामला उठाया, जिसने फिर बाल कल्याण समिति को सूचित किया। पथनमथिट्टा में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष, अधिवक्ता एन राजीव के अनुसार समाज में बदनामी और पीड़ित बच्ची के भविष्य की चिंता में पहले तो पीड़िता की मां परेशान थी और उसे आगे की काउंसलिंग के लिए केंद्र में जाने देने के लिए अनिच्छुक थी क्योंकि वह नहीं चाहती थी कि उसके पिता को इस बारे में पता चले। पुलिस के अनुसार, अब तक की जांच में सामने आया है कि पथनमथिट्टा के एक निजी बस स्टैंड पर कई आरोपियों ने लड़की से मुलाकात की थी। इसके बाद उसे वाहनों में अलग-अलग जगहों पर ले जाया गया और उसका उत्पीड़न किया गया। जांच में यह भी पाया गया कि पिछले साल जब लड़की 12वीं कक्षा में पढ़ रही थी, तो इंस्टाग्राम के जरिए जानने वाला एक युवक उसे रन्नी स्थित रबर के एक बागान में ले गया, जहां उसने तीन अन्य लोगों के साथ मिलकर लड़की से दुष्कर्म किया। केडब्ल्यूसी की विज्ञप्ति में बताया गया है कि मिली शिकायत के अनुसार एथलीट लड़की का 62 लोगों ने यौन उत्पीड़न किया। 13 साल की उम्र से ही उसके साथ दुष्कर्म किया जा रहा था। यह भी पाया गया कि स्कूल और खेल प्रशिक्षण शिविर में भी उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया।' पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, 'प्रारंभिक जांच से पता चला कि स्कूल स्तर के एथलेटिक प्रशिक्षण में भाग लेने वाली लड़की के साथ खेल प्रशिक्षकों, साथी एथलीटों और अन्य लोगों ने दुर्व्यवहार किया।' सूत्रों ने बताया कि जांच अब दुर्व्यवहार में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ सबूत जुटाने पर केंद्रित है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस नई प्राथमिकियों और गिरफ्तारियों का ब्योरा पत्तनमथिट्टा बाल कल्याण समिति को सौंपेगी। पीड़िता के बयान के अनुसार, 13 साल की उम्र में उसके पड़ोसी ने पहली बार उससे दुष्कर्म किया था, जिसके बाद 62 लोगों ने उसका यौन उत्पीड़न किया।

पुलिस के मुताबिक जांच से पता चला है कि उसके साथ कम से कम पांच बार सामूहिक दुष्कर्म किया गया, जिसमें कार के अंदर और जनवरी 2024 में पथनमथिट्टा जनरल अस्पताल में हुई घटनाएं भी शामिल हैं। जांच के लिए जिला पुलिस प्रमुख वी.जी. विनोद कुमार की निगरानी में पथनमथिट्टा के पुलिस उपाधीक्षक पी.एस. नंदकुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है। राष्ट्रीय महिला आयोग ने सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग रखी हालांकि अभी भी कई आरोपित फरार है । आयोग ने अधिकारियों से न्याय दिलाने के लिए निष्पक्ष व समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने को कहा है। केरल महिला आयोग ने स्वतः मामला दर्ज किया और आयोग की अध्यक्ष पी.सती देवी ने पत्तनमथिट्टा के पुलिस अधीक्षक को इस संबंध में तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। यह मामला बाल कल्याण समिति की ओर से आयोजित परामर्श के दौरान सामने आया, जब एक शैक्षणिक संस्थान में पीड़िता के शिक्षकों ने समिति को उसके व्यवहार में आए महत्वपूर्ण बदलावों के बारे में बताया। इसके बाद समिति ने पुलिस को सूचित किया और जांच करने के लिए पत्तनमथिट्टा के पुलिस उपाधीक्षक की अध्यक्षता में विशेष जांच दल का गठन किया गया। यह मामला समाज का एक ऐसा विद्रूप और घिनौना चेहरा सामने लाया है जिसकी कल्पना से ही दिल दिमाग सिहर उठता है। वहीं खेल के पीछे चलने वाले घिनौने खेल की हकीकत को भी बयान करता है। पूर्व में भी राष्ट्रीय स्तर की एक खिलाड़ी ने एक सांसद और कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर यौन शोषण के इल्जाम लगाए थे और यह मामला बेहद चर्चित रहा था। प्रश्न यही है कि जागरूकता और प्रगतिशीलता का दम भरने वाले हमारे समाज में बच्चियों की सुरक्षा का भी इंतजाम नहीं है? यदि ऐसा है तो यह बेहद चिंता का विषय है और एक स्वस्थ समाज की अवधारणा के विपरीत है। कब तक बच्चियां दरिंदगी का शिकार बनती रहेंगी? प्रशासन और समाज बेटी बचाओ और नारी सशक्तिकरण के नारों को हकीकत का अमली जामा कब पहनाएंगे? (विनायक फीचर्स)

श्रद्धांजलि : 'प्राणेश कुमार' : खो गया हिंदी काव्य - जगत का एक अनमोल सितारा

विजय केसरी अतिथि संपादक, वर्ल्ड वाइज न्यूज

आज देश ने हिंदी काव्य जगत के एक महानतम सितारा प्राणेश कुमार को खो दिया है । प्राणेश कुमार जीवन के अंतिम क्षणों तक काव्य रचना में मशगूल रहे थे। पिछले दिनों मृत्यु से लगभग एक सप्ताह पूर्व ही प्राणेश कुमार अपने साहित्यिक मित्रों क्रमशः रतन वर्मा और टी.पी पोद्दार के समक्ष कविता का वाचन किया था। उन्होंने उन दोनों साहित्यिक मित्रों की कविताओं को सुनकर अपनी राय भी खुलकर रखी थी। प्राणेश कुमार का संपूर्ण जीवन हिंदी कविता और कथा सृजन को समर्पित रहा था। उनका जन्म 11 जनवरी 1955 को रामगढ़ जिले के गोला में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गोला में ही पूरी हुई थी। उन्होंने उच्च शिक्षा संत कॉलंबा महाविद्यालय से ग्रहण किया था। इसके बाद वे राजकीय सेवा से जुड़ गए थे । प्राणेश कुमार का बचपन से ही हिंदी साहित्य की ओर झुकाव था। वे एक जनवादी विचार धारा के कवि थे। उनका जनवादी पन दिखावा का नहीं बल्कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन एक जनवादी रचनाकार के रूप में बिताया था। उनकी कविताओं में जनवाद की रेखाएं साफ झलकती नजर आती हैं।

प्राणेश कुमार एक संवेदनशील स्वभाव के रहे थे। उनकी यह संवेदनशीलता जीवन के अंतिम क्षणों तक बरकरार रही थी । वे एक सहयोगी प्रकृति के व्यक्ति भी थे। स्कूल और महाविद्यालय में शिक्षण के दौरान जब भी किसी मित्र को कोई कष्ट हुआ, प्राणेश कुमार सीधे मदद करने के लिए पहुंच जाते थे। उनके पास जो भी धन होता, अपने मित्रों के मदद में खर्च किया दिया करते थे। साथ ही वे सशरीर तब तक लगे रहते, जब तक कि मित्र का कष्ट दूर न हो जाए । इस संबंध में झारखंड के जाने-माने कथाकार रतन वर्मा ने बताया कि एक बार उनकी पत्नी मंजू वर्मा गंभीर रूप से बीमार पड़ गई थी। उनका सर्जरी होना था । उनकी पत्नी को लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा था। इस दौरान उनके चार बच्चों की देखभाल कौन करेगा ? इसे लेकर रतन वर्मा थोड़ा परेशान भी थे। यह बात जब प्राणेश कुमार को पता चली तब उन्होंने रतन वर्मा के चारों बच्चों को अपने पास तब तक रखा, जब तक कि उनकी पत्नी पूरी तरह स्वस्थ होकर घर न चली जाए। यह बात कहते हुए आज भी रतन वर्मा की आंखें भर जाती हैं। प्राणेश कुमार का यह स्वभाव सिर्फ रतन रतन वर्मा के साथ ही ऐसा था, यह बात नहीं थी बल्कि वे अपने हर एक मित्रों के साथ उतनी ही आत्मीयता के साथ जुड़े हुए थे।

प्राणेश कुमार का हजारीबाग की धरती से गहरा लगाव था। प्राणेश कुमार के लिए हजारीबाग की धरती साहित्यिक कर्मभूमि रही थी। उन्होंने अपने रचना कर्म के शुरुआती दिनों में हजारीबाग में कई रचनाओं को पूरा किया था। हजारीबाग की गलियों में घुमा फिरा करते थे । इसी दौरान उनकी मुलाकात जाने-माने साहित्यकार भारत यायावर और कथाकार रतन वर्मा से हुई थी । बाद के कालखंड में तीनों गहरे साहित्यिक मित्र भी बन गए थे। 80 के दशक में हजारीबाग के हिंदी साहित्यिक प्रतिभाओं को उभारने के लिए इन तीनों मित्रों ने मिलकर 'संभावना संगोष्ठी' नामक एक साहित्यिक संस्था का स्थापना किया था। उस कालखंड में हजारीबाग के काफी संख्या हिंदी के रचनाकार सृजन रत थें। लेकिन इन सबों के लिए कोई एक साहित्यिक मंच नहीं था। प्राणेश कुमार, भारत यायावर और रतन वर्मा ने मिलजुल कर 'संभावना संगोष्ठी' का गठन कर स्थानीय साहित्यकारों को एक उच्च कोटि का मंच प्रदान किया गया था। सप्ताह में एक बार संभावना संगोष्ठी की गोष्ठी जरूर होती थी । जिसमें काफी संख्या में हजारीबाग के हिंदी के साहित्यकार जुटा करते थे। इस गोष्ठी में रचनाकार अपनी रचनाओं का पाठ किया करते थे। यह लिखते हुए गर्व होता है कि इसी संभावना संगोष्ठी से निकले कई साहित्यकार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफल रहें थे। संभावना संगोष्ठी की अधिकांश गोष्ठियां रमणिका गुप्ता फाउंडेशन कार्यालय के बाहर वाले सभा कक्ष में संपन्न हुआ करती थी। आगे चलकर संभावना संगोष्ठी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में भी सफल रही थी। देश भर के

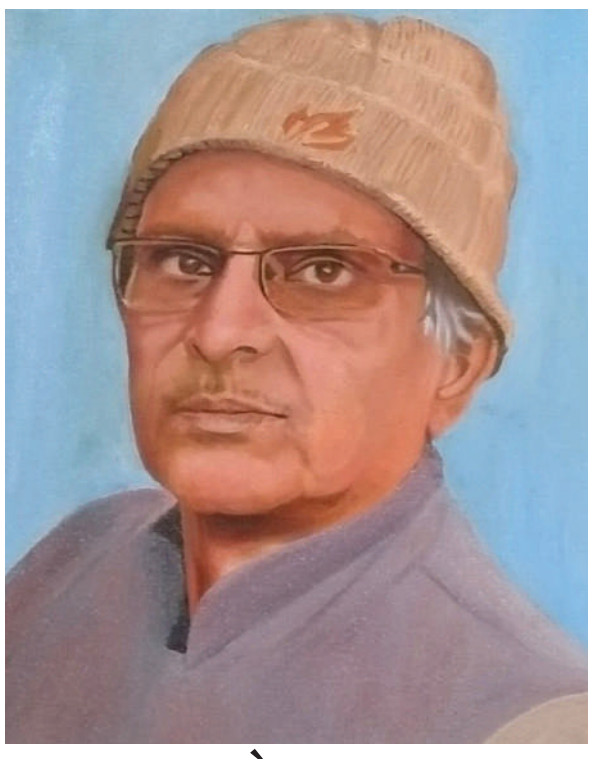

प्राणेश कुमार

साहित्यकार संभावना संगोष्ठी को जानने लगे थे।

प्राणेश कुमार एक कवि के साथ एक अच्छे कथाकार भी थे । लेकिन उन्हें एक कवि के रूप में ज्यादा प्रसिद्धी मिल पाई। उनकी प्रकाशित पुस्तकों में 'एक ही परिवेश' (अन्य पांच कवियों के साथ), "सख्त जमीन के लिए' (कविता संग्रह), 'तुमसे मुखातिब' (कविता संग्रह), 'हंसता है सूत्रधार' (कविता संग्रह), 'ढाई आखर' (कविता संग्रह) 'खोया हुआ आदमी' (लघु कथा संग्रह) 'जुस्जू रोशनी की' (गजल संग्रह), 'निशा का अंतिम प्रहर' (गीत संग्रह), 'सत्य का झोंका' (लघु कथा संग्रह) 'क से कविता' (कविता संग्रह) 'प्रतिनिधि कविताएं', 'मुंडेर पर चिड़िया' (कविता संग्रह । इसके साथ ही उन्होंने अपने जीवन काल में कई पुस्तकों का संपादन भी किया। 'आम आदमी के लिए' (कविता संग्रह), 'एक गीत लिखने का मन' (गीत संग्रह) 'रोशनी की लकीरें' (कविता संग्रह), 'समकालीन कहानी' (कहानी संग्रह), 'नया मिजाज' (गजल संग्रह), 'बोनेक बोल' (खोरठा कवित संग्रह). 'लठैत की बहू' (कहानी संग्रह)। हजारीबाग से प्रकाशित 'युद्ध रत आम आदमी' नमक साहित्यिक पत्रिका का दस वर्षों तक संपादन भी किया। उनकी रचनाएं देश भर के विभिन्न प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में नियमित प्रकाशित होती रही थी। उनकी कई रचनाएं अन्य भाषाओं में भी अनुदित हुई।

प्राणेश कुमार को 2018 में जब यह पता चला कि उन्हें पेट का कैंसर हो गया। वे बिल्कुल विचलित नहीं हुए बल्कि उन्होंने कैंसर को मात देने के लिए उचित चिकित्सीय सहारा लिया । चिकित्सकों ने उन्हें जो भी परामर्श दिया, उन्होंने पूरी तरह पालन किया। इस दौरान उन्हें विषम सर्जरी का भी सामना करना पड़ा था। वे बिना विचलित हुए सर्जरी का सामना किया । वे कैंसर को परास्त करते हुए आगे बढ़ते रहे थे। जब भी उन्हें अवसर मिलता लेखन से जुड़ जाता करते थे। उन्होंने कभी भी अपने किसी मित्र के समक्ष कैंसर होने का रोना रोया था। कैंसर होने के बावजूद वे अपने मित्रों से खुलकर हंसते बोलते थे । कौन लेखक क्या रचना कम कर रहा है ? इसकी उन्हें जानकारी होती थी। सोशल मीडिया पर भी प्राणेश कुमार गतिशील बने रहते थे । वे अपनी रचनाओं को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया करते थे। उनकी रचनाओं पर मिलने वाले प्रतिक्रियाओं का जवाब भी बहुत ही ढंग से दिया करते थे । कैंसर उन्हें हराने का बहुत प्रयास किया लेकिन हर बार कैंसर ही उनसे हार जाया करता था। उनकी उंगलियां जब भी मोबाइल और लैपटॉप पर गतिशील होती थीं, तब कोई न कोई रचना जन्म ले लेती थीं । उनकी यह जीवटता अपने आप में बेमिसाल थी। जीवन के अंतिम दिनों में जब डॉक्टर ने उनके परिवार को यह बता दिया कि अब प्राणेश कुमार ज्यादा दिनों तक रहने वाले नहीं है। इसके बावजूद प्राणेश कुमार की साहित्यिक गतिशीलता कम नहीं हुई थी। इसी दौरान उन्होंने देश के जाने-माने कथाकारों की प्रतिनिधि कहानियों को लेकर एक कथा संग्रह भी तैयार कर लिया । उन्होंने कथा संग्रह पर अपनी ओर से पूरा काम भी कर लिया था। उम्मीद है कि कुछ महीनो में ही उनका यह कथा संग्रह लोगों तक उपलब्ध भी हो जाए। साहित्य के प्रति उनका यह गहरा लगाव अद्भुत था।

प्राणेश कुमार 20 फरवरी,2025 को सुबह 7:00 बजे इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनकी मृत्यु हिंदी सहित जगत के लिए एक अपूर्णीय क्षति के समान है । लेकिन यह भी सच है कि जिनका जन्म हुआ है, उसे मृत्यु को प्राप्त भी करना है। प्रणेश कुमार एक जिंदादिल कवि - कथाकार थे। इसी जिंदादिल के साथ उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

हिंदी साहित्य की एक प्रतिष्ठित पत्रिका 'प्रसंग' में प्रकाशित एक कविता 'सत्य' शीर्षक से है। उनकी इसी कविता की पंक्तियों से नम आंखों से श्रद्धांजलि दे रहा हूं। आप बहुमूल्य रत्न है/ आपकी लिखी पंक्तियां / हीरा - मोती स तराशी होती हैं/ आप कभी रोते हैं/ आप कभी हंसते हैं/ आप राजा के प्यारे /राजा के अनमोल रतन है। आपकी कलम समर्पित है/ राजा के लिए / राजा की रक्षा में उगलती है आग/ लगता है उसे आग में/ भस्म हो जाएंगे राजा के विरोधी /लेकिन सच और भी निखर जाता है/ उस आग से / खामोश करना चाहते हैं आप /उस आवाज को /जो गहरी नींद में सोए / राजा को जगा सकती है/ खामोश/ खामोश/ खामोश/ राजा सोया है गहरी नींद में । राजा खुद ब खुद उठेगा / आपको देख मुस्कुराएगा/ आप धन्य - धन्य हो जाएंगे / राजा की जयकार करेंगे / और आपकी समर्पित कलम/ फिर आग उगलेगी / यही अग्नि जला देगी/ आपका ही आवरण।

विजय केसरी,
(कथाकार/स्तंभकार)
पंच मंदिर चौक,
हजारीबाग - 825 301,
मोबाइल नंबर : 92347 99550.

देश में सूचना क्रांति की महत्व बढ़ा

विनीत नारायण

एक बार लॉस एंजेलिस में उद्योगपतियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते समय मैंने श्रम आधारित तकनीकी के समर्थन और औद्योगिकरण के विरोध में काफी जोर से भाषण दिया। तब वहां मौजूद एक धनाढ्य उद्योगपति गणपत पटेल ने मुझे एक पुस्तक भेंट की जिसमें बताया गया था कि 1920 में अमेरिका में जिन क्षेत्रों में रोजगार काफी मात्रा में उपलब्ध था, वे क्षेत्र 1960 के दशक में गायब हो गए। पर इससे बेरोजगारी नहीं बढ़ी क्योंकि अनेक नये रोजगार क्षेत्र विकसित हो गए। उदाहरण के तौर पर 1920 के दशक में हाथ की मशीन पर टाइप करने वालों की भारी मांग थी पर कंप्यूटर आने के बाद यह मांग समाप्त हो गई। 1920 में हवाई जहाज के पायलटों की कोई मांग नहीं थी। पर बाद में हजारों पायलटों की मांग पैदा हो गई। पटेल ने मुझसे जोर देकर कहा कि तकनीकी आने से बेरोजगारी नहीं बढ़ती। ऐसा ही अनुभव आज देश में सूचना क्रांति को देख कर हो रहा है। सूचना क्रांति ने हर क्षेत्र को बहुत व्यापक रूप में प्रभावित किया है। कुछ वर्ष पहले तक व्यापारी के बही-खातों में आमदनी-खर्च का जो हिसाब रखा जाता था वो इतना माकूल होता था कि उसमें एक पैसे की भी गलती नहीं होती थी। सदियों से भारत में यही प्रथा चल रही थी पर कंप्यूटर क्रांति ने सब बदल कर रख दिया। अब व्यापार के आंकड़े केवल आमदनी खर्च तक सीमित नहीं है। अब तो व्यापारी यह जानना चाहता है कि उसका कौन सा उत्पादन किस इलाके में ज्यादा बिक रहा है। उसके ग्राहक किस वर्ग के हैं। साल के किस महीने में उसकी बिक्री बढ़ जाती है। कौन सी राजनैतिक या सामाजिक घटनाओं के बाद किस वस्तु की मांग अचानक बढ़ जाती है। जैसे-जैसे यह जानकारी उत्पादक या वितरक कंपनी के पास आती-जाती है, वैसे-वैसे उसका नजरिया और नीति बदलने लगती है। जबकि बही-खाते में केवल आमदनी-खर्च या लाभ-घाटे का हिसाब रखा जाता था। सांप्रदायिक दंगों का अंदेशा हो तो अचानक शहर में डबल रोटी, दूध, चाय, कॉफी के पैकेट, दाल-चावल, चीनी, मोमबत्ती, टॉर्च, शस्त्रों की मांग बढ़ जाती है। जाहिर है कि इन वस्तुओं के निर्माताओं को देश की नाड़ी पर इस नजरिए से निगाह रखनी पड़ती है। जिस इलाके में सांप्रदायिक तनाव बढ़े वहां इन वस्तुओं की आपूर्ति तेजी से बढ़ा दी जाए। इसी तरह बरसात से पहले छाते और बरसाती की मांग, गर्मी से पहले कूलर और एसी की मांग, जाड़े से पहले हीटर और गीजर की मांग बढ़ जाना सामान्य सी बात है। पर एसी बीस हजार रु पये वाला बिकेगा या पचास हजार रु पये वाला, यह जानने के लिए उसे ग्राहकों का मनोविज्ञान और उनकी हैसियत जानना जरूरी है। अगर निम्न वर्गीय रिहायशी क्षेत्र में लिप्टन की ग्रीन लेबल चाय के डिब्बे दुकानों पर सजा दिए जाएं तो शायद एक डिब्बा भी न बिके पर रेड लेबल चाय धड़ल्ले से बिकती है। धनी बस्ती में पांच रु पये वाला ग्लूकोज बिस्कुट का पैकेट खरीदने कोई नहीं आएगा पर पांच सौ रु पये किलो की कूकीज के पैकेट धड़ल्ले से बिकते हैं। इसलिए इन कंपनियों को हर पल बाजार और ग्राहक के मूड पर निगाह रखनी होती है। इससे ये कंपनियां कई अहम फैसले ले पाती हैं। मसलन, उत्पादन कब, कैसा और कितना किया जाए। वितरण कहां, कब और कितना किया जाए। विज्ञापन का स्वरूप कैसा हो। उसमें किस वर्ग का प्रतिनिधित्व किया जाए और क्या कहा जाए जो ग्राहक का ध्यान आकर्षित कर सके। इसी सूचना संकलन का असर था कि 10 वर्ष पहले सभी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपने विज्ञापन अंग्रेजी की बजाय क्षेत्रीय भाषाओं में देने शुरू कर दिए। वरना हमारे बचपन में तो लक्स साबुन का विज्ञापन हिन्दी के अखबार में भी अंग्रेजी भाषा में आता था। जब सूचना का इतना महत्त्व बढ़ गया है तो जाहिर है कि इस सूचना को एकत्र करने वाले, प्रोसेस करने वाले और उसका विश्लेषण करने वाले सभी की मांग बजार में बेहद बढ़ गई है। यहां तक कि केवल इसी किस्म की सेवाएं देने वाली कंपनियों की बाढ़ आ गई है। जैसे पहले शेयर मार्केट को चलाने वाले बड़े-बड़े दलाल और बड़ी कंपनियां होती थीं पर आज इंटरनेट की मदद से देश के हर कस्बे और शहर में शेयर मार्केट में खेलने वाली हजारों कंपनियां खड़ी हो गई हैं। अर्थव्यवस्था ही नहीं, कानून की स्थिति को बनाए रखने के लिए भी इस सूचना क्रांति ने भारी मदद की है। आज अपराधियों या आतंकवादियों के बारे में सूचना का भंडार पुलिस विभाग के पास उपलब्ध है, और आवश्यकता पडने पर मिनटों में देश में इधर से उधर भेज दिया जाता है। इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में भी इस सूचना क्रांति ने शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए ज्ञान के सैकड़ों दरवाजे खोल दिए हैं।

सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल करें तेजपत्ता

तेजपत्ते का इस्तेमाल केवल खाने में डालने तक ही सीमित नही हैं। कई लोगों को ये जानकर हैरानी हो सकती है कि तेजपत्ते के इस्तेमाल से आप अपनी त्वचा व बालों को भी फायदा पहुंचा सकते हैं। आइए, जानते हैं कि किस तरह से आप तेजपत्ते को अपनी सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

- चेहरे पर दाग, धब्बे या मुहांसे होने पर तेजपत्ता काफी लाभदायक होता है। तेजपत्ते का लेप या फिर तेजपत्ता डालकर उबाले गए पानी से चेहरा धोना, चेहरे को साफ और बेदाग बनाए रखने में मदद करता है।
- तेजपत्ते का पानी सूर्य की किरणों से प्रभावित त्वचा को भी ठीक करने में मदद करता है, और त्वचा की रंगत को समान बनाए रखने में मदद करता है।
- बालों को नर्म, मुलायम और चमकदार बनाए रखने के लिए तेजपत्ते का उपयोग बेहद असरकारक होता है। आप चाहें तो इसे तेल में डालकर उस तेल को बालों की जड़ों में लगा सकते हैं, या फिर इसके पानी से बालों को धो सकते हैं।
- तेजपत्ते का लेप बनाकर बालों में लगाने से रूसी की समस्या से निजात मिल सकती है। इसे लेप को दही में मिलाकर भी लगाया जा सकता है, ताकि सिर की त्वचा में नमी बनी रहे और पोषण भी मिले।
- तेजपत्ते को सुखाकर उसके पाउडर को मंजन की तरह इस्तेमाल करना, दांतों की सफेदी और चमक बरकरार रखने में कारगर है। आप चाहें तो इसे सप्ताह में एक दिन आजमा सकते हैं।
- अगर किसी को काफी समय से कमर दर्द हो, तो इस काढ़े को पीने से जल्दी आराम मिलता है। आप चाहें तो कमर पर तेजपत्ते के तेल से मालीश भी कर सकते है।
- शीत लहर से होने वाले शारीरिक दर्द को भी ये काढ़ा दूर करने में मदद करता है। इसके लिए आप 10 ग्राम तेजपत्ता, 10 ग्राम अजवायन और 5 ग्राम सौंफ को एक साथ पीसकर मिश्रण तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को 1 लीटर पानी में डालकर अच्छी तरह से उबाल लें। जब पानी उबलने के बाद 100-150 मिलीलीटर बच जाए तो गैस बंद कर दें। कुछ देर बाद जब ये मिश्रण ठंडा जाएगा तो आपका काढ़ा पीने के लिए तैयार है।
- अगर कही पर मोच आ गई हो, तो सूजन और दर्द से राहत देने में तेजपत्ते का काढ़ा सहायक होता है। आप चाहें तो तेजपत्ता को पीसकर उसका लेप भी दर्द वाली जगह पर लगा सकते हैं इससे भी राहत मिलती है।
- अगर नसों में सूजन हो या नसों में खिंचाव, तो भी तेजपत्ते का काढ़ा आराम पहुंचाता है।

गठिया का दर्द सोख लेती हैं ये चीजें, जड़ से खत्म होगी दर्दनाक तकलीफ

आर्थराइटिस पेन को गठिया का दर्द भी कहा जाता है। जिसे कम करने के लिए कुछ चीजों का सेवन करना चाहिए। शोधों में इन फूड्स को दर्द और इंफ्लामेशन से छुटकारा दिलाने वाला पाया गया है।

बुढ़ापे के साथ जोड़ों का दर्द भी आना आम बात है। इस रोग को गठिया या आर्थराइटिस भी कहा जाता है। उम्र के साथ घुटनों, कोहनी आदि हड्डी के जोड़ों की मूवमेंट कम होने लगती है और इंफ्लामेशन बढ़ने लगती है। जिसकी वजह से सूजन, दर्द, अकड़न जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। इस बीमारी में कुछ एंटी-इंफ्लामेटरी फूड्स रामबाण साबित हो सकते हैं। इन खाद्य पदार्थों में दर्द को कम करने वाली शक्ति होती है। इसलिए घर के बड़े-बुजुर्गों को इन चीजों का सेवन जरूर करवाएं।

सेब है गठिया का इलाज

सेब खाकर गठिया के दर्द से राहत पाई जा सकती है। क्योंकि, इसे मोटापे से आई सूजन व इंफ्लामेशन को कम करने में मददगार देखा गया है। जिससे मोटापे के शिकार लोगों में जोड़ों के दर्द में भी कमी देखी गई।

खाने में अच्छी तरह डालें अदरक और हल्दी

अदरक और हल्दी को आयुर्वेद में कई रोगों की दवा माना जाता है। क्योंकि यह एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों का भंडार हैं। इन्हें औषधि या भोजन के रूप में लेने पर दर्द, सूजन आदि लक्षणों से राहत पाई जा सकती है।

स्ट्रॉबेरी, क्रैनबेरी, ब्लैकबेरी

सभी बेरीज में विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स की भरमार होती है। आर्थराइटिस फाउंडेशन के मुताबिक, इनमें गठिया से लड़ने वाले गुण होते हैं।

मशरूम है लाभदायक

मशरूम के अंदर फेनोलिक, इंडोलिक, मायकोस्टेरोइड्स, फैटी एसिड, कैरोटेनोइड्स, विटामिन और बायोमेटल जैसे कई सारे एंटी-इंफ्लामेटरी कंपाउंड होते हैं। यह सभी तत्व आर्थराइटिस के इलाज में मदद करते हैं।

अनार खाने के फायदे

अनार के अंदर टैनिन काफी मात्रा में होते हैं। इनमें एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं। जो घुटनों के दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इसलिए गठिया के मरीजों के लिए इसका सेवन फायदेमंद माना जाता है

दिल की बीमारी के खतरे को कम करता है किचन में रखा ये तेल

सरसों को तेल हमारे किचन में बहुत आसानी से उपलब्ध होता है और यह हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा भी होता है। लेकिन क्या आपको यह पता है कि यह हमारे हार्ट हेल्थ के लिए कितना अच्छा है। सरसों के तेल की खासियत बहुत कम लोगों को पता है। सरसों का तेल विटामिन, मिनरल्स, कैल्शियम और आयरन जैसे तत्वों से भरपूर होता है, जो आपको सेहतमंद रखने में मदद करते हैं। यह आपके हार्ट के लिए कैसे अच्छा और इसके फायदे क्या है।

अल्फा-लिनोलेनिक एसिड

सरसों के तेल में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड पाया जाता है, जो एक प्रकार का ओमेगा-3 फैटी एसिड है और यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। आमतौर पर यह हृदय रोगों को नियंत्रित करने में मदद करता है।

कोलेस्ट्रोल को कंट्रोल करता है

सरसों के तेल के प्रत्येक 100 ग्राम में करीब 60 से 70 प्रतिशत मोनोअनसैचुरेटेड फैट होता है, जो कि गुड फैट है और कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करने में मदद करता है । यह हार्ट डिजीज के रिस्क को भी कम करता है।

हार्ट हेल्थ के लिए अच्छा है

रिसर्च गेट में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, सरसों के तेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो हृदय की सेहत को सुरक्षित रखने मदद कर सकते हैं। इन तत्वों के नियमित सेवन से हृदय रोग का खतरा कम हो जाता है।

इन्फ्लेमेशन को कम करना

सरसों के तेल में एंटी-इन्फ्लेमेटरी प्रॉपर्टी के गुण भी होते हैं, जो शरीर में होने वाले किसी भी प्रकार के इन्फ्लेमेशन को कम कर सकते हैं। यह हृदय संबंधी समस्याओं के रिस्क को कम करने में मदद करता है।

इम्युनिटी स्ट्रांग होती है

सरसों के तेल में मौजूद विटामिन और खनिज तत्व शरीर को मजबूत बनाते हैं। जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और हार्ट सहित कई बीमारियों के होने का खतरा और भी कम होता है।

पके कटहल को करें डाईट में शामिल

कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक

तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

कोई भी बीमारी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती। इन दिनों खराब लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए अच्छी डाइट और व्यायाम करना बहुत ही जरुरी है। एक्सरसाइज करने से आपका शरीर एकदम फूर्तीला रहता है और आप बीमारियों से भी दूर रहेंगे। आज आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज बताएंगे जो आपके हार्ट के साथ-साथ आपके स्वस्थ शरीर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होगी। तो चलिए जानते हैं उनके बारे में.

दिल रहेगा एकदम स्वस्थ रुटीन में ये ट्राई करें

कार्डियो एक्सरसाइज करें

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप कार्डियो एक्सरसाइज को अपनी डेली रुटीन में शामिल कर सकते हैं। इसमें जॉगिंग, साइकिलिंग और वॉक भी शामिल हैं। इससे आपके हृदय की गति तेज होगी और साथ में हृदय की मांसपेशियों की भी एक्सरसाइज होगी।

स्ट्रेचिंग और वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज

आप अच्छे स्वास्थ्य और दिल को स्वस्थ रखने के लिए वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग भी कर सकते हैं। स्ट्रेचिंग करने से आपके शरीर में लचीलापन आता है। साथ ही वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज करने से आपका वजन कंट्रोल में रहता है और शरीर में ताकत भी आती है। वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज में आप पुशअप्स, स्क्वैट्स, पुलअप्स जैसी एक्सरसाइज को अपनी रुटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

जंपिंग जैक एक्सरसाइज करें

जंपिंग जैक एक्सरसाइज आपके हेल्दी हार्ट के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इससे आपका हृदय स्वस्थ रहता है। इससे हृदय की गति भी बहुत अच्छे से होती है।

कैसे करें जंपिंग जैक एक्सरसाइज

.सबसे पहले आप सीधे खड़े हो जाएं।
.इसके बाद ऊपर की ओर उछलें और अपने हाथों को भी ऊपर उठा लें। .हाथ उठाने के बाद पैरों को भी फैला लें। ऐसे ही 10-15 मिनट तक करें और फिर नीचे नार्मल पॉजिशन में आ जाएं।

हर्डल जंप करें

आप हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप हर्डल जंप एक्सरसाइज भी कर सकते हैं। इसमें आप किसी हर्डल को लेकर उसके ऊपर से जंप करें। आप डंबल, बॉक्य या फिर किसी स्टेपर का हर्डल के रुप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इन चीजों को आप उछल कर पार करें। इस एक्सरसाइज से आपकी हार्ट बीट तेज होगी। हार्ट बीट तेज होने से आपका दिल मजबूत बनेगा।

बर्पी एक्सरसाइज करें

बर्पी एक्सरसाइज आपकी बाजुओं , टांगों और छाती के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इस एक्सरसाइज में स्क्वाट, पुशअप, जंपिंग तीनों चीजें एकसाथ की जाती है। यह तीनों एक्सरसाइज आपको एक सैट में ही करनी पड़ती हैं। इस एक्सरसाइज से आपकी हृदय गति तेज होगी और दिल की धड़कन एकदम नॉर्मल हो जाएगी।

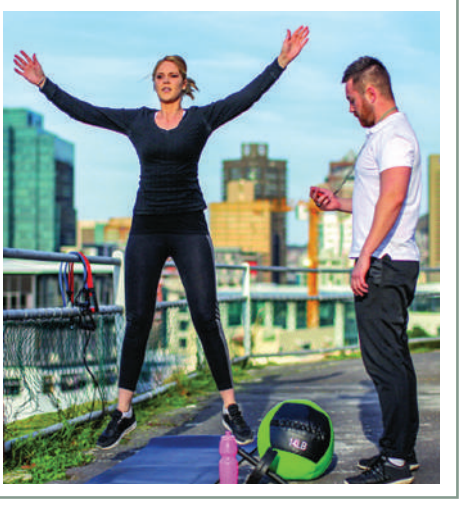

लक्ष्य का पीछा करने में सचिन से विराट को बेहतर मानते हैं सहवाग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि एकदिवसीय में लक्ष्य का पीछा करने में सचिन तेंदुलकर की तुलना में विराट कोहली बेहतर है। तेंदुलकर को दूसरे नंबर पर रखने पर सहवाग ने कहा कि क्रिकेट जगत एकदिवसीय क्रिकेट में कोहली जैसा निरंतरता वाला खिलाड़ी शायद ही दूसरा देख पाएगा। शुरुआत में, वह वह विराट कोहली नहीं थे जो वह आज हैं। उन्होंने अपना समय लिया और बहुत कुछ सीखा। और 2011-12 के बाद, वह बहुत बदल गए हैं। अपनी फिटनेस में और अपनी निरंतरता में उन्होंने अद्भुत पारियां खेली हैं। सहवाग ने ऐसे शीर्ष पांच बल्लेबाजों की सूची में वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल को पांचवें नंबर पर रखा है जबकि एकदिवसीय प्रारूप में गेल के 304 मैचों में 10480 रन हैं। उन्होंने कहा कि गेल एक महान बल्लेबाज

और सलामी बल्लेबाज थे। मुझे याद है कि भारत 2002-03 में वेस्टइंडीज आया था और क्रिस गेल ने 6 मैचों की श्रृंखला में तीन शतक लगाए थे। वह पहले खिलाड़ी थे जिन्हें मैंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा था जो तेज गेंदबाजों के लिए बैकफुट पर आकर छक्के मारते थे। वहीं नंबर 4 स्थान दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को दिया गया, जिन्होंने अपने करियर के दौरान 228 एकदिवसीय मैचों में 9577 रन बनाए। उनके बाद पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक हैं जिन्होंने 350 पारियों में 11739 रन बनाए हैं। सहवाग ने कहा कि नंबर 4 पर एबी डिविलियर्स हैं। वह जिस तरह से खेलते थे वह मुझे बहुत पसंद आया। वह एकमात्र बल्लेबाज हैं जो असंतुलित होकर छक्के मार सकते हैं। नंबर 3 पर इंजमाम-उल-हक हैं। वह एशिया के सर्वश्रेष्ठ वनडे खिलाड़ियों में से एक हैं। इंजमाम नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने आते थे और मैच को नियंत्रित करते थे। इसलिए, मैंने उनसे सीखा कि मैच को अंत तक कैसे ले जाना है।

रिजवान ने हार के लिए बल्लेबाजों और गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया

मुम्बई। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली 60 रनों की करारी हार के लिए अपने बल्लेबाजों और गेंदबाजों को दोष दिया है। इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 320 रन बनाये और मेजबानों को जीत के लिए 321 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए पाक टीम 47.2 ओवर में 260 रन ही बना पायी। रिजवान के अनुसार मैच में उनकी टीम ने दो बार लय खोई जिस वजह से न्यूजीलैंड को उन पर हावी होने का अवसर दिया। रिजवान ने मैच के बाद कहा, "उन्होंने अच्छा लक्ष्य दिया, हमें इसकी उम्मीद नहीं थी। हम 260 के आसपास के स्कोर की उम्मीद कर रहे थे। हमने अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया पर विरोधी टीम ने अच्छा खेला। हम पिच की स्थिति देखते हैं, पहले

पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। वहीं जब विल यंग और लेथम ने साथ मिलकर बल्लेबाजी की तो यह आसान हो गया। अंत में हमने त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल की तरह ही गलती की और उन्होंने अच्छा लक्ष्य बनाया।" 321 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने धीमी शुरुआत दी, उन्होंने इस मैच में 90 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौकों और 1 छक्के की सहायता से केवल 64 रन बनाए। बाबर की इस धीमी पारी की वजह से दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव पड़ा जिस वजह से टीम तेजी से बन बनाने के प्रयास में विकेट गंवाती रही। पाक कप्तान ने कहा, "हमें बल्ले से अच्छी शुरुआत नहीं मिली। हमने दो बार लय खोई, एक बार डेथ ओवरों में गेंदबाजी करते समय और फिर पावरप्ले में बल्लेबाजी करते समय। यह हमारे लिए निराशाजनक है अब हमें अगले मैच में अपनी गलतियों सुधारने पर ध्यान देना होगा।"

पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता : अंतिम चार में पहुंचा विभावि

कीट विश्वविद्यालय भुवनेश्वर में आयोजित हो रही है प्रतियोगिता

वर्ल्ड वाइज न्यूज

हजारीबाग। कीट विश्वविद्यालय भुवनेश्वर में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में विनोबा भावे विश्वविद्यालय का शानदार प्रदर्शन जारी है। विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने लगातार चार मैच जीत कर प्रतियोगिता के अंतिम चार में प्रवेश प्राप्त कर लिया है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के छात्रकल्याण संकायअध्यक्ष डॉ विकास कुमार एवं खेल निदेशक डॉ राखो हरि ने बताया कि इस स्तर में सभी चार विश्वविद्यालय आपस में लीग पद्धति से मैच खेलते हैं। इसी क्रम में अपने लीग के पहले मैच में गुरुवार को विभावि ने पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय पटना को 9 विकेट

आज के मैच के बाद कीट विश्वविद्यालय भुवनेश्वर के मैदान में विनोबा भावे विश्वविद्यालय की टीम

से पराजित किया। विनोबा भावे विश्वविद्यालय टीम की कप्तानी प्रियम कर रहे हैं। स्नातकोत्तर के खेल अनुदेशक उत्तम कुमार ने बताया कि इससे पूर्व विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने आलिया विश्वविद्यालय, कोलकाता, पटना विश्वविद्यालय, पटना एवं उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर को पराजित कर क्वार्टर फाइनल चक्र में प्रवेश प्राप्त किया था। क्वार्टर फाइनल में विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने मगध विश्वविद्यालय को बुरी तरह से पराजित किया। विनोबा भावे विश्वविद्यालय को अब रविंद्र भारती विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल और एलएन मिथिला विश्वविद्यालय, बिहार से अपने अगले दो मैच खेलने हैं। विश्वविद्यालय के शानदार प्रदर्शन पर छात्र कल्याण संकायअध्यक्ष ने कहां की इसका पूरा श्रेय खिलाड़ियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार एवं गिरिडीह कॉलेज की पूरी टीम को जाता है। ज्ञात हो कि इस वर्ष का विभावि अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन गिरिडीह कॉलेज की मेजबानी में हुई थी और यहीं पर विश्वविद्यालय टीम का कैंप भी संचालित हुआ था।

एलएसजी का रुख आईपीए में आक्रामक रहेगा : जहीर

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) टीम के मेंटर जहीर खान ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में लखनऊ सुपरजायंटस के पास बाएं हाथ के कई बल्लेबाज हैं। पिछले साल की मेगा नीलामी के दौरान लखनऊ ने पांच बाएं हाथ के बल्लेबाजों को खरीदा है। इसमें से तीन को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। ऋषभ पंत, निकोलस पूरन और डेविड मिलर शुरुआत में उतरेंगे। साथ ही कहा कि तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के होने से टीम का रुख आक्रामक रहेगा। जहीर के अनुसार इतने बांए हाथ के खिलाड़ी रखना टीम की रणनीति भी हो सकती है। एलएसजी ने इस सत्र के लिए ऋषभ को कप्तान बनाया है। 2016 में दिल्ली डेयरडेविल्स की कप्तानी करने वाले जहीर ने ऋषभ को देखा है और उनके साथ काम किया है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज के अनुसार ऋषभ ऐसे व्यक्ति हैं जो पूरी टीम को प्रेरित कर सकते हैं

और क्रिकेट का एक ऐसा ब्रांड स्थापित कर सकते हैं जिसे एलएसजी खेलना चाहता है। उन्होंने कहा कि सीजन में उस माहौल को बनाने और किसी भी टीम के लिए सफलता के स्तंभ तैयार करने के लिए कप्तान की भूमिका अहम होती है। जिसमें वह सक्षम हैं। जहीर ने कहा, यह सामरिक बढ़त भी हो सकती है। हम इसे इसी तरह से देख रहे हैं। मैंने यह नहीं देखा है कि मैं टीम में कितने बाएं हाथ के खिलाड़ियों को चाहता हूं। जब तक आपके पास संतुलन है, आपके पास टीम में विकल्प हैं और आपके पास सभी विकल्प हैं, तब तक यह ठीक है। जब मैं अपनी टीम को देखता हूं, तो यह एक मजबूत इकाई की तरह दिखती है।

डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया : मांजरेकर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर अपने विवादित बयानों के कारण चर्चाओं में बने रहते हैं। अब उन्होंने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स ने आईपीएल में गलत टीम से खेला था। डिविलियर्स ने शुरुआत में दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए आईपीएल में तीन सत्र खेले थे। वहीं 2011 की आईपीएल मेगा ऑक्शन में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल हुए और 2021 में अपने करियर को अलविदा कहने तक उसकी ओर से ही खेलते रहे। डिविलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 5162 रन बनाए लेकिन कभी टीम को आईपीएल खिताब नहीं जिता पाये। उन्होंने 2011 और 2016 में आरसीबी के साथ आईपीएल फाइनल खेला पर दोनों बार टीम हार गयी। 14 साल के अपने आईपीएल करियर में खिताब न जीतने के बावजूद डिविलियर्स आईपीएल में खेलने वाले सबसे बड़े क्रिकेटरों में से एक हैं। मांजरेकर के अनुसार डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया। मांजरकेर का कहना है कि डिविलियर्स को टॉप आर्डर में आना चाहिए था और उन्होंने यह भी कहा कि एबी ने गलत फ्रेंचाइजी के लिए खेला। रॉयल

चैलेंजर्स बेंगलुरु तीन बार ट्रॉफी के करीब पहुंची, 2009, 2011 और 2016 में, लेकिन वे फाइनल में हार गए। ट्रॉफी के सूखे के बावजूद,आरसीबी अतीत में कई महान बल्लेबाजों का घर रहा है जो मैच विनर से कम नहीं हैं। चाहे वह केएल राहुल हो, शेन वॉटसन हो, क्रिस गेल हो, ब्रेंडन मैकुलम हो या एबी डिविलियर्स, आरसीबी ने हमेशा अपने रैंकों में आक्रामक बल्लेबाजों की विलासिता का आनंद लिया है जो खेल को विपक्ष से दूर ले जा सकते हैं, लेकिन उनका खिताब का सूखा जारी है।

कॉरपोरेट वर्ल्ड

नागरिक उड्डयन मंत्री ने पायलटों के लिए लॉन्च किया 'इलेक्ट्रॉनिक पर्सनल लाइसेंस'

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित उड़ान भवन में पायलटों के लिए इलेक्ट्रॉनिक कार्मिक लाइसेंस (ईपीएल) लॉन्च किया। इसके साथ ही भारत चालक दल के सदस्यों के लिए ईपीएल लागू करने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। चीन पहले ही ऐसी सुविधा लागू कर चुका है। इस अवसर पर के. राममोहन नायडू ने कहा कि भारत पायलट लाइसेंस को डिजिटल बनाने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। अब हमारे पायलट वैश्विक एजेंसियों के लिए सहज वास्तविक समय सत्यापन के साथ ईजीसीए ऐप के माध्यम से किसी भी समय अपने लाइसेंस को सुरक्षित रूप से एक्सेस कर सकते हैं। यह भारतीय विमानन के लिए एक बड़ा बदलाव है। नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से इलेक्ट्रॉनिक कार्मिक लाइसेंस (ईपीएल) का कार्यान्वयन सरकार की व्यापार सुगमता और डिजिटल इंडिया पहल के अनुरूप है। इलेक्ट्रॉनिक कार्मिक लाइसेंस देश में नागर विमानन के आधुनिकीकरण एवं सुरक्षा, संरक्षा और दक्षता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह आधुनिक विमानन प्रशासन के लिए अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) की रूपरेखा के अनुरूप है और भविष्य के लिए तैयार रहने की देश की तत्परता को दर्शाता है। इस अवसर पर नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुअलनम और डीजीसीए के महानिदेशक (डीजी) फैज अहमद किदवई भी उपस्थित रहे।

सोने के भाव में तेजी, चांदी की कीमत में भी उछाल

सोना 86,500 रुपए, चांदी भी लगभग 97,000 रुपए

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा कारोबार में गुरुवार को तेजी देखी जा रही है। गुरुवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ के साथ कारोबार कर रहे हैं। इस समय आज सोने के वायदा भाव 86,500 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 97,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 510 रुपये की तेजी के साथ 86,420 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 578 रुपये की तेजी के साथ 86,488 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 86,488 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 86,411 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने

के वायदा भाव ने इसी महीने 86,592 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 391 रुपये की तेजी के साथ 96,797 रुपये पर खुला। इस समय यह 631 रुपये की तेजी के साथ 97,037 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 97,194 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 96,797 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। पिछले साल चांदी के वायदा भाव ने 1,00081 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने व चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 2,949.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,936.10 डॉलर प्रति औंस था। हालांकि इस समय यह 21.80 डॉलर की तेजी के साथ 2,957.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.15 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.04 डॉलर था। इस समय यह 0.24 डॉलर की तेजी के साथ 33.28 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पंजाब नेशनल बैंक ने खुदरा ऋण दरों में 0.25 फीसदी की कटौती की

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने आवास एवं वाहन लोन सहित खुदरा ऋणों पर ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती करने का ऐलान किया है। इस कटौती के बाद पीएनबी की विभिन्न योजनाओं के तहत अवास लोन की दर घटकर 8.15 फीसदी हो गया है। बैंक की नई दरें 10 फरवरी से प्रभावी हैं। पंजाब नेशनल बैंक ने गुरुवार को जारी एक बयान कहा कि बैंक ने विभिन्न योजनाओं के तहत आवास ऋण की दर संशोधित कर 8.15 फीसदी कर दिया गया है। बैंक ने बताया कि संशोधित दरें आवास ऋण, कार लोन, शिaक्षा एवं व्यक्तिगत ऋण सहित विभिन्न प्रकार के उत्पादों पर लागू होंगी। पीएबनबी ने इससे यह सुनिश्चित होगा कि ग्राहकों को विविध

वित्तपोषण विकल्प मिलते रहेंगे जबकि नई दरें 10 फरवरी, 2025 से प्रभावी हैं। बैंक ने एक बयान में कहा,'' ग्राहक 31, मार्च 2025 तक अग्रिम प्रसंस्करण शुल्क और दस्तावेजीकरण शुल्क की पूरी छूट का लाभ उठा सकते हैं। पारंपरिक आवास ऋण योजना में ब्याज दर 8.15 फीसदी प्रति वर्ष से शुरू होती है, जिसकी मासिक किस्त 744 रुपये प्रति लाख है।'' इसके साथ ही मोटर वाहन लोन की नई तथा पुरानी (दोनों कारों) के वित्तपोषण के लिए ब्याज दर 8.50 फीसदी प्रति वर्ष से शुरू होगी, जिसकी मासिक किस्त 1,240 रुपये प्रति लाख है। उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती करने के अनुरूप आवास सहित खुदरा ऋणों पर ब्याज दर को 0.25 फीसदी घटाया था।

शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत

सेंसेक्स 300 अंक गिरा, निफ्टी 22,900 के नीचे फिसला

मुंबई। वैश्विक बाजारों में मिलेजुले रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को एक बार फिर गिरावट के साथ खुले। तीस शेयरों वाल बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक गिरकर 75,672 पर खुला। निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 22,821 अंक पर लाल निशान में खुला। वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव समेत अमेरिकी फेडरल

रिजर्व की मिनट्स का विश्लेषण और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों के अलावा रूस-यूक्रेन संघर्ष को हल करने में प्रगति और अमेरिका की टैरिफ चिंताओं जैसे कारक आज बाजार की दिशा तय करेंगे। इस बीच, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 1,881.30 करोड़ रुपये की भारतीय इक्विटी बेची, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने कारोबारी सत्र के दौरान 1,957.74 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को मामूली गिरावट में बंद हुए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 28.21 अंक की गिरावट लेकर 75,939.18 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी5012.40 अंक गिरकर 22,932 पर बंद हुआ।

रुपया 19 पैसे की बढ़त के साथ 86.79 डॉलर पर खुला

रुपया पिछले दिन 10 पैसे की गिरावट के साथ 86.98 पर बंद हुआ था

मुंबई। विदेशी मुद्रा की मांग और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 19 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.79 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि घरेलू बाजारों में सुस्त रुझान और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित कर रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय में रुपया 86.88 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद डॉलर के मुकाबले 86.79 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को 10 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.98 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 107 पर रहा।

dainikworldwisenews@gmail.com
वर्ल्ड वाइज न्यूज

संक्षिप्त समाचार

छात्रा से दुर्व्यवहार का मामला, शिक्षक ने मानी गलती, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय खानपुर पकरी खिरिका में एक छात्रा से दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। आरोपी सहायक शिक्षक बलकृष्ण यादव ने घटना को स्वीकार करते हुए स्कूल में छुट्टी पत्र भेज दिया है। शिक्षक ने प्रधानाचार्य को लिखे पत्र में कहा कि वह 12 फरवरी 2025 से विद्यालय में गैरमौजूद रहेंगे। उन्होंने पत्र में छात्रा के साथ की गई अश्लील हरकत को स्वीकार किया है। शिक्षक ने यह भी लिखा कि वह इस कृत्य के लिए शर्मिंदा है और अब विद्यालय नहीं आएंगे। घटना की जानकारी मिलते ही छात्रा के परिजन और ग्रामीण स्कूल पहुंचे। उन्होंने शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। सूचना पर बिदुपुर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अरुण कुमार और जिला शिक्षा विभाग के डीपीएम निशांत किरण मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से पूछताछ की और कार्रवाई का आश्वासन दिया। अभिभावकों ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर स्कूल प्रशासन की जवाबदेही तय करने की मांग उठाई है। स्कूल के कुछ शिक्षकों ने मामले में मध्यस्थता का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने इसका विरोध किया।

वैशाली के कौनहारा घाट को मिलेंगी नई सुविधाएं, चेंजिंग रूम, वेंडिंग जोन बनाने का आदेश

हाजीपुर। हाजीपुर के ऐतिहासिक कौनहारा घाट का कायाकल्प होने जा रहा है। जिलाधिकारी यशपाल मीणा ने घाट का दौरा कर स्थानीय लोगों से सीधा संवाद किया। उन्होंने कई नई सुविधाओं को जोड़ने का निर्णय लिया।वैशाली जिले के लोगों की मांग पर जिलाधिकारी ने चेंजिंग रूम के निर्माण के तत्काल आदेश दिए। घाट पर एक व्यवस्थित वेंडिंग जोन भी बनाया जाएगा। इससे छोटे दुकानदारों को निश्चित जगह मिलेगी। साथ ही लोगों का आवागमन भी आसान होगा। कौनहारा घाट की समृद्ध विरासत को संजोने के लिए डिजिटल डिस्प्ले स्क्रीन लगाई जाएगी। यह स्क्रीन घाट के पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी प्रदर्शित करेगी। इस पर अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएं भी दी जाएंगी। जिलाधिकारी ने घाट पर उचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नियमित सफाई व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। स्थानीय लोगों ने इन निर्णयों पर प्रसन्नता जताई। इस मौके पर सूचना एवं जन संपर्क पदाधिकारी नीरज और सिटी मैनेजर अभय निराला समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

बैंक से पैसे निकाल लौट रहे शिक्षक से लूट, वैशाली में हथियार के बल 3 लाख रुपए लूटे, जांच में जुटी पुलिस

हाजीपुर। वैशाली में दिनदहाड़े लूट की वारदात सामने आई है। जहां स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की हाजीपुर शाखा से तीन लाख रुपए निकालकर लौट रहे एक शिक्षक से बाइक सवार बदमाशों ने 3 लाख रुपए लूट लिए। घटना कुशहर चौक से करीब 100 मीटर आगे पातेपुर रोड की है। जहां कबाड़ी दुकान के पास बदमाशों ने उन्हें रोका। फिर हथियार दिखाकर उनसे पैसों से भरा थैला छीन लिया। बदमाश पातेपुर की तरफ फरार हो गए। पीड़ित की पहचान महुआ थाना क्षेत्र के खिरचक गांव निवासी शिक्षक चतुर्भुज दास के रूप में हुई है। घटना की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। महुआ थाने की पुलिस को सूचना दी गई। थाना अध्यक्ष सुभाष प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पीड़ित शिक्षक का बयान दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने इलाके में नाकेबंदी कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से बदमाशों की पहचान की जा रही है।

परीक्षा के तीसरे दिन संस्कृत, भोजपुरी एवं हिंदी की परीक्षा में 56,041 परीक्षार्थी हुए शामिल

हाजीपुर। हाजीपुर बुधवार को मैट्रिक परीक्षा के तीसरे दिन कादाचार मुक्त परीक्षा असर तीनो अनुमंडल हाजीपुर, महुआ व महनार के परीक्षा केंद्रों पर देखने को मिला। जिला प्रशासन की सख्ती की वजह से जिले के 70 केंद्रों पर कुल 1100 परीक्षार्थी अनुपस्थित हो गए वही कदाचार के मामले में महुआ के मिडिल स्कूल प्रेमराज से एक परीक्षार्थी को निष्काषित कर दिया गया। परीक्षा के तीसरे दिन दोनों पाली में भारतीय भाषा के अंतर्गत संस्कृत, अरबी, फारसी, भोजपुरी एवं हिंदी की परीक्षा हुई। जिले के सभी केंद्रों पर दोनों पाली के लिए कुल आवंटित 57,141 में 56,041 परीक्षार्थी शामिल हुए। हाजीपुर अनुमंडल में दोनों पाली में कुल आवंटित 28,134 में 27,607, महनार में कुल आवंटित 10,556 में 10327 एवं महुआ में कुल आवंटित 18,451 परीक्षार्थियों में 18,107 परीक्षार्थी शामिल हुए। जिले के तीन अनुमंडल में चल रहे मैट्रिक परीक्षा शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त संचालन के लिए जिला प्रशासन, पुलिस बल और शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों को लगाया गया है। परीक्षा केंद्रों पर उड़दस्ता टीम को इस तरह से रुड चार्ट उपलब्ध कराया गया था, कि पदाधिकारी की एक गाड़ी निकलती की दूसरी केंद्र पर पहुंच जाती। जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग के अधिकारी एक केंद्र से दूसरे केंद्र की लगातार निरीक्षण में जुटे रहे। परीक्षा केंद्र पर प्रशासन के रुख को देखते हुए परीक्षार्थी कदाचार से बचने के भी कोशिश लगातार कर रहे हैं। परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थियो ने बताया कि केंद्र के मुख्य गेट पर तीन स्तर पर गहन जांच की गई। जांच के दौरान विशेष रुप से इलेक्ट्रॉनिक गजट पर विशेष निगरानी रखी जा रही थी। इस दौरान कादाचार न करने व अन्य निर्देश लगाता प्रसारित किया गया। हाजीपुर अनुमंडल क्षेत्र में 527, महनार में 229 एवं महुआ में 344 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। हाजीपुर अनुमंडल क्षेत्र में कुल 36 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण परीक्षा संचालित की गई।

पटना में स्ट्रीट वेंडरों का प्रदर्शन

एजेंसी, पटना

♦ तारामंडल के पास से दुकानों को प्रशासन ने हटाया, विरोध में सड़क पर उतरे दुकानदार

पटना में स्ट्रीट वेंडरों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। तारामंडल के पास से दुकान हटाने के विरोध में वेंडरों ने जमकर प्रदर्शन किया। इस मार्केट में करीब 81 दुकानें थी। निर्माण कार्य के चलते सभी को यहां से हटा दिया गया है। जिससे दुकानदारों में नाराजगी है।

असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है: दुकानदार शिव शंकर चौधरी ने बताया कि पिछले 2 साल से इसी जगह पर अपनी दुकान लगाते थे। मौर्या लोक से दुकानें हटाकर तारामंडल के पास गली में हमलोगों को जगह दी गई थी। अब हमें यहां से हटा दिया गया है। पटना म्यूजियम के पास लाइसेंसधारी 42 वेंडर्स को जगह दी गई है। लेकिन यह जगह सुरक्षित नहीं है। असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है।

दुकानदारों की मुख्य मांग: दुकानदारों का कहना है कि मौर्या लोक कैंपस में ही हमलोगों को जगह दी जाए। पहले भी हमलोग यहीं अपना धंधा करते थे। बिना उचित व्यवस्था के हटा दिया गया है। नगर निगम टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक बुलाकर समस्या का समाधान निकालना चाहिए।

सड़क पर लगता था जाम: तारामंडल के पास गली में बीच सड़क पर दुकानें सजती थी। जिसके चलते शाम के समय कोतवाली से इनकम टैक्स चौराहे तक जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

कभी-काभी रास्ता भी ब्लॉक हो जाता है। स्ट्रीट फूड के शौकीन ज्यादतर इसी जगह पर आते हैं। दोपहर 2 बजे से लेकर रात 11:30 तक यहां लोगों की भीड़ लगी रहती है। कुछ दिन पहले बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल ने भी इसी जगह लिट्टी-चोखा का लुफ्त उठाया था।

बता दें, वर्ष 2019 में तत्कालीन नगर आयुक्त ने निर्माण कार्य को लेकर वेंडर्स को उचित स्थान देने का आश्वासन दिया था। 3 अगस्त 2023 को वेंडिंग कमेटी TVC की बैठक में खाउ गली को हैप्पी स्ट्रीट जोन की मान्यता दी गई थी।

छड़ भेजने का झांसा देकर कारोबारी से साइबर फ्रॉड ने 16.53 लाख ठगे

एजेंसी, पटना

लोहे का छड़ भेजने का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने कारोबारी नरेंद्र कुमार विद्यार्थी से 16 लाख 53 हजार 749 रुपए की ठगी कर ली। नरेंद्र रामकृष्णानगर में रहते हैं। उन्होंने साइबर थाने में केस दर्ज करा दिया। कारोबारी ने छड़ के लिए ऑनलाइन बुकिंग कराई थी। इसके बाद कोटेशन भेजा। फिर कारोबारी ने ऑनलाइन रकम भी दे दी। शातिर ने कहा कि रकम मिल गई है। छड़ भेज दिया गया है। दो दिन में मिल जाएगा। तीन दिन बाद भी जब छड़ नहीं आया तो शक हुआ। इसके बाद उन्हें कहीं से बोकारो स्थित प्लांट के एक अधिकारी का नंबर मिला। नरेंद्र ने उन्हें कॉल करने के बाद उन्हें कागजात भेजा तो अधिकारी ने कहा कि ऐसा कोई कोटेशन मिला ही नहीं है। आपके साथ धोखा हुआ है। तब उन्हें पता चला और फिर केस दर्ज करा दिया। केस दर्ज होने के बाद साइबर थाने की पुलिस मामले की छानबीन करने में जुटी है।

फर्जी ट्रांजेक्शन का मैसेज भेज 75 हजार उड़ाए: इंद्रपुरी रोड नंबर जीरो के रहने वाली गायत्री कुमारी ने साइबर थाने में 75 हजार की ठगी का केस दर्ज करवाया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि पिताजी के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने कहा कि आपकी बेटी का ननदोई बोल रहा हूं। अस्पताल में एक करीबी का इलाज चल रहा है। इमरजेंसी आ गई है। मेरे मोबाइल से अस्पताल प्रबंधन को एक लाख रुपए ऑनलाइन नहीं जा रहा है। मैं आपके खाते में एक लाख भेज रहा हूं। साथ ही उन्हें अस्पताल का खाता नंबर भी दिया। आप अस्पताल के खाते में भेज दीजिए। इसके बाद पिताजी ने मुझसे कहकर खाता में कई बार में 75 हजार रुपए ट्रांसफर करवा दिया। जब पिताजी ने खाता की जांच की तो पता चला कि एक लाख आया ही नहीं था।

महाकुंभ से लौटे टोला सेवक की संदिग्ध हालत में मौत

एजेंसी, पटना

♦ पटना में झाड़ियों में मिली लाश, पत्नी घर पहुंची, पति 3 दिन से था लापता

पटना के नौबतपुर थाना क्षेत्र में एक टोला सेवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मृतक की पहचान जहानाबाद के ओखरी निवासी दिलीप कुमार (40) के रूप में हुई है। दिलीप कुमार अपनी पत्नी के साथ महाकुंभ स्नान करने गए थे। 16 फरवरी को वह पटना के नौबतपुर पहुंचे। दिलीप की पत्नी उसी दिन घर लौट गईं, लेकिन दिलीप वापस नहीं आए। 19 फरवरी की शाम को नौबतपुर थाना क्षेत्र के बालाजी मुसहरी के पास झाड़ियों में उनका शव मिला। फुलवारी शरीफ के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी दीपक कुमार के अनुसार, पुलिस ने मृतक के पैंट की जेब से एक कागज बरामद किया।

एफएसएल की टीम ने भी की जांच: उनकी पहचान लोथू मांझी के पुत्र दिलीप कुमार के रूप में हुई है। पुलिस एफएसएल टीम की मदद से मौत के कारणों की जांच कर रही है। जहरीली शराब से मौत की संभावना भी खंगाली जा रही है। पुलिस परिवार के सदस्यों से संपर्क कर घटना की जानकारी जुटा रही है। मामले की हर दिशा में गहन जांच की जा रही है।

इंटर का रिजल्ट मार्च के अंतिम सप्ताह में आएगा, अप्रैल के पहले हफ्ते में मैट्रिक परीक्षा का परिणाम

एजेंसी, पटना

♦ आनंद किशोर बोले- JEE मेंस 2025 में शानदार प्रदर्शन रहा

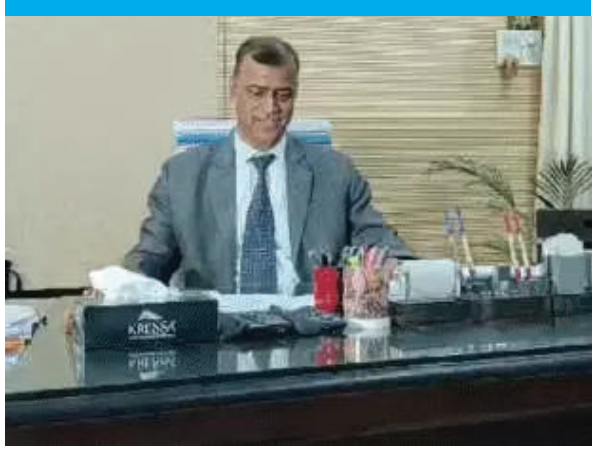

BSEB के चेयरमैन आनंद किशोर ने गुरुवार को कहा है कि इंटर की परीक्षा का रिजल्ट मार्च के अंतिम सप्ताह में आएगा। जबकि, मैट्रिक परीक्षा के परिणाम अप्रैल के पहले हफ्ते में जारी होगा। उन्होंने कहा कि इंटर में 12 लाख और मेट्रिक में 15.85 लाख छात्र ने फॉर्म भरा था।

जेईई मेंस में बिहार बोर्ड के बच्चों का रिजल्ट बढ़िया रहा: दरअसल, बिहार बोर्ड की ओर से IIT JEE की तैयारी के लिए संचालित होने वाली निःशुल्क कोचिंग 'BSEB Super 50' के पहले बैच (सत्र 2023-25) के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। JEE Mains 2025 (Session 1) में अच्छा रिजल्ट आया है। इसको लेकर आनंद किशोर ने कहा कि पहले बैच जेईई मेंस का रिजल्ट जारी हुआ है। इसमें बिहार बोर्ड के बच्चे का रिजल्ट काफी अच्छा रहा है। 2023 में सीएम ने इसकी निशुल्क व्यवस्था शुरू की गई थी। इस साल 99 परसेंट से ऊपर 4 विद्यार्थी का स्कोर आया है। 23 छात्रों ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। जबकि, 39 विद्यार्थी को 90 प्रतिशत अंक प्राप्त हुआ है।

फेल नियोजित शिक्षकों को भी मौका मिलेगा: वहीं, सक्षमता परीक्षा के तीसरे चरण को लेकर चेयरमैन ने कहा कि फॉर्म भरने की तिथि 22 फरवरी से 12 मार्च है। 61 विषयों के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी। मई और जून महीने में परीक्षा का आयोजन होगा।

5 बार सक्षमता परीक्षा का मिला है मौका: बिहार सरकार ने राज्य के करीब पौने चार लाख नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देने के लिए पांच बार सक्षमता परीक्षा का मौका देने का ऐलान किया था। दो बार की सक्षमता परीक्षा हो चुकी है।सक्षमता परीक्षा पास नियोजित शिक्षकों को सरकारी कर्मी का दर्जा मिलेगा। इसके बाद ये सभी शिक्षक विशिष्ट शिक्षक कहलाएंगे। इन्हें BPSC से बहाल शिक्षकों की तर्ज पर वेतनमान और अन्य सुविधाएं मिलेंगी। पहले चरण की सक्षमता परीक्षा में 1.87 लाख टीचर पास हुए थे, जबकि दूसरे चरण में 65716 शिक्षक पास हुए हैं।

अंडर ग्राउंड सब-वे के लिए करना होगा अभी इंतजार पटना जंक्शन पर 3 महीने बाद मिल सकती है सुविधा

♦ 440 मीटर लंबे सब-वे का काम अभी अधूरा

एजेंसी, पटना

बिहार के पहले अंडरग्राउंड सब-वे की सुविधा के लिए लोगों को अभी इंतजार करना होगा। पटना जंक्शन के सामने बन रहे 440 मीटर लंबे सब-वे का काम अभी अधूरा है। ट्रैवेलेटर लगाने से लेकर भूमिगत हिस्से में कई काम अभी पूरे नहीं हुए हैं। यह सब-वे जीपीओ गोलंबर के पास बने मल्टी मॉडल हब से जुड़ेगा। जब तक सब-वे बनकर तैयार नहीं हो जाता, तब तक मल्टी मॉडल हब चालू नहीं किया जा सकता है। प्रशासन ने 21 फरवरी को सीएम के प्रस्तावित प्रगति यात्रा से इन दोनों ही प्रोजेक्ट को हटा लिया है। अब सब-वे और मल्टी मॉडल हब करीब तीन महीने बाद शुरू हो सकती है।

सब-वे जुड़ेगा मल्टी मॉडल हब: पटना जंक्शन के सामने बन रहे सब-वे को लेकर कई फीचर्स पर काम बाकी है। सब-वे जीपीओ गोलंबर के पास बने मल्टी मॉडल हब तक जाएगी। इससे रेल यात्रियों के साथ ही महावीर मंदिर में श्रद्धालुओं के आवागमन में बड़ी सहुलियत होगी। सब-वे की कुल लम्बाई 440 मीटर एवं चौड़ाई 7.00 मीटर है। सब-वे में चार ट्रेबलेटर है, जिसकी क्रमशः लंबाई 18 मीटर, 30 मीटर, 45 मीटर एवं 55 मीटर है। साथ ही इसमें तीन प्रवेश व निकास की सुविधा उपलब्ध होगी।

मल्टी मॉडल हब क्या है: पटना जंक्शन के सामने एक 440 मीटर लंबा अंडरग्राउंड सबवे और इसके ऊपर तीन मंजिला मल्टीलेवल पार्किंग बनाई गई है। इसमें रेस्टोरेंट, एटीएम से लेकर दुकानें तक हैं। इसे ही मल्टी मॉडल हब नाम दिया गया है।

लालू के करीबी विधायक बोले- नीतीश हमारे साथ आने वाले हैं

एजेंसी, पटना

♦ पत्रकारों ने भाई वीरेंद्र से पूछा था- वो दिल्ली CM की शपथ ग्रहण में नहीं गए

लालू यादव के करीबी और मनेर से RJD विधायक भाई वीरेंद्र ने CM नीतीश कुमार को लेकर फिर बड़ा बयान दिया है। पत्रकारों ने उनसे नीतीश के दिल्ली के CM की शपथ ग्रहण में नहीं जाने को लेकर सवाल किया था। जवाब में उन्होंने कहा कि 'वहां क्यों जाएंगे। नीतीश कुमार तो हमारे साथ आने वाले हैं।' गुरुवार को पटना के मनेर में सनशाइन रेसिडेंशियल पब्लिक स्कूल के कार्यक्रम में भाई वीरेंद्र ने ये बयान दिया है।

राजनीति में कोई भी परमानेंट दोस्त और दुश्मन नहीं: इससे पहले 26 दिसंबर 2024 को भाई वीरेंद्र ने खगड़िया में कहा था, 'राजनीति में कोई भी परमानेंट दोस्त और दुश्मन नहीं होता। हो सकता है बिहार में फिर से खेला हो जाए। खेला होता रहा है, आगे भी होगा देखते रहिए। अगर नीतीश कुमार सांप्रदायिक शक्तियों को छोड़कर आएंगे तो हम स्वागत करेंगे। उनका भी मन सांप्रदायिक शक्तियों के साथ रहकर भर चुका है। राजनीति में कुछ भी संभव है।'

BJP बोली- सपने देख रहे RJD नेता: भाई वीरेंद्र के बयान पर बीजेपी प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा कि 'इंडी गठबंधन नेता विहीन, नीति विहीन और संस्कार विहीन हैं। जैसे एक प्रजाति के पशु की जीभ लपलपाती है, वैसे बिहार का CM बनने के लिए उनकी जीभ लपलपा रही है। मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखने से कुछ नहीं होने वाला है। नीतीश कुमार बिहार NDA के नेता हैं और आगे भी रहेंगे।'

लालू भी नीतीश को दे चुके हैं वापस आने का ऑफर: 1 जनवरी 2025 को लालू यादव ने भी नीतीश को RJD में आने का ऑफर दिया था। उन्होंने कहा था कि 'नीतीश कुमार के लिए हमारे दरवाजे तो खुले ही हैं। नीतीश को भी खोलकर रखना चाहिए। नीतीश अगर आते हैं तो साथ क्यों नहीं लेंगे, ले लेंगे साथ। वो साथ आएं, मिलकर काम करें। हमेशा भाग जाते हैं, हम माफ कर देंगे।' इसके बाद आज ही राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के शपथ ग्रहण समारोह में तेजस्वी यादव और सीएम नीतीश कुमार आमने-सामने हुए। तेजस्वी ने मीडिया से कहा- ही इज टायर्ड, वे अब थक चुके हैं।

तेजस्वी बोले- उनका इस साल जाना तय: लालू के बयान पर तेजस्वी यादव ने कहा था 'मीडिया के सवालों को टालने के लिए राजद सुप्रीमो ने ऐसा कहा था। मैं पहले ही साफ कर चुका हूं कि नीतीश के लिए हमारे दरवाजे बंद हैं।' नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नए साल पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई दी, लेकिन ये दावा भी किया कि इस साल नीतीश सरकार की विदाई तय है। तेजस्वी ने कहा, 'ठंडा है भुजा खाएं मजा लीजिए, हमारे चाचा नीतीश कुमार को हम नए साल की शुभकामनाएं देते हैं, और इनका यह अलविदा वाला साल है और इनका जाना तय है।' तेजस्वी ने कहा- खेत में 20 साल से एक ही ब्रांड का बीज अगर डालेंगे तो खेत और फसल दोनों बर्बाद होगी। इसलिए अब समय आ गया है, कि नए ब्रांड का नया बीज डाला जाए।'

पटना जंक्शन पर महाकुंभ जाने वाले यात्रियों की भीड़

एजेंसी, पटना

♦ पटना से प्रयागराज जाने वाली रूट पर चलने वाली ट्रेनों पर पैर रखने की जगह नहीं बच रही
♦ पटना जंक्शन पर बिना टिकट के किसी को अंदर नहीं आने दिया गया

ट्रेन के 2 बोगी के बीच कपलिंग पर लटके युवा, फुटओवर ब्रिज पर खचाखच भरे लोग

पटना जंक्शन समेत दानापुर, पाटलिपुत्र और राजेंद्र नगर टर्मिनल पर महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ कम नहीं हो रही है। पटना से प्रयागराज जाने वाली रूट पर चलने वाली ट्रेनों पर पैर रखने की जगह नहीं बच रही। बुधवार को भी ट्रेनों में भीड़ देखी गई। पटना जंक्शन पर बिना टिकट के किसी को अंदर नहीं आने दिया गया। इसके बावजूद जंक्शन के सभी फुटओवर ब्रिज पूरे तरह यात्रियों से भरे पड़े हैं। ट्रेन के दो बोगियों के बीच कपलिंग पर लटककर युवा यात्रा कर रहे हैं। साथ ही प्लेटफार्म पर तैनात आरपीएफ के जवान यात्रियों को ट्रेन में सुरक्षा के साथ चढ़ाते दिखे। भीड़ को संभालते दिखे। ट्रेन के मेन गेट पर चढ़ने के लिए यात्री धक्का-मुक्की न करें, इसका खास ख्याल रखा जा रहा है।

प्रयागराज जाने वाली या उस रास्ते को चलने वाली ट्रेनें जिस प्लेटफार्म पर से खुल रही, वहां लोगों का भयंकर हुजूम है। लोग एक दूसरे के ऊपर चढ़कर ट्रेन में घुसते दिखे। महिलाएं और बुजुर्गों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्री किसी तरह प्रयागराज की ओर चल देना चाहते हैं। उस ओर जाने वाली सभी ट्रेनें फूल चल रही है। लोग दो बोगियों के बीच में चढ़ने लगे। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस अधिकारी और जवानों को तीन शिफ्ट में तैनात किया गया था। पटना जंक्शन पर आरपीएफ, जीआरपी और एसडीआरएफ और बिहार पुलिस के 120 अतिरिक्त फोर्स की तैनाती हुई है।

स्टेशन के आस-पास थानों के SHO को भी पेट्रोलिंग करानी होगी: रेलवे और जिला प्रशासन को विधि व्यवस्था में किसी तरह की कोताही नहीं बरतने का आदेश दिया गया है। स्टेशनों पर तैनात कर्मी को निर्देश दिया गया है कि ड्यूटी समाप्त होने के बाद जिला नियंत्रण कक्ष को खैरियत प्रतिवेदन देना है। साथ ही स्टेशन से संबंधित थानाध्यक्ष को भी ट्रेनों के आने-जाने पर फोर्स के साथ स्टेशन और उसके परिसर में पेट्रोलिंग करना है। पटना स्टेशन पर बिना टिकट के प्रवेश पर रोक लगा दिया गया है। इसके बावजूद भी कुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ स्टेशन पर पहुंच रही है।

क्विक मेडिकल टीम की भी रहेगी तैनाती: स्टेशन के बाहर लगने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पटना के ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने रेलवे स्टेशनों और उसके आसपास ट्रैफिक स्मूथ रखने का आदेश दिया है। रेलवे स्टेशन के आसपास के इलाके को अतिक्रमण मुक्त रखा जाएगा। साथ ही सिविल सर्जन को एम्बुलेंस के साथ क्विक मेडिकल टीम को रखने का निर्देश मिला है।

संक्षिप्त समाचार

पोलियो एस्कॉर्ट की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को पोलियो टीका लगाने वालों की सुरक्षा में तैनात (एस्कॉर्ट) पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार अज्ञात बंदूकधारियों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे बाजौर जिले के मामुंड तहसील के दमादोला इलाके में पोलियो टीका लगाने वालों को निशाना बनाया। टीका लगाने वालों की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी की हत्या कर आरोपी फायरिंग करते हुए मौके से भाग गए। पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई।

सिंगापुर में मृत्युदंड के विरोध में कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर और मलयेशिया में अधिकार कार्यकर्ताओं ने मृत्युदंड के विरोध में बुधवार को मोमबत्ती जलाकर जुलूस निकाला। वे सिंगापुर में मादक पदार्थों की तस्करी के लिए एक मलयेशियाई व्यक्ति को फांसी देने की तैयारी का विरोध कर रहे हैं। पन्नीर सेल्वम प्रांतमन को 2014 में 52 ग्राम (लगभग 1.8 औंस) हेरोइन रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और 2017 में मौत की सजा सुनाई गई थी। उसे बृहस्पतिवार को फांसी दी जानी है।

ट्रंप स्वतंत्र नियामकों पर अधिक नियंत्रण चाहते हैं, नया कार्यकारी आदेश जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश के स्वतंत्र नियामकों पर अधिक नियंत्रण चाहते हैं। उन्होंने मंगलवार को जिस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, इसका मकसद प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग, संघीय व्यापार आयोग और संघीय संचार आयोग जैसे स्वतंत्र संघीय नियामकों का सीधा नियंत्रण व्हाइट हाउस को देना है। आदेश प्रभावी होने के साथ ही राष्ट्रपति को वित्तीय प्रणाली की निगरानी को आकार देने तथा परिवहन सुरक्षा, बुनियादी उपभोक्ता संरक्षण और वायरलेस, प्रसारण, उपग्रह और ब्रॉडबैंड संचार के लिए मानदंड निर्धारित करने की अधिक शक्तियां मिल जाएंगी।

नीदरलैंड नाइजीरिया को लौटाएगा 100 से अधिक कलाकृतियां

एम्सटर्डम, एजेंसी। यूरोपीय देश नीदरलैंड ने पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजीरिया को 119 कलाकृतियों का संग्रह लौटाने का वादा किया है। बेनिन ब्रॉन्ज़ के नाम से जानी जाने वाली ये कलाकृतियाँ, जो ज़्यादातर लीडेन के एक संग्रहालय में रखी गई हैं। 19वीं सदी के आखिर में ब्रिटिश सैनिकों ने आज के नाइजीरिया से इन कलाकृतियों को लूटा था। नाइजीरिया के राष्ट्रीय संग्रहालय और स्मारक आयोग के अनुरोध पर उन्हें वापस कर दिया जाएगा। कलाकृतियों में मानव और पशु आकृतियां, पट्टिकाएं, शाही चिह्न और एक घंटी शामिल हैं। यह घटनाक्रम इसलिए भी अहम है क्योंकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका में सरकारें और संग्रहालय औपनिवेशिक काल के दौरान लूटी गई वस्तुओं के स्वामित्व संबंधी विवादों को सुलझाने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

एलन मस्क के 13 बच्चों के नाम पढ़कर हो जाएंगे हैरान, आप भी पूछेंगे- नाम है या पासवर्ड?

वाशिंगटन, एजेंसी। एलन मस्क अपने काम के अलावा अपनी पर्सनल जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। फिलहाल वो अपने 13 बच्चों को लेकर चर्चा में है, उनके बच्चे के नाम भी अनोखे हैं, जिसे सुन आप हैरान हो जाएंगे। अब आपको उनके बच्चों के नाम उनकी पत्नी और परिवार के बारे में विस्तार से बताते हैं। उनकी पहली पत्नी जस्टिन विल्सन से छह बच्चे हैं, पूर्व प्रेमिका ग्रिम्स से तीन, न्यूरालिंक की कार्यकारी शिवोन जिलिस से दो और रिपोर्ट के अनुसार, लेखिका एशले सेंट क्लेयर से एक बच्चा है। एलन मस्क और कनाडाई लेखिका जस्टिन विल्सन ने जनवरी 2000 में शादी की और 2002 में उनके बेटे नेवादा अलेक्जेंडर मस्क का जन्म हुआ। लेकिन नेवादा की मृत्यु 10 हफ्ते की उम्र में अचानक शिशु मृत्यु सिंड्रोम (एसआईडीएस) से हो गई। एलन मस्क के सबसे बड़े बच्चे की उम्र 20 साल है।

तानाशाह है जेलेंस्की, बात मान लो नहीं तो देश भी नहीं बचेगा; ट्रंप की खुली धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर जेलेंस्की को तानाशाह कहा है। ट्रंप ने जेलेंस्की पर ही रूस-यूक्रेन युद्ध को भड़काने का आरोप लगा दिया। इतना ही नहीं, पहली बार ट्रंप ने खुलेआम यूक्रेनी राष्ट्रपति के लिए तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें एक मामूली कॉमेडियन करार दिया।

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा, जरा सोचिए, एक मामूली रूप से सफल कॉमेडियन वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका से 350 अरब डॉलर खर्च करवा दिए, वो भी एक ऐसे युद्ध में जो कभी नहीं होना चाहिए था और जिसे जीता नहीं जा सकता। अगर अमेरिका और ट्रंप न होते, तो जेलेंस्की कभी इसे सुलझा नहीं पाएंगे। अमेरिका ने यूरोप से 200 अरब डॉलर अधिक खर्च किए हैं, लेकिन हमें कुछ नहीं मिलने वाला है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो

बाइडन पर निशाना साधते हुए कहा कि वे सोते रहे और उन्होंने यूरोप से पैसों के खर्च को लेकर बराबरी की बात नहीं की। ट्रंप ने कहा, यह युद्ध यूरोप के लिए हमसे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है, हमारे पास एक बड़ा, सुंदर महासागर है जो हमें (रूस से) अलग करता है।

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि जेलेंस्की ने खुद माना है कि अमेरिका से मिली आर्थिक मदद का आधा हिस्सा गायब हो गया है। उन्होंने जेलेंस्की पर चुनाव न कराने का आरोप भी लगाया और कहा कि वह यूक्रेन में बेहद अलोकप्रिय हो गए हैं। ट्रंप ने लिखा, उन्होंने चुनाव कराने से मना कर दिया, यूक्रेनी पोल में उनका प्रदर्शन बहुत कम रहा, और एकमात्र चीज जिसमें वे अच्छे थे, वह- बाइडन को बाजे की तरह बजाना। जेलेंस्की एक तानाशाह हैं जो चुनाव कराने से इनकार कर रहे हैं। उन्हें जल्द कदम उठाने होंगे, वरना उनके पास देश ही नहीं बचेगा।

ट्रंप ने आगे लिखा, इस बीच, हम रूस के साथ युद्ध को समाप्त करने के लिए सफलतापूर्वक बातचीत कर रहे हैं। यह कुछ ऐसा है जिसे सभी मानते हैं कि केवल ट्रंप और ट्रंप प्रशासन ही कर सकता है। बाइडन ने कभी प्रयास नहीं किया, यूरोप शांति लाने में विफल रहा है, और जेलेंस्की शायद बिना कुछ किए पैसे कमाना जारी रखना चाहते हैं। मैं यूक्रेन से प्यार करता हूं, लेकिन जेलेंस्की ने बहुत बुरा काम किया है, उनका देश बिखर गया है, और लाखों लोग बेवजह मारे गए हैं - और यह जारी है। इससे पहले कीव में पत्रकारों से बात करते हुए जेलेंस्की ने ट्रंप की बातों को खारिज कर दिया और कहा कि वह गलत जानकारी के प्रभाव में हैं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, राष्ट्रपति ट्रंप रूसी दुष्प्रचार के प्रभाव में हैं। अमेरिकी जनता ने हमेशा हमारा समर्थन किया है और हम इसकी सराहना करते हैं। लेकिन युद्ध को खत्म करने के लिए यूक्रेन की भागीदारी जरूरी है। ट्रंप पहले भी रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर विवादित बयान दे चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि यह युद्ध जल्द से जल्द खत्म होना चाहिए, भले ही इसके लिए यूक्रेन को अपनी जमीन से समझौता क्यों न करना पड़े।

ग्रीस में किसानों ने ट्रैक्टरों से यातायात किया अवरुद्ध , पुलिस के साथ हाथापाई की

ग्रीस , एजेंसी। यूनान के दूसरे सबसे बड़े शहर तेसालोनिकी में बुधवार देर रात प्रदर्शनकारी किसानों की पुलिस के साथ झड़प हो गई। इससे पहले उन्होंने उस स्थान के पास सुरक्षा घेरा तोड़ने का प्रयास किया, जहां प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस भाषण दे रहे थे।इस घटना में किसी के घायल होने या गिरफ्तारी की तत्काल कोई खबर नहीं है। मध्य यूनान से 1,000 से अधिक प्रदर्शनकारी लगभग 50 ट्रैक्टरों के काफिले के साथ उत्तरी शहर पहुंचे। काले झंडे दिखाते हुए किसानों ने आपातकालीन लाइटें जलाकर रात को रैली के दौरान तेसालोनिकी में मुख्य सड़कों को अपने ट्रैक्टरों से अवरुद्ध किया। हाल के महीनों में पूरे यूरोप में किसानों ने इसी तरह की शिकायतें और प्रदर्शन किए हैं। यूनान में कृषि संघ कई हफ्तों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसमें जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले फसल नुकसान सहित विभिन्न मुद्दों पर सरकार से समर्थन की मांग की गई है। मध्य यूनान के तेसली में आंदोलन ने गति पकड़ ली है, जहां किसान अब भी 2023 के आखिर में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद के विषम हालात से जूझ रहे हैं।

अमेरिका में एक और प्लेन क्रैश से हड़कंप: अचानक हवा में टकराए प्लेन और बन गए आग के गोले, राख बन कर गिरे

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के एरिजोना में बुधवार को एक और भयानक विमान हादसा हुआ, जहां दो विमानों की हवा में टक्कर हो गई। आपस में टकराते ही विमान आग के गोलेबन गए और राख के ढेर में नीचेआ गिरे। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना टक्सन के उत्तर-पश्चिम में स्थित माराना रीजनल एयरपोर्ट पर हुई जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।यह हादसा टक्सन शहर के उत्तर-पश्चिम में हुआ। सेसना विमान सुरक्षित उतर गया, जबकि लैंसेयर विमान ज़मीन से टकराने के बाद उसमें आग लग गई।

मराना पुलिस विभाग ने इस हादसे में दो लोगों की मौत की पुष्टि की है। हालांकि, विमान में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी नहीं दी गई है। हादसे के कारण मराना रीजनल एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। मराना एयरपोर्ट के अधीक्षक गैलेन बीम ने कहा, हम इस हादसे से प्रभावित सभी लोगों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। यह एक अप्रत्याशित घटना है और हम मराना पुलिस और फायर डिपार्टमेंट के त्वरित प्रतिक्रिया के लिए आभारी हैं।

संघीय विमानन प्रशासन के अनुसार, मराना रीजनल एयरपोर्ट एक अनियंत्रित हवाई क्षेत्र है, जहां कोई एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर नहीं होता। ऐसे एयरपोर्ट पर पायलट सामान्यतः कॉमन ट्रैफिक एडवायजरी फ्रिक्वेंसी का उपयोग करके अन्य पायलटों को अपनी स्थिति की जानकारी देते हैं। हड्सस्क

और स्न के अधिकारी इस हादसे की जांच कर रहे हैं। हड्सस्कका एक जांचकर्ता गुरुवार सुबह मौके पर पहुंचकर मलबे की जांच करेगा। यह घटना हाल के दिनों में अमेरिका में हुई कई विमान दुर्घटनाओं में से एक है। इससे पहले, 29 जनवरी को वॉशिंगटन डीसी के रोनाल्ड रीगन एयरपोर्ट पर एक सैन्य हेलीकॉप्टर और अमेरिकन एयरलाइंस के एक क्षेत्रीय जेट की टक्कर में 67 लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा, कुछ अन्य बड़ी घटनाएं इस प्रकार हैं- फिलाडेल्फिया में एक मेडिकल इमरजेंसी विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ । अलास्का के नोम में एक विमान हादसे में 10 लोगों की मौत हुई।

स्कॉट्सडेल, एरिजोना में एक निजी विमान रनवे से फिसल गया, जिसमें पायलट की मौत हो गई । टोरंटो में डेल्टा एयरलाइंस का एक विमान लैंडिंग के दौरान पलट गया । हालांकि, हड्सस्कके मुताबिक, जनवरी 2025 में अमेरिका में विमान हादसों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर सबसे कम रही। फिर भी, छोटे विमानों के साथ दुर्घटनाएं अधिक होती हैं, क्योंकि वे बड़े एयरलाइंस विमानों की तुलना में कम नियमों के दायरे में आते हैं।

हमास ने इजराइली बंधकों के शव सौंपने से पहले मंच पर रखे काले ताबूत, शव लेने गाज़ा पहुंचे रेड क्रॉस के वाहन

गाजा , एजेंसी। हमास के उग्रवादियों ने रेड क्रॉस को बंधकों के शव सौंपने से पहले मंच पर चार काले ताबूत प्रदर्शित किए। मंच के चारों ओर उग्रवादियों के बैनर लगे हुए थे। यह हस्तांतरण उस संघर्षविराम समझौते का हिस्सा है जो पिछले महीने प्रभाव में आया था। गाजा में संघर्षविराम समझौते के तहत हो रहे इस हस्तांतरण में एक मां और उसके दो छोटे बच्चों के शव शामिल हैं। साथ ही 80 वर्ष से अधिक उम्र के एक सेवानिवृत्त पत्रकार का शव भी इनमें शामिल है। इजराइल की सेना ने कहा है कि उसे उन चार बंधकों के शव मिल गए हैं जो हमास ने गाजा पट्टी में अंतर्राष्ट्रीय संस्था 'रेड क्रॉस को सौंपे गए थे। 'रेड क्रॉस संस्था का मुख्य उद्देश्य युद्ध के दौरान घायल सैनिकों की मदद और चिकित्सा करना है। बताया जाता है कि ये शव शीरी बीबास और उनके दो बच्चों और ओदेद लिफ्शित्ज के हैं। हमास द्वारा बंधक बनाए जाने के वक्त लिफ्शित्ज की उम्र 83 वर्ष थी। इजराइल के अधिकारी शवों की पहचान के लिए उनका डीएनए परीक्षण करेंगे। इस प्रक्रिया में दो दिन का समय लग सकता है। इस समझौते ने इजराइल और हमास के बीच 15 महीनों से चल रहे युद्ध को अस्थायी रूप से रोक दिया है। युद्ध की शुरुआत सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद हुई थी। रेड क्रॉस के वाहन गाज़ा पट्टी के उस स्थान पर पहुंच गए हैं जहां हमास चार इज़राइली बंधकों के शव सौंपने वाला है। यह हस्तांतरण उस संघर्षविराम समझौते का हिस्सा है जो पिछले महीने प्रभाव में आया था। इस समझौते ने इजराइल और हमास के बीच 15 महीनों से चल रहे युद्ध को अस्थायी रूप से रोक दिया है। रेड क्रॉस के वाहन गाज़ा पट्टी के जिस स्थान पर पहुंचे हैं वहां सैकड़ों नकाबपोश लड़ाके और आम लोग झंडे और बैनर के साथ मौजूद हैं।

जिंदा या मुर्दा मच्छर लाने पर मिलेगा इनाम

इस गांव ने डेंगू से बचने का निकाला अनोखा तरीका

फिलीपींस एजेंसी। फिलीपींस के राजधानी क्षेत्र मांडलुयोंग शहर के एडिशन हिल्स गांव से अनोखा मामला सामने आया है। इस गांव ने मच्छर से निपटने का अनोखा तरीका अपनाया है। मच्छरों के काटने से डेंगू समेत कई बीमारियां सामने आती हैं। मच्छरों को मारने या भगाने के लिए लोग अलग-अलग तरकीबें भी अपनाते रहते हैं। लेकिन क्या आपने कभी ये सुना है कि मच्छरों को जिंदा या मुर्दा लेकर आने पर इनाम दिया जाएगा। ऐसा ही एक तरीका इस गांव में अपनाया गया है। जी हां पकड़े गए मच्छरों के लिए निवासियों को एक सांकेतिक इनाम की

पेशकश की गई - चाहे वे मरे हों या जिंदा। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस साल 1 फरवरी तक फिलीपींस में डेंगू के कम से कम 28,234 मामले दर्ज किए गए हैं, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 40त्न अधिक है। क्यूजोन सिटी ने शनिवार को डेंगू प्रकोप की घोषणा की, क्योंकि इस साल संक्रमित 1,769 निवासियों में से 10 लोगों की मृत्यु हो गई, जिनमें से ज्यादातर बच्चे थे। भीड़-भाड़ वाले इलाकों और आवासीय कॉन्डोमिनियम टावरों में रहने वाले 100,000 से ज्यादा निवासियों वाला एक शहरी गांव, एडिशन हिल्स ने डेंगू से निपटने के लिए सफाई, नहरों की सफाई और स्वच्छता अभियान चलाया है। लेकिन जब इस साल मामले बढ़कर 42 हो गए और दो युवा छात्रों की मौत हो गई, तो गांव के नेता कार्लिटो सेर्नल ने लड़ाई को और तेज करने का फैसला किया। मुझे एक रास्ता मिल गया। सेर्नल ने कहा कि निवासियों को हर पांच मच्छर या मच्छर के लार्वा के लिए एक फिलीपींस पेसो (करीब डेढ़ रुपये) का इनाम मिलेगा। आलोचकों ने चेतावनी दी कि अगर हताश लोग इनाम के लिए मच्छरों का प्रजनन शुरू कर देते हैं तो यह रणनीति उल्टी पड़ सकती है। सेर्नल ने कहा कि ऐसा होने की संभावना नहीं है क्योंकि मामलों में बढ़ोतरी कम होते ही अभियान समाप्त कर दिया जाएगा।

लंदन हाईकोर्ट से माल्या को बड़ा झटका, सुनवाई स्थगित करने की अपील खारिज

लंदन, एजेंसी।
भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या की इंग्लैंड की एक अदालत की ओर से जारी दिवालिया आदेश के खिलाफ दायर अपील पर इंग्लैंड की हाईकोर्ट से झटका लगा है। इंग्लैंड एंड वेल्स हाईकोर्ट के चेंचरी डिविजन के अपीलीय जज जस्टिस एंथनी मान ने माल्या की ओर से सुनवाई स्थगित करने का आवेदन ठुकरा दिया। माल्या खुद सुनवाई के लिए मौजूद नहीं थे, उनके वकीलों ने सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया था।

जस्टिस एंथनी ने भारत में मनी लॉन्ड्रिंग और बैंक फ्रॉड के मामलों में वांछित 69 वर्षीय शराब कारोबारी से जुड़ी कई अपीलों को सुनने का फैसला किया। इनमें से वह अपील भी शामिल हैं जिनमें भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व में बैंकों के समूह ने विजय माल्या की बंद हो चुकी एयरलाइन कंपनी किंगफिशर पर 1.05 अरब पाउंड के भुगतान की मांग की गई है।

जस्टिस एंथनी ने कहा, मुझे भारतीय सुनवाई के परिणाम तक कार्यवाही लंबित रखने का कोई कारण नहीं दिखता। अपील का महत्वपूर्ण समय पहले भी बर्बाद हो चुका है। उन्होंने मामले में माल्या की ओर नए सबूत पेश करने के अनुरोध को भी खारिज कर दिया। इन सबूतों में संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन का वह बयान भी शामिल है कि माल्या की संपत्तियों से सरकारी बैंकों को 14131 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। जस्टिस मान मुख्य दिवाला और कंपनी न्यायालय के न्यायाधीश माइकल ब्रिग्स के एक फैसले से संबंधित अपीलों की सुनवाई कर रहे हैं, जो लगभग छह साल पहले माल्या के खिलाफ बैंकों द्वारा शुरू की गई दिवालियापन कार्यवाही के संदर्भ में दिया गया था।

अमेरिका में ठंड का कहर, तूफान के चलते कई इलाकों में भारी बर्फबारी

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के कई इलाकों में ठंड का कहर जारी है। बुधवार को उत्तरी कैरोलिना और वर्जीनिया के कुछ हिस्सों में तूफान आया, जिसकी वजह से भारी बर्फबारी हुई। बर्फबारी के चलते सड़कों पर सैंकड़ों दुर्घटनाएं रिपोर्ट हुई। फिलहाल अधिकारियों ने हालात को देखते हुए लोगों को घरों के भीतर ही रहने की सलाह दी है। अमेरिका के टेनेसी और ओहायो में पहले से ही ठंड का कहर जारी है। गौरतलब है कि टेनेसी और ओहायो पहले ही बाढ़ की समस्या से जूझ रहे हैं, अब ठंड ने लोगों की परेशानी को कई गुना बढ़ा दिया है।

अमेरिका के राष्ट्रीय मौसम सेवा विभाग ने आशंका जताई है कि गुरुवार को वर्जीनिया से अटलांटिक तट तक 25 सेंटीमीटर तक बर्फबारी होने की आशंका है। पूर्वी उत्तरी कैरोलिना में भी भारी बर्फबारी का अनुमान है। वर्जीनिया के हैंप्टन रोड्स क्षेत्र और उत्तर पूर्वी कैरोलिना में प्रति घंटे पांच सेंटीमीटर तक बर्फबारी हुई है। गुरुवार सुबह और भारी बर्फबारी की आशंका है। वर्जीनिया स्टेट पुलिस ने बताया कि बुधवार दोपहर तक 275 दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें कम से कम दो दर्जन लोग घायल हुए हैं। दुर्घटनाओं के चलते उत्तरी कैरोलिना में भी कुछ हिस्से बंद कर दिए गए हैं। फ्लाइट-ट्रैकिंग साइट फ्लाइटअवेयर डॉट कॉम के अनुसार, पूरे अमेरिका में लगभग 5,600 उड़ानें रद्द या उनमें देरी हुई। इनमें उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट डगलस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से आने-जाने वाली 400 से अधिक उड़ानें शामिल हैं। दूसरी ओर, ध्रुवीय भंवर ने मोंटाना से दक्षिणी टेक्सास तक के तापमान में भारी गिरावट

ला दी। गौरतलब है कि कई ऐसे इलाकों में बर्फबारी हुई है, जहां आमतौर पर सर्दियों के मौसम में बर्फ नहीं पड़ती। ऐसे में लोगों ने इस पर हैरानी भी जताई है। बर्फबारी वाले इलाकों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। वर्जीनिया में पिछले सप्ताह आए तूफान के बाद से ही आपातकाल की स्थिति बनी हुई है। नेशनल गार्ड और राज्य एजेंसियों को स्थानीय सरकारों की मदद करने के लिए तैनात किया गया है। लोगों को घरों के भीतर ही रहने की सलाह दी जा रही है। पूर्वी अमेरिका में पिछले हफ्ते के अंत में आए तूफानों ने कम से कम 19 लोगों की जान ले ली, जिनमें केंटकी में 14 लोग शामिल हैं। दक्षिणी वेस्ट वर्जीनिया में, सप्ताहांत की बाढ़ ने मैकडॉवेल काउंटी में तीन लोगों की जान ले ली।-

तिब्बती कार्यकर्ता ने सुनाई आपबीती, कहा- चीन में विरोध प्रदर्शन करने पर मिलती हैं क्रूर यातनाएं

जिनेवा, एजेंसी। मानवाधिकार और लोकतंत्र के लिए 17वें जिनेवा शिखर सम्मेलन-2025 में वक्ताओं ने चीन, रूस, सऊदी अरब, बेलारूस, हांगकांग, वियतनाम और ईरान में मोषवाधिकारों के उल्लंघन पर प्रकाश डालो। चीनी अत्याचारों को लेकर तिब्बती कार्यकर्ता व पूर्व राजनीतिक कैदी नामकी ने उसे सताए जाने के भयावह अनुभवों का जिक्र भी किया। उन्हें चीन में कैद के दौरान भयानक यातनाएं झेलना पड़ीं।

यह सम्मेलन सेंटर इंटरनेशनल डी कॉन्फ्रेंस जिनेवा (सीआईसीजी) में चल रहा है। केंद्रीय तिब्बत प्रशासन (सीटीए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, नामकी ने चीनी सरकार द्वारा सताए जाने के अपने दर्दनाक अनुभवों को बताते हुए कहा, 21 अक्तूबर, 2015 को जब वह और उनके चचेरे भाई तेनजिन डोलमा ने नगाबा काउंटी के शहीद चौक पर विरोध प्रदर्शन किया तब 10 मिनट बाद ही पुलिस अफसरों का समूह हम पर टूट पड़ा। उन्होंने जबरदस्ती हमारे हाथों से पोस्टर-बैनर छीन लिए और हमें हथकड़ी लगाकर आवाजें दबा दीं। हम तिब्बत में वापसी व उसकी आजादी का आह्वान कर र रहे थे। इसके बाद भयानक यातनाओं का दौर शुरू हुआ। सीटीए रिपोर्ट से पता चला कि दोनों को शुरुआत में नगाबा काउंटी हिरासत केंद्र में रखने के बाद आधी रात को बरखम हिरासत केंद्र में ले जाया गया।

dainikworldwisenews@gmail.com

तबाही का देवता बन धरती की ओर तेजी से बढ़ रहा महाविनाशक एस्टेरॉयड

टकराया तो भारत समेत दक्षिण एशिया में मच जाएगी तबाही

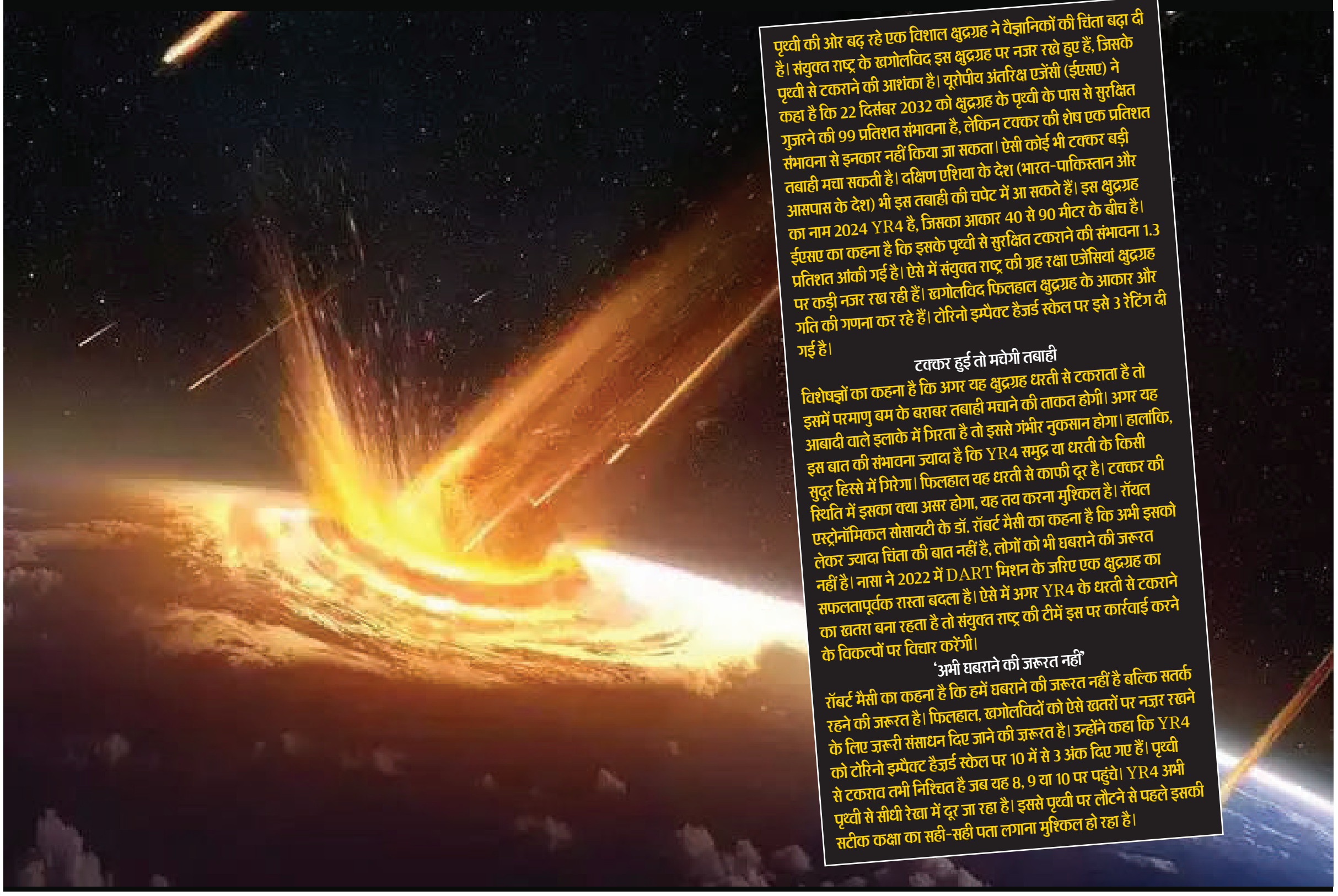

पृथ्वी की ओर बढ़ रहे एक विशाल क्षुद्रग्रह ने वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है। संयुक्त राष्ट्र के खगोलविद इस क्षुद्रग्रह पर नजर रखे हुए हैं, जिसके पृथ्वी से टकराने की आशंका है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने कहा है कि 22 दिसंबर 2032 को क्षुद्रग्रह के पृथ्वी के पास से सुरक्षित गुजरने की 99 प्रतिशत संभावना है, लेकिन टक्कर की शेष एक प्रतिशत संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसी कोई भी टक्कर बड़ी तबाही मचा सकती है। दक्षिण एशिया के देश (भारत-पाकिस्तान और आसपास के देश) भी इस तबाही की चपेट में आ सकते हैं। इस क्षुद्रग्रह का नाम 2024 YR4 है, जिसका आकार 40 से 90 मीटर के बीच है। ईएसए का कहना है कि इसके पृथ्वी से सुरक्षित टकराने की संभावना 1.3 प्रतिशत आंकी गई है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र की ग्रह रक्षा एजेंसियां क्षुद्रग्रह पर कड़ी नजर रख रही हैं। खगोलविद फिलहाल क्षुद्रग्रह के आकार और गति की गणना कर रहे हैं। टोरिनो इम्पैक्ट हैजर्ड स्केल पर इसे 3 रेटिंग दी गई है।

टक्कर हुई तो मचेगी तबाही

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह क्षुद्रग्रह धरती से टकराता है तो इसमें परमाणु बम के बराबर तबाही मचाने की ताकत होगी। अगर यह आबादी वाले इलाके में गिरता है तो इससे गंभीर नुकसान होगा। हालांकि, इस बात की संभावना ज्यादा है कि YR4 समुद्र या धरती के किसी सुदूर हिस्से में गिरेगा। फिलहाल यह धरती से काफी दूर है। टक्कर की स्थिति में इसका क्या असर होगा, यह तय करना मुश्किल है। रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी के डॉ. रॉबर्ट मैसी का कहना है कि अभी इसको लेकर ज्यादा चिंता की बात नहीं है, लोगों को भी घबराने की जरूरत नहीं है। नासा ने 2022 में DART मिशन के जरिए एक क्षुद्रग्रह का सफलतापूर्वक रास्ता बदला है। ऐसे में अगर YR4 के धरती से टकराने का खतरा बना रहता है तो संयुक्त राष्ट्र की टीमें इस पर कार्रवाई करने के विकल्पों पर विचार करेंगी।

'अभी घबराने की जरूरत नहीं'

रॉबर्ट मैसी का कहना है कि हमें घबराने की जरूरत नहीं है बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है। फिलहाल, खगोलविदों को ऐसे खतरों पर नज़र रखने के लिए ज़रूरी संसाधन दिए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि YR4 को टोरिनो इम्पैक्ट हैज़र्ड स्केल पर 10 में से 3 अंक दिए गए हैं। पृथ्वी से टकराव तभी निश्चित है जब यह 8, 9 या 10 पर पहुंचे। YR4 अभी पृथ्वी से सीधी रेखा में दूर जा रहा है। इससे पृथ्वी पर लौटने से पहले इसकी सटीक कक्षा का सही-सही पता लगाना मुश्किल हो रहा है।

क्या आप जानते है 24 घंटे में कैसे घूमती है धरती?

भारतीय खगोलशास्त्री दोर्जे अंगचुक ने एक अद्भुत टाइम-लैप्स वीडियो बनाया है। इसे लद्दाख में शूट किया गया है। वीडियो में वहां की एक विज्ञान प्रयोगशाला के सामने पृथ्वी को घूमते हुए दिखाया गया है। यह वीडियो अपने आप में अनूठा है और हमारे ग्रह की गति का एक अनूठा दृश्य प्रस्तुत करता है। दोर्जे अंगचुक लद्दाख के हानले में स्थित वेधशाला के प्रभारी इंजीनियर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अंगचुक ने बताया कि उनका मकसद यह दिखाना था कि कैसे दिन रात में बदल जाता है और फिर दिन हो जाता है। हालांकि, वीडियो को कैप्चर करना आसान नहीं था। शुरुआत में उनका लक्ष्य ओरियन तारामंडल को फ्रेम करना था। लेकिन अपने अक्षांश पर आकाश में इसकी स्थिति को नेविगेट करना मुश्किल था। लद्दाख के ठंडे मौसम ने उपकरणों को प्रभावित किया। कैमरे की बैटरी जल्दी खत्म हो गई। लगातार चार रातों तक कोशिश करने के दौरान उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। स्टोरेज की समस्या थी। एक बार टाइमर खराब हो गया। हालांकि, वे पृथ्वी के घूमने का टाइम-लैप्स वीडियो बनाने में सफल रहे। इसके बाद, पोस्ट-प्रोडक्शन की चुनौती थी। बड़ी मात्रा में फुटेज को इस तरह से फ्रेम करना था कि वह अच्छा लगे। मजे की बात यह है कि उनसे टाइम-लैप्स वीडियो के लिए अनुरोध किया गया था। उन्होंने वीडियो इसलिए बनाया ताकि छात्र हमारी पृथ्वी के घूमने को समझ सकें। अंगचुक के अनुसार, उन्हें यह विचार तब आया जब उनसे पूछा गया कि क्या टाइम-लैप्स वीडियो बनाया जा सकता है ताकि छात्र वीडियो देखकर पृथ्वी के घूमने को समझ सकें। आखिरकार, कई दिनों की मेहनत और प्रयास रंग लाए। दोर्जे अंगचुक ने टाइम-लैप्स वीडियो को सोशल मीडिया पर भी शेयर किया है।

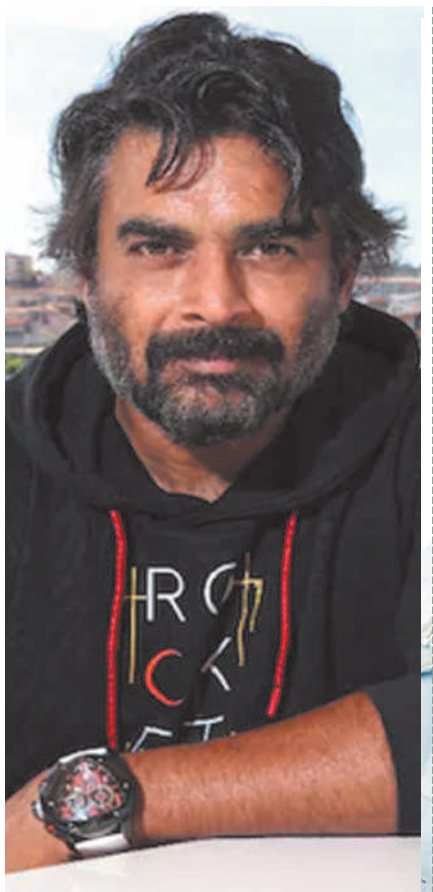

'भारत के एडिसन' जीडी नायडू की बायोपिक की घोषणा, माधवन निभाएंगे मुख्य भूमिका

निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार 'भारत के एडिसन' के नाम से मशहूर वैज्ञानिक जीडी नायडू की बायोपिक बनाएंगे। निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल जारी कर दिया है। टाइटल 'जी.डी.एन' रखा गया है, जिसमें अभिनेता आर. माधवन मुख्य भूमिका में दिखेंगे।

वैज्ञानिक पर आधारित बायोपिक का भारत में शेड्यूल मंगलवार से शुरू हो चुका है, जिसमें आर माधवन के साथ अभिनेता प्रियामणि, जयराम और योगी बाबू भी शामिल होंगे। फिल्म में संगीत गोविंद वसंता ने दिया है। अभिनेता माधवन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए एक पोस्टर शेयर किया। उन्होंने लिखा, आप सभी के आशीर्वाद और शुभकामनाओं की जरूरत है। जानकारी के अनुसार, फिल्म की पूरी शूटिंग कोयंबटूर में की जाएगी, जो वैज्ञानिक का जन्मस्थान है। खास बातचीत में फिल्म के कार्यकारी निर्माता मुरलीधरन सुब्रमण्यम ने बताया था, फिल्म का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा कोयंबटूर में शूट किया जाएगा और बाकी पांच प्रतिशत विदेश में शूट किया जाएगा। पांच प्रतिशत का एक छोटा हिस्सा, जो विदेश में शूट किया जाना था, वह पिछले साल ही पूरा हो चुका है। बाकी हिस्से की शूटिंग जारी है। मुरलीधरन ने कहा, निर्देशक और उनकी टीम ने वैज्ञानिक के जीवन पर तीन से पांच साल से भी अधिक समय तक रिसर्च किया है। टीम का उद्देश्य था कि जीडी नायडू, विज्ञान और समाज में उनके योगदान का कोई भी हिस्सा ना छूटे।

'रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट' को साल 2022 में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए मिले राष्ट्रीय पुरस्कार के बाद वर्गीज मूलन पिक्चर्स और ट्राइकलर फिल्म्स इस प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आ रहे हैं। 'रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट' में नंबी नारायणन की भूमिका निभाने वाले माधवन अब जीडी नायडू की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण वर्गीज मूलन पिक्चर्स के वर्गीज मूलन और विजय मूलन तथा ट्राइकलर फिल्म्स के आर. माधवन और सरिता माधवन करने के लिए तैयार हैं। अरविंद कमलानाथन फिल्म के सिनेमैटोग्राफर और क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में काम करेंगे।

मिसेज के बाद साइंस बेस्ड मूवी करेंगी सान्या

सान्या मल्होत्रा की फिल्म मिसेज हाल ही में सा रिलीज हुई। यह मलयालम फिल्म द ग्रेट इंडियन किचन की रीमेक है। इसे आरती कड़व ने डायरेक्ट किया। फिल्म में सान्या ने एक ऐसी हाउसवाइफ का किरदार निभाया, जो अपने जीवन में बड़ा मुकाम हासिल करना चाहती है लेकिन परिवार उसे सिर्फ किचन तक सीमित रखना चाहता है। यह सोच इरादतन नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक मानसिकता के कारण बनी रहती है। आरती ने इसी सोच को फिल्म में दिखाया है।

फिल्म को मिली जबरदस्त तारीफ

आरती कहती हैं... फिल्म को उम्मीद से ज्यादा प्यार मिला। मैंने इसे जिम्मेदारी से बनाया था। मुझे लगा था कि लोग इस विषय पर चर्चा करेंगे लेकिन इतनी तारीफ मिलेगी, यह सोचा नहीं था। कई दर्शकों ने अपनी मां और बहनों की जिंदगी से जुड़ी कहानियां साझा कीं, जो फिल्म के किरदार से मेल खाती थीं। यह जानकर दुख भी हुआ कि समाज में अब भी ऐसी दकियानूसी सोच बनी हुई हैं।

थिएटर में रिलीज का इरादा नहीं था

आरती ने बताया कि फिल्म को थिएटर में लाने का कोई इरादा नहीं था। इसलिए डायरेक्ट ओटीटी पर रिलीज करना सही फैसला रहा। आगे साइंस फिक्शन जॉनर की फिल्म भी लाऊंगी। पहले कार्गो नाम की फिल्म बनाई थी। ऐसी फिल्मों के लिए बड़े बजट की जरूरत होती है। सान्या को दो साइंस फिक्शन कहानियां सुनाई हैं। मुमकिन है कि जल्द ही सान्या की कोई साइंस फिक्शन फिल्म आए।

नॉर्थ इंडियन दर्शकों के लिए फिल्म में किए गए थे बदलाव

मूल फिल्म मलयाली दर्शकों के लिए बनी थी। हिंदी वर्जन में इसे नॉर्थ इंडियन दर्शकों के हिसाब से बदला गया। साउथ वर्जन में सबरीमाला विवाद को दिखाया गया था, जहां महिलाओं को घर में बंद कर दिया गया था। हिंदी वर्जन में इसे करवा चौथ से जोड़ा गया। मूल फिल्म में घर में मेड नहीं थी लेकिन हिंदी वर्जन में मेड का किरदार जोड़ा गया।

फिल्में बदलाव ला सकती हैं...

आरती का मानना है कि फिल्मों से बदलाव की शुरुआत होती है। जब किसी मुद्दे पर बातचीत होती है, तो पॉलिसी लेवल पर भी बदलाव का माहौल बनता है। हालांकि यह प्रयास पर्याप्त नहीं होते लेकिन जरूरी होते हैं।

फ्रेंचाइज बनाने की प्लानिंग नहीं है...

आरती ने कहा कि मिसेज में कामकाजी महिलाओं से जुड़े कई जरूरी मुद्दे हैं। इसे फ्रेंचाइज बनाना प्राथमिकता नहीं है। सान्या इस फिल्म के मुद्दे से इतनी जुड़ गई थीं कि शूटिंग के बाद भी उन्हें इससे बाहर आने में महीना भर लगा था।

कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए अजय देवगन ने शुभकामनाएं दी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर आगामी फिल्म कौशलजीस वर्सेस कौशल के लिए शुभकामनाएं दी। फिल्म के ट्रेलर को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर करते हुए, सिंघम अभिनेता ने लिखा, पीढ़ियां आपस में टकरा सकती हैं, लेकिन प्यार हमेशा एक रास्ता खोज लेता है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में परिवार, प्यार और हंसी के मजेदार दिल को छू लेने वाले सफर के लिए तैयार हो जाइए। इस शुक्रवार 21 फरवरी को केवल जिओ हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग होगी। सोमवार को आगामी पारिवारिक ड्रामा कौशलजीस वर्सेस कौशल के निर्माताओं ने इसका ट्रेलर जारी किया। फिल्म के ट्रेलर में दिल को छू लेने वाली कहानी की झलक मिलती है।

फिल्म को सीमा देसाई और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म की कहानी 27 साल के युग कौशल की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कन्नौज में अपने छोटे शहर की जड़ों को पीछे छोड़कर दिल्ली चला जाता है। निर्देशक सीमा देसाई ने एक बयान में कहा, कौशलजीस वर्सेस कौशल की कहानी जो जटिल होते हुए भी खूबसूरत है। यह परिवार के बारे में है। हम अक्सर युवा जोड़ों की प्रेम कहानियां देखते हैं, लेकिन उन लोगों का क्या जो दशकों से साथ हैं? यह फिल्म शादी पर एक हल्की-फुल्की लेकिन मार्मिक नजर डालती है और पूछती है, क्या होगा अगर वर्षों के संघर्ष के बाद भी प्यार खत्म न हो। मुझे भरोसा है कि दर्शक प्यारे किरदारों से जुड़ेंगे, हंसेंगे, रोएंगे और अपने परिवार की झलक स्क्रीन पर देखेंगे। यह दिल से दिलों के लिए बनाई गई एक अच्छी फिल्म है। कौशलजीस वर्सेस कौशल में शीबा चड्ढा, पावेल गुलाटी, ईशा तलवार, बृजेंद्र काला और ग्रुशा कपूर भी हैं। यह फिल्म 21 फरवरी को जिओ हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

शिवाजी महाराज की जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना मेरे लिए बेहद खास है

आज छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती है। इस मौके पर ऋषभ शेट्टी की अपकमिंग फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। इस नए पोस्टर में वीर शिवाजी बने ऋषभ शेट्टी देवी मां की विशाल मूर्ति के सामने खड़े नजर आ रहे हैं।

ऋषभ शेट्टी ही बनेंगे शिवाजी महाराज

बॉलीवुड से लेकर मराठी सिनेमा तक कई सारे सितारे शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आ चुके हैं। अब छत्रपति शिवाजी महाराज पर बन रही आगामी फिल्म द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज में ऋषभ शेट्टी शिवाजी महाराज का किरदार निभाते नजर आने वाले हैं।

ऋषभ शेट्टी ने कही ऐसी बात

पोस्टर रिलीज के मौके पर ऋषभ शेट्टी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर हम सभी गर्व महसूस करते हैं। वे केवल एक योद्धा नहीं थे बल्कि स्वराज्य की आत्मा थे। उन्हें हमेशा धैर्य, बुद्धि और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। उनकी जीवन यात्रा को पर्दे पर दिखाना वाकई मेरे लिए बेहद खास है। मैं आशा करता हूं कि उनकी विरासत को मैं अच्छे तरीके से पर्दे पर दिखा सकूं। सभी भारतीयों को उनकी अमर वीरता का एहसास दिला सकूं।

फिल्म में नजर आएंगे ये सितारे

स्वराज्य का सपना देखने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर इस फिल्म की टीम के बारे में भी मेकर्स ने बताया है। फिल्म की कहानी सिद्धार्थ - गरिमा ने लिखी है। फिल्म को संगीत प्रीतम ने दिया है। गानों ने बोल प्रसून जोशी ने लिखे हैं। वहीं, सिनेमेटोग्राफी रवि वर्मन ने की है। गणेश हेगड़े ने कोरियोग्राफी की है। फिल्म के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

यह फिल्म 21 जनवरी 2027 में हिंदी समेत छह अन्य भाषाओं में रिलीज होगी। यह फिल्म भारत और विदेशों में भी शिवाजी के स्वराज्य का सपना दिखाने वाली है।

शबाना आज़मी ने बताई डब्बा कार्टेल का हिस्सा बनने की वजह

एक्सेल एंटरटेनमेंट की नई सीरीज 'डब्बा कार्टेल' के ट्रेलर लांच इवेंट पर शबाना आजमी की अदाओं ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। महबूब स्टूडियो में इस कार्यक्रम का आयोजन शानदार तरीके से हुआ। लोगों में काफी उत्साह रहा लेकिन, आदतन प्रोग्राम अपने समय से ही शुरू हुआ। जनता बेसब्री से ट्रेलर का इंतजार करी दिखी। महबूब स्टूडियो में जब बारी इस ट्रेलर लॉन्च की आई तो मामला बहुत ही रोचक हो गया है। आहिस्ता आहिस्ता किरदारों पर से परदा हटा और जब बारी शबाना आजमी की आई तो फिर तो माहौल बदलना ही थी। इवेंट में मीडिया के साथ सवाल जवाब के समय शबाना आज़मी ये कहा कि इस सीरीज की पूरी कास्टिंग घर का मामला था। शिबानी अख्तर ने क्रिएट किया ये प्रोजेक्ट और मुझे हुक्म दिया, एक्टिंग करने के लिए। बहू को कैसे मना कर सकती थी और बेटा तो प्रोड्यूसर ही है। साथ ही उन्होंने एक कन्फेशन ये भी किया की जब इस सीरीज की कास्टिंग चल रही थी तो वह नहीं चाहती थीं कि अभिनेत्री ज्योतिका को इसमें कास्ट किया जाए। इवेंट के दौरान ही शबाना आजमी ने इसके लिए ज्योतिका से माफी भी मांगी और कहा कि अच्छा हुआ शिबानी ने उनकी नहीं सुनी और दोनों ने साथ काम किया। सीरीज के निर्देशक हितेश भाटिया ने इस मौके पर बताया कि शुरू में तो वह काफी परेशान थे लेकिन जब सारे लोग साथ आ गए तो उनकी घबराहट भरोसे में बदल गई। ज्योतिका के मुताबिक उन्हें ये प्रोजेक्ट इसलिए काफी पसंद आया क्योंकि इसमें महिलाओं की अहम भूमिका है। वह कहती हैं, फइस सीरीज में सिर्फ किरदार ही नहीं, बल्कि पूरी टीम में भी महिलाओं की बहुत भागीदारी रही। हमारे क्रू में लगभग 60-70त्न महिलाएं थीं, जो हर विभाग में शानदार काम कर रही थीं। यह देखकर बहुत गर्व महसूस हुआ। अभिनेता आदर्श रावल के साथ फिल्म 'बमफाड़' से हिंदी सिनेमा में अपना करियर शुरू करने वाली साउथ सिनेमा की अभिनेत्री शालिनी पांडे ने भी ज्योतिका की बात का समर्थन किया और कहा कि यह शो महिलाओं के दम पर आगे बढ़ा है। उन्होंने उलाहना दिया कि शानदार अभिनेता गजराज राव के साथ उनका एक भी सीन नहीं है। वहीं, गजराज राव ने कहा, आमतौर पर मैं सिर्फ अपने डायलॉग्स याद करता हूँ, लेकिन इस बार सबसे ज्यादा मेहनत फार्मास्युटिकल्स के नाम याद करने में करनी पड़ी। और, अब तो मुझे इतने नाम याद हो गए हैं कि मेडिकल इंडस्ट्री में भी एंट्री ले सकता हूं! नेटफ्लिक्स की नई सीरीज 'डब्बा कार्टेल' 28 फरवरी को रिलीज होगी।

सनम तेरी कसम की री-रिलीज की सफलता पर भावुक हुए हर्षवर्धन राणे

हर्षवर्धन राणे अपनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म सनम तेरी कसम की सफलता का जश्न मना रहे हैं। यह फिल्म सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। आज भी अभिनेता ने एक इमोशनल नोट शेयर किया और सभी प्रशंसकों को उनके प्यार के लिए धन्यवाद दिया। अभिनेता ने पोस्टर साझा कर लिखा- एक प्रेम कहानी जो लंबे समय तक नहीं चलनी थी। हर्षवर्धन ने आगे लिखा- फिर भी हम यहां हैं, 10 दिन बाद, अभी भी हर पल ऐसा महसूस कर रहे हैं जैसे यह पहली बार हो। अभिनेता ने आगे लिखा- किसी ऐसे व्यक्ति को टैग करें जो इसे दोबारा देखने की योजना बना रहा है। सनम तेरी कसम अब तब बॉक्स ऑफिस पर 36.01 करोड़ रुपये की कमाई की।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक निहाल कुमार साह वर्ल्ड वाइज न्यूज (दैनिक), दैनिक भास्कर प्रिंटिंग प्रेस,प्लॉट नंबर 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन , रातू राँची (झारखंड) से मुद्रित , , मोनिका भारती फ्लैट नंबर 305 सुशीला अपार्टमेंट, नियर काली मंदिर (जिला- हजारीबाग) राज्य- झारखंड , पिन नंबर 825301 से प्रकाशित (वरीय संपादकः अमरनाथ पाठक) , (प्रधान संपादकः पप्पु कुमार) , (सलाहकार संपादक : अखौरी ब्रजेश सहाय), (स्थानीय संपादक : विष्णु पांडेय) पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेवार , RNI.NO: JHAHIN/2023/85732
समस्त दिवानी विवादी, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परीवादो के लिए क्षेत्राधिकार हजारीबाग न्यायालय में रहेगा।